A Daily News Magazine
इंदौर
शनिवार, 25 जनवरी, 2025

सुबह सवेरे

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 10 अंक 116, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

(डाक पंजीयन संख्या: MP/IDC/1529/2016-2018)

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

छत्तीसगढ़-नक्सलियों के खात्मे का अमित शाह का पूरा होगा वादा?

आलोक पुतुल

क्या छत्तीसगढ़ में माओवादियों के ख़िलाफ़ सुरक्षाबलों की लड़ाई किसी निर्णायक दौर में है? अगर एक के बाद एक संदिग्ध माओवादियों के ख़िलाफ़ चलने वाले ऑपरेशन और उसके आंकड़ों को देखें तो इसका जवाब देना मुश्किल नहीं होगा। हालांकि, माओवादियों की लंबे समय से चली आने वाली गुरिल्ला लड़ाई को जानने वाले शायद इन आंकड़ों के बाद भी संशय में हो सकते हैं। लेकिन मौजूदा आंकड़े बताते हैं कि माओवादी आंदोलन 1970 के बाद अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रहा है।

इस साल एक जनवरी से अब तक, छत्तीसगढ़ के अलग-अलग हिस्सों में पुलिस ने 45 संदिग्ध माओवादियों को मारने का दावा किया है। हालांकि, इस दौरान सुरक्षाबल के 9 जवानों समेत 10 लोग भी मारे गए। माओवादियों के खिलाफ़ ऑपरेशन का सिलसिला लगभग हर दिन जारी रहा।

माओवादियों के साथ साल की पहली मुठभेड़ की घटना 3 जनवरी को राज्य के गरियाबंद ज़िले में हुई, जहां ओडिशा और छत्तीसगढ़ के सुरक्षाबलों के संयुक्त ऑपरेशन में एक माओवादी के मारे जाने का पुलिस ने दावा किया था। अब उसी गरियाबंद ज़िले में ओडिशा और छत्तीसगढ़ के सुरक्षाबलों के साथ रविवार से मंगलवार तक चले मुठभेड़ के बाद पुलिस ने 14 माओवादियों के शव बरामद करने की बात कही है। इससे पहले 16 जनवरी को बीजापुर ज़िले के पुजारी कांकेर इलाके में 18 माओवादी मारे गए थे।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मंगलवार को 14 माओवादियों के शव बरामद किए जाने के बाद सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, नक्सलवाद को एक और झटका। हमारे सुरक्षा बलों ने नक्सल मुक्त भारत बनाने की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। सीआरपीएफ़, ओडिशा पुलिस के स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप और छत्तीसगढ़ पुलिस ने एक संयुक्त ऑपरेशन में ओडिशा-छत्तीसगढ़ सीमा पर 14 नक्सलियों को मारा है। नक्सल मुक्त भारत के हमारे संकल्प और सुरक्षाबलों की संयुक्त कार्रवाई के साथ ही नक्सलवाद अपनी अंतिम सांसें गिन रहा है।

इधर राज्य के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ताज़ा मुठभेड़ की सफलता से बेहद उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार अब माओवाद में अंतिम कील ठोंकने का काम कर रही है। एक सप्ताह के भीतर 31 मार्च 2026 तक देश से माओवाद को ख़त्म करने का संकल्प पूरा हो कर रहेगा। दिसंबर 2023 में जब छत्तीसगढ़ में बीजेपी की सरकार आई तो राज्य के गृहमंत्री विजय शर्मा ने माओवादियों के साथ शांति वार्ता की पेशकश की। दूसरी तरफ़ राज्य में सुरक्षाबलों ने माओवादियों के खिलाफ़ अपना ऑपरेशन भी धीरे-धीरे तेज़ कर दिया।

आंकड़े बताते हैं कि छत्तीसगढ़ में 2020 से 2023 के चार सालों में 141 माओवादी मारे गये थे। लेकिन राज्य में भाजपा की सत्ता आने के बाद अकेले 2024 में सुरक्षाबलों ने 223 माओवादियों को मुठभेड़ में मारने का दावा किया। इसके अलावा बस्तर के इलाके में सुरक्षाबलों के 28 कैंप भी खोले गये।

इस दौरान राज्य में अलग-अलग जन संगठनों के लोगों की भारी संख्या में गिरफ़्तारी भी हुई। कई मुठभेड़ों पर सवाल भी उठे।

मानवाधिकार संगठनों ने कहा कि बस्तर में ऑपरेशन इसलिए चलाया जा रहा है कि औद्योगिक घरानों के लिए खनन का रास्ता साफ़ हो। लेकिन इससे सरकारी कार्रवाई पर कोई फ़र्क नहीं पड़ा। 16 अप्रैल, 2024 को कांकेर के छोटेबेठिया में सुरक्षाबलों ने एक मुठभेड़ में 29 संदिग्ध माओवादियों को मारने का दावा किया। इस के 6 महीने बाद 4 अक्टूबर को दंतेवाड़ा के थुलथुली में 38 संदिग्ध माओवादियों के मारे जाने की घटना ने पिछले सारे रिकार्ड तोड़ दिए। इस दौरान केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के छत्तीसगढ़ में दौरे होते रहे। उन्होंने 31 मार्च 2026 तक छत्तीसगढ़ समेत पूरे देश से माओवाद, पूरी तरह से ख़त्म करने की समय सीमा भी तय कर दी। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद समाप्त होगा तो कश्मीर से ज्यादा पर्यटक बस्तर में आएंगे। नक्सलियों समर्पण करिए, हिंसा करेंगे तो हमारे जवान निपटेंगे।

अमित शाह जिस आत्मविश्वास से यह बात कह रहे हैं, असल में उसके पीछे भी माओवादी मोर्चे पर सुरक्षाबलों की सफलता के आंकड़े ही हैं। , देश भर में माओवाद प्रभावित ज़िलों की संख्या 126 से घट कर अप्रैल 2018 में 90 रह गई। जुलाई 2021 में ऐसे ज़िलों की संख्या 70 हो गई और अप्रैल 2024 में माओवाद प्रभावित ज़िलों की संख्या महज 38 रह गई। इनमें भी 40 फ़ीसदी ज़िले छत्तीसगढ़ के हैं।

छत्तीसगढ़ के 15 ज़िले- बीजापुर, बस्तर, दंतेवाड़ा, धमतरी, गरियाबंद, कांकेर, कोंडागांव, महासमुंद, नारायणपुर, राजनांदगांव, मोहला- मानपुर-अबांगढ़ चौकी, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, मुंगेली, कबीरधाम और सुकमा माओवाद से प्रभावित हैं। अब इनमें से अधिकांश ज़िलों में माओवादी हिंसा की घटनाएं नहीं के बराबर हो रही हैं।

हालांकि माओवादी मामलों के जानकार एक पुलिस अधिकारी कहते हैं, सुरक्षाबलों को जब मौका मिलता है, वो हमले करते हैं। जब माओवादियों को मौका मिलता है, वो हमले करते हैं। मामला केवल अवसर का है। यह ठीक है कि माओवादी बैकफुट पर हैं लेकिन माओवादियों की ताक़त को कम करके आंकना ठीक नहीं होगा। लेकिन सर्व आदिवासी समाज के नेता अरविंद नेताम के पास अपनी चिंताएं हैं। कई बार के सांसद और केंद्र सरकार में मंत्री रह चुके अरविंद नेताम का कहना है कि बस्तर में लंबे समय से गृहयुद्ध जैसी स्थितियां हैं। लेकिन इसका सबसे अधिक नुकसान आदिवासियों को हो रहा है। वे कहते हैं, मरने वाला भी आदिवासी है और मारने वाला भी. आदिवासी को दोनों तरफ़ से हथियार थमा दिए गए हैं। मारा तो आदिवासी ही जा रहा है। अरविंद नेताम की बात अपनी जगह सही भी है।

बस्तर के इलाके में अधिकांश माओवादी आदिवासी हैं। वहीं डिस्ट्रिक्ट रिज़र्व गार्ड और बस्तर फाइटर जैसे सुरक्षा संगठनों में भी आदिवासी ही हैं। ऐसे में अधिकांश अवसरों पर आदिवासी ही मारे जाते हैं। यहां तक कि माओवादी संगठन छोड़ कर आत्मसमर्पण करने वाले आदिवासी भी सुरक्षित नहीं हैं। आत्मसमर्पण के बाद सरकार उन्हें फिर से हथियार थमा देती है।

इसी महीने की 6 तारीख़ को बीजापुर ज़िले के कुटरु में संदिग्ध माओवादियों द्वारा पहले से सड़क में लगाए गए आईईडी यानी इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस की चपेट में आ कर 8 सुरक्षाकर्मियों समेत 9 लोग मारे गए। इनमें से डिस्ट्रिक्ट रिज़र्व गार्ड के हेड कांस्टेबल बुधराम कोरसा, सिपाही दुम्मा मरकाम, पंडारू राम, बामन सोढ़ी और बस्तर फाइटर्स के सिपाही सोमडू वेट्टी ऐसे आदिवासी थे।

इन लोगों ने कई सालों तक माओवादी आंदोलन का हिस्सा रहने के बाद आत्मसमर्पण किया था। यानी मारे जाने वाले 8 जवानों में से 5 ऐसे थे, जो पहले माओवादी रह चुके थे और अब सुरक्षाबलों का हिस्सा थे।

(बीबीसी हिन्दी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

महाकुंभ में अब साधु-संत भी करेंगे 'मन की बात'

धार्मिक और सामाजिक संकल्पों पर रखेंगे अपने मन के विचार

प्रयागराज (एजेंसी)। रेडियो पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के चर्चित कार्यक्रम 'मन की बात' की तर्ज पर प्रयागराज महाकुंभ में 'साधु कहें मन की बात' कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, जिसमें साधु-संत सनातन धर्म के प्रमुख विषयों सहित विभिन्न मुद्दों पर अपनी बात रखेंगे। कार्यक्रम के प्रवक्ता श्री पंच दशनाम आवाहन अखाड़े के महामंडलेश्वर स्वामी प्रकाशानंद ने बताया कि महाकुंभ के सेक्टर-20 में हरि धाम सनातन सेवा ट्रस्ट में 25 जनवरी को दोपहर दो बजे इस कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

स्वामी प्रकाशानंद के मुताबिक, इस आयोजन में संन्यासी, बैरागी और उदासीन सभी अखाड़ों के प्रमुख संतों के अलावा सभी हिंदू संप्रदायों के साधु-संत हिस्सा लेंगे, जिनमें तपोनिधि श्री पंचायती आनंद अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी बालकानंद गिरी, अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रविंद्र पुरी, श्री पंच दशनाम आवाहन अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अरुण गिरी, महामंडलेश्वर कनकेश्वरी देवी, श्री पंच दिगंबर अनी अखाड़े के श्री महंत माधवदास, शनि धाम पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर परमहंस दाती महराज, श्री शंभू पंच अग्नि अखाड़े के संपूर्णानंद ब्रह्मचारी, श्री दिगंबर अखाड़े के महामंडलेश्वर कंप्यूटर बाबा शामिल हैं। स्वामी प्रकाशानंद के अनुसार,महाकुंभ में लाखों साधु-संत अपने विभिन्न धार्मिक और सामाजिक संकल्पों को लेकर श्रद्धालुओं के बीच आते हैं।

सुप्रभात

कभी रुक गए कभी चल दिए
कभी चलते चलते भटक गए
यूँ ही उम्र सारी गुज़र गई
यूँ ही ज़िन्दगी के सितम सहे
कभी नींद में कभी होश में
तू जहाँ मिला तुझे देख कर
न नज़र मिली न ज़ुबां हिली
यूँ ही सर झुका के गुज़र गए
कभी ज़ुल्फ़ पर कभी चश्म पर
कभी तेरे हसीं वजूद पर
जो पसंद थे मेरी किताब में
वो शेर सारे बिखर गए
मुझे याद है कभी एक थे
मगर आज हम हैं जुदा जुदा
वो जुदा हुए तो संवर गए
हम जुदा हुए तो बिखर गए
कभी अर्श पर कभी फ़र्श पर
कभी उन के दर कभी दर -बदर
ग़म -ए -आशिक़ी तेरा शुक्रिया
हम कहाँ कहाँ से गुज़र गए

– परवीन शाकिर

म.प्र.कैबिनेट में हुए अहम फैसले

17 धार्मिक शहरों में शराबबंदी

मध्यप्रदेश ने देश में सबसे पहले लागू की है 'ई-समन-व्यवस्था' : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

महेश्वर (नप्र)। मध्यप्रदेश के 17 धार्मिक नगरों की 47 शराब दुकानें पूरी तरह बंद की जाएंगी। इन दुकानों को कहीं शिफ्ट भी नहीं किया जाएगा। एक अप्रैल से ये फैसला लागू होगा। महेश्वर में शुक्रवार को हुई कैबिनेट बैठक इसका फैसला लिया गया। सीएम डॉ. मोहन यादव ने खुद प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी जानकारी दी। मोहन सरकार के इस फैसले से शराब दुकानों से मिलने वाला राजस्व करीब 450 करोड़ रुपए कम हो जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि लोकमाता देवी अहिल्या बाई की 300वीं जयंती के उपलक्ष में मंत्रि-परिषद की बैठक का आयोजन माँ नर्मदा के किनारे होल्कर शासकों की राजधानी रहे महेश्वर में किया गया। देवी अहिल्या माता हों या रानी दुर्गावती, दोनों ने ही विदेशी आक्रांताओं के विरुद्ध संघर्ष के साथ सुशासन स्थापित करते हुए नारी सशक्तिकरण के अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किए। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन के अनुसार गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी सशक्तिकरण के चार स्तंभों पर आधारित व्यवस्था के अंतर्गत मंत्रि-परिषद की बैठक में महिला नीति संबंधित विषय पर महत्वपूर्ण निर्णय प्रस्तावित हैं। शराब, सामाजिक बुराई है, इससे पारिवारिक स्तर पर समस्याएं होने के साथ ही समाज में कई प्रकार की समस्याएं उत्पन्न होते हैं, पारिवारिक और सामाजिक हित में 19 धार्मिक नगरों और ग्राम पंचायतों में शराबबंदी के संबंध में निर्णय लिया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंत्रि-परिषद की बैठक से पहले मंत्रि-परिषद के सदस्यों को संबोधित कर रहे थे।

17 धार्मिक नगरों में उज्जैन नगर निगम, दतिया, पन्ना, मंडला, मुलताई, मंदसौर, मैहर के अलावा ओंकारेश्वर, महेश्वर, ओरछा, चित्रकूट और अमरकंटक के नगर परिषद क्षेत्र शामिल हैं। ग्राम पंचायत स्तर पर सलकनपुर माता मंदिर, बरमान कला, बर्मन खुर्द, कुंडलपुर और बांदकपुर में पांच किलोमीटर के दायरे में शराबबंदी की मौजूदा नीति जारी रहेगी।सीएम ने कहा कि विशेष परिस्थिति में मंत्री अपने विभागों में ट्रांसफर कर सकेंगे। इसके साथ ही नारी सशक्तिकरण मिशन को भी कैबिनेट ने लक्ष्यों के साथ मंजूरी दी है।

मंत्री कर सकेंगे ट्रांसफर, पॉलिसी बाद में आएगी

सीएम ने कहा- मंत्री विशेष परिस्थिति में ट्रांसफर कर सकेंगे। विधिवत ट्रांसफर पॉलिसी बाद में आएगी, लेकिन विस्तारित रूप में ट्रांसफर करने के पहले मंत्री इसके पहले विभाग के स्तर पर इसमें फैसला ले सकेंगे।

महू के अंबेडकर विश्वविद्यालय के लिए 25 करोड़ रुपए

सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि अंबेडकर विश्वविद्यालय महू को विधि संकाय के लिए 25 करोड़ रुपए कैबिनेट ने मंजूर किए हैं। भाजपा सरकार में महू को तीर्थ स्थल के रूप में विकसित किया है। विधि संकाय के साथ एक्सीलेंस सेंटर के रूप में भी इसे विकसित करने का फैसला किया है।

किसानों को पंप कनेक्शन के लिए 10 प्रतिशत राशि

सीएम यादव ने बताया कि अस्थायी विद्युत पंप कनेक्शन देने के लिए कैबिनेट ने तय किया है कि दो लाख किसानों को तीन हार्स पावर से साढ़े सात हार्स पावर के पंप पर दस प्रतिशत राशि देने पर सरकार की ओर से पंप दिया जाएगा। ऐसे में बिजली उनके लिए फ्री हो जाएगी। यह सोलर पंप के रूप में दिए जाएंगे।

भारत के खिलाफ आईएसआई ने चली नई चाल! सतर्क भारत

- बांग्लादेश से दोस्ती तो सिर्फ बहाना भारत को बनाना है निशाना

ढाका (एजेंसी)। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई एक बार फिर भारत के खिलाफ अपनी नापाक चालों में जुट गई है। हाल ही में पाकिस्तान की सेना के प्रतिनिधिमंडल के साथ आईएसआई के एक बड़े अधिकारी ने बांग्लादेश के चटगांव में बैठक की।

इस मीटिंग में पूर्वोत्तर भारत के उग्रवादी संगठन अल्फा (स्वतंत्र) के नेताओं के साथ बातचीत हुई। भारतीय खुफिया एजेंसियों का मानना है कि यह बैठक असम और अन्य पूर्वोत्तर राज्यों में फिर से आतंकवाद और हिंसा भड़काने की योजना का हिस्सा है। आनंद बाजार पत्रिका में छपी रिपोर्ट के मुताबिक, पहले असम और पूर्वोत्तर के अन्य उग्रवादी गुटों को हथियार और ट्रेनिंग उपलब्ध करा रहा अल्फा संगठन फिर से सक्रिय हो सकता है।

गणतंत्र दिवस पर परेड करेगी सबसे बड़े मुस्लिम देश की सेना

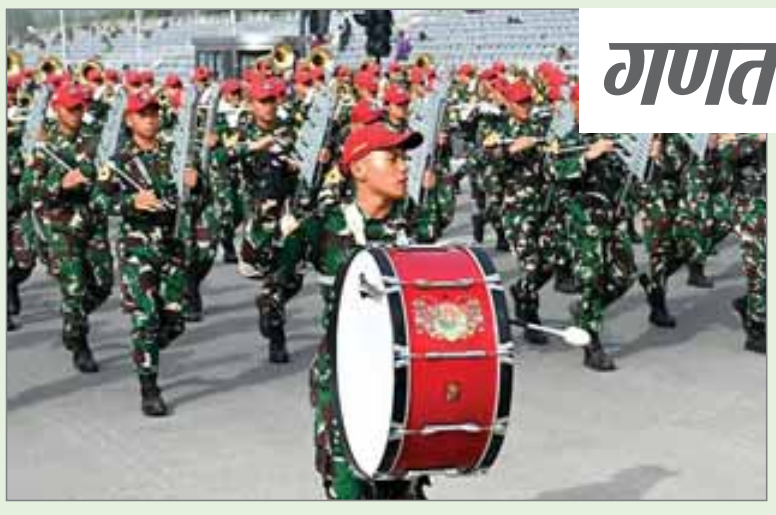

- पहली बार इंडोनेशिया की सेना के जवान करेंगे कदमताल, हो सकती हैं कई डील

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनियाभर में मुस्लिमों की सबसे बड़ी आबादी वाले देश इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो 76वें गणतंत्र दिवस के मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में भारत में उपस्थित रहेंगे। सुबियांतो ने भारत के प्रस्ताव की वजह से ही पाकिस्तान का दौरा रद्द कर दिया था। पहली बार कर्तव्य पथ पर इंडोनेशिया की सेना की टुकड़ी भी मार्च करेगी। गौर करने वाली बात यह भी है कि पहले गणतंत्र दिवस के मौके पर भी इंडनोशिया के राष्ट्रपति सुकर्णो मुख्य अतिथि थे। अब तक तीन राष्ट्रपति गणतंत्र दिवस पर मुख्य मेहमान के तौर पर मौजूद रह चुके हैं। वहीं उनका भारत दौरा इसलिए भी खास हैं क्योंकि ऊर्जा सुरक्षा, स्वास्थ्य सुरक्षा और रक्षा क्षेत्र समेत कई मुद्दों पर डील होने की भी संभावना है। हाल के सालों में भारत और इंडोनेशिया के बीच रणनीतिक संबंध काफी मजबूत हुए हैं। जी-20 और इंडस-ऑस्ट्रेलिया-इंडोनेशिया ग्रुप के जरिए भी दनों देशों के सहयोग में बढ़ोतरी हुई है। राष्ट्रपति के तौर पर यह प्रबोवो सुबियांतो को पहला भारत दौरा है। इससे पहले 2011 में सुसीलो बामबांग युधोयोना और 2018 में जोको विडोडो भी गणतंत्र दिवस के मुख्य अतिथि रह चुके हैं। अधिकारियों के मुताबिक सुबियांतो का यह भारत दौरा बेहद अहम है। फूड सिक्योरिटी, एनर्जी सिक्योरिटी, हेल्थ सिक्योरिटी, रक्षा सहयोग को लेकर दोनों देशों के बीच कई समझौते हो सकते हैं। गणतंत्र दिवस समारोह में शामिल होने से पहले सुबयांतो और पीएम मोदी की शनिवार को ही मुलाकात होगी। दोनों नेताओं में डिजिटल टेक्नॉलजी, स्वास्थ्य, सुरक्षा समेत की मुद्दों पर चर्चा हो सकती है। वहीं कई समझौतों पर हस्ताक्षर भी हो सकते हैं। इंडोनेशिया उन देशों में भी शामिल है जो कि भारत से ब्रह्मोस मिसाइल खरीदना चाहता है। जानकारों का कहना है कि ब्रह्मोस को लेकर दोनों देशों की बीच बातचीत चल रही है। इसके अलावा इंडोनेशिया को 1 लाख 60 हजार डॉक्टरों और नर्सों की जरूरत है।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 18 °c | न्यूनतम 13°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ शनिवार,25 जनवरी 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

विहिप केंद्रीय मार्गदर्शक मंडल की बैठक में उठेंगे अहम मुद्दे

महाकुंभ में गूंजेगा काशी, मथुरा और प्लेसेज ऑफ वर्शिप का मामला, कई प्रस्ताव होंगे पास

प्रयागराज (एजेंसी)। महाकुंभ में अखाड़ा परिषद की अहम बैठक, सनातन बोर्ड की बैठक, धर्म संसद के साथ ही विश्व हिंदू परिषद की खास बैठक होनी है। विहिप केंद्रीय मार्गदर्शक मंडल की बैठक का उद्घाटन शुक्रवार को दोपहर 2.30 बजे रखा गया है। मार्ग दर्शक मंडल की बैठक के बाद शाम पांच बजे विहिप के पदाधिकारी पत्रकारों से बातचीत करेंगे। सभी कार्यक्रम विहिप महाकुंभ शिविर ओल्ड जीटी रोड सेक्टर 18 झूंसी में आयोजित होगा। प्रांत प्रचार-प्रसार प्रमुख काशी प्रांत अश्वनी मिश्रा का कहना है कि महाकुंभ में शुक्रवार से विश्व हिंदू परिषद के मार्गदर्शक मंडल में कई अहम प्रस्ताव रखे जाएंगे। देशभर के संत और साधु-महात्मा जुटे हुए हैं। केंद्र और यूपी में भाजपा की सरकार है। ऐसे में विहिप की यह बैठक बहुत ही अहम है। इसे लेकर अटकलें लगाई जाने लगी हैं। दिल्ली और लखनऊ की राजनीतिक गहमागहमी को लेकर यहां कुछ तस्वीर पेश की जा सकती है। विश्व के सबसे बड़े हिंदू समागम से क्या संदेश निकलना चाहिए इसे लेकर चर्चा गर्म है। अभी तक माना जा रहा है कि संतों के साथ बैठक में काशी और मथुरा के अलावा प्लेसेज ऑफ वर्शिप (स्पेशल प्रॉविजन) एक्ट,1991 प्रमुख एजेंडा उठाया जा सकता है। साथ ही वक्फ बोर्ड की कब्जा संपत्तियों, घर वापसी, लव जिहाद समेत अन्य मामलों को उठाया जा सकता है। काशी विद्वत परिषद ने हिंदुओं के लिए नई आचार संहिता तैयार की है। सनातन धर्म के लोग क्या करें और क्या न करें, इसकी नियमावली है। इसे महाकुंभ में जारी की जाएगी। विश्व हिंदू परिषद ने साधु-संतों की बैठक बुलाई है, जो शनिवार से शुरू हो रही है। संतों और शंकराचार्यों से पास होने के बाद आचार संहिता की हजारों प्रतियां छपवाकर श्रद्धालुओं में वितरित की जाएगी। आचार संहिता में कन्या भ्रूण हत्या को पाप बताया है। विवाह में किसी भी तरह के दहेज पर रोक लगाई गई है। रात में शादी नहीं करने की वकालत की गई है।

हम दिल्ली विधानसभा का विशेष सत्र नहीं बुला सकते

हाईकोर्ट ने बीजेपी को दिया तगड़ा झटका, कैग रिपोर्ट रखने के लिए की थी अपील

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने शुक्रवार को भाजपा विधायकों की उस याचिका को खारिज किया, जिसमें दिल्ली विधानसभा में कैग की रिपोर्ट पेश करने के लिए विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने के निर्देश देने की मांग की गई थी। सुनवाई के दौरान बेंच ने कहा,संविधान के तहत कैग की रिपोर्ट पेश करना अनिवार्य है, लेकिन अदालतें विधानसभा की बैठक बुलाने के लिए हस्तक्षेप नहीं कर सकतीं। बेंच ने कहा- कोर्ट भाजपा विधायकों की याचिका स्वीकार करने का इच्छुक नहीं है। स्पीकर को सदन बुलाने का

निर्देश नहीं दे सकते। हालांकि, अदालत ने कहा कि कैग रिपोर्ट पेश करने में दिल्ली सरकार ने बहुत ज्यादा देरी की। बीजेपी ने याचिका में दावा किया था कि आप सरकार ने स्पीकर को कैग रिपोर्ट भेजने में देरी की थी। इससे पहले 16 जनवरी को दिल्ली हाईकोर्ट ने सुनवाई करते हुए फैसला आज के लिए सुरक्षित रखा था। भाजपा के 7 विधायकों ने दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका लगाते हुए कहा था कि कैग ने 14 मामलों रिपोर्ट तैयार की है, लेकिन इसे एएपी सरकार ने सदन में पेश नहीं किया। इस पर चर्चा होनी चाहिए।

भारत को शांति के रास्ते पर सबको साथ लेकर चलना होगा

● भैयाजी जोशी ने कहा-अहिंसा की रक्षा के लिए हिंसा जरूरी

अहमदाबाद (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के वरिष्ठ नेता भैयाजी जोशी ने कहा कि अहिंसा के विचार की रक्षा जरूरी है। उन्होंने कहा, पांडवों ने अधर्म को खत्म करने के लिए युद्ध के नियमों को ताक पर रख दिया था। यह धर्म और अधर्म का विवेक जो सिखाता है, धर्म है, अहिंसा का तत्व है पर अहिंसा की रक्षा करने के लिए कभी-कभी हिंसा का भी आधार लेना पड़ता है। नहीं तो अहिंसा का तत्व कैसे सुरक्षित रहेगा। हमारे महापुरुषों ने इसका मार्गदर्शन भी किया है। भैयाजी जोशी अहमदाबाद में हिंदू आध्यात्मिक सेवा मेला के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, हिंदू अपने धर्म की रक्षा के लिए हमेशा प्रतिबद्ध हैं। अपने धर्म की रक्षा के लिए हमें वे काम करने होंगे जिसे दूसरे लोग अधर्म करार देते हैं। ऐसे काम हमारे पूर्वजों ने किए थे।' कार्यक्रम में गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद थे। जोशी ने कहा भारत के लोगों को शांति के रास्ते पर सभी को साथ लेकर चलना होगा क्योंकि जो सभी को साथ लेकर चलने में सक्षम है वही शांति स्थापित कर सकता है। उन्होंने कहा कि अगर कोई धर्म दूसरों को उनके धर्म का पालन करने की अनुमति नहीं देता तो कहीं भी शांति नहीं होगी। उन्होंने कहा,भारत के अलावा कोई ऐसा देश नहीं है जो दूसरे देशों को साथ लेकर चलने में सक्षम हो। वसुधैव कुटुंबकम यह आध्यत्मिकता के बारे में हमारे विचार हैं। अगर हम पूरी दुनिया को एक परिवार मान लेते हैं तो कहीं भी संघर्ष नहीं होगा। मजबूत हिंदू समुदाय सभी के लिए फायदेमंद भैयाजी जोशी ने कहा, जब हम कहते हैं कि भारत को मजबूत बनना चाहिए तो हम वास्तव में दुनिया को भरोसा दे रहे हैं कि एक मजबूत भारत और एक मजबूत हिंदू समुदाय सभी के लिए फायदेमंद है।

युवाओं को कमजोर किया जा रहा है, बगावत की कोशिश

राज्यपाल बोले-पंजाब में नशे के पीछे पाकिस्तान का हाथ

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने नशे को लेकर बड़ा बयान दिया है। उनका कहना है कि पाकिस्तान हमसे सीधा लड़ाई नहीं कर सकता है, इसलिए उसने नशे का रास्ता निकाला है। हमारे युवाओं को कमजोर करने की कोशिश की जा रही है, ताकि यहां बगावत का माहौल तैयार हो । यह बात उन्होंने आज (24 जनवरी) को पंजाब यूनिवर्सिटी में मीडिया से बातचीत में कहीं। इस प्रोग्राम में राष्ट्रीय महिला आयोग की चेयरपर्सन विजया किशोर रहाटकर भी मौजूद थी। राज्यपाल ने कहा कि पाकिस्तान की तरफ से पहले बड़े ड्रोन आते थे, जो गिरा दिए जाते थे। मगर, अब पाकिस्तान की तरफ से छोटे ड्रोन भेजे जा रहे हैं। हालांकि एंटी ड्रोन सिस्टम लगाए जा रहे हैं। पिछली बार गृहमंत्री ने आठ एंटी ड्रोन सिस्टम दिए थे, अब इनकी संख्या 26 कर दी गई हैं लेकिन अभी 100 प्रतिशत नशा खत्म नहीं हुआ है। राज्यपाल ने लॉ एंड ऑर्डर के मामले पंजाब की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि पंजाब में नार्कोटिक्स कॉन्विकशन पर्सेंट 80 से 85 प्रतिशत है, जबकि राजस्थान में 23 से 28 प्रतिशत ही है। सजा का प्रतिशत पंजाब में अच्छा है। राज्य में नशे की जो मात्रा पकड़ी जा रही है वो भी ज्यादा है। महिला आयोग ड्रग के खिलाफ अभियान शुरू किया है।

सेना की हथियार फैक्ट्री में धमाका, महाराष्ट्र में 8 की मौत

● 7 गंभीर रूप से घायल, 5 का रेस्क्यू, 13-14 लोग अब भी फंसे, 5 किमी तक सुनाई दी आवाज

भंडारा (एजेंसी)। महाराष्ट्र के भंडारा में सेना की हथियार फैक्ट्री में शुक्रवार सुबह 10.30 बजे धमाका हुआ। हादसे में अब तक 8 लोगों की मौत हो चुकी है, 7 गंभीर घायल हैं। भंडारा कलेक्टर संजय कोलते ने बताया कि धमाके से फैक्ट्री की छत गिर गई, जिसमें 13 से 14 लोगों के फंसे होने की आशंका है।

रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। धमाका इतना तेज था कि इसकी आवाज 5 किलोमीटर दूर तक सुनी गई। धमाके के बाद लोहे और पत्थर के टुकड़े दूर-दूर बिखरे हुए दिखाई दिए। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक विस्फोट जवाहर नगर इलाके में स्थित फैक्ट्री के एलटीपी (लॉन्ग टर्म प्लानिंग) सेक्शन में हुआ। महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस, केंद्रीय मंत्री और नागपुर के सांसद नितिन गडकरी ने भी हादसे में गिरी छत के नीचे 13-14 लोगों के फंसे होने की जानकारी दी। एलटीएम बनाने वाली ब्रांच में हुआ धमाका जवाहरनगर स्थित ऑर्डनेंस फैक्ट्री की ब्रांच सेक्शन में यह ब्लास्ट हुआ है। यहां एलटीएम बनाने के लिए किया जाता है। इसी में यह विस्फोट हुआ। मरने वालों की संख्या बढ़ने की आशंका है। जिस इमारत में विस्फोट हुआ, वह पूरी तरह नष्ट हो गई है। महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने हादसे को मोदी सरकार की विफलता बताया है। टेस्टिंग फैसिलिटीज और लेबोरेटरीज भी भंडारा की इस फैक्ट्री में सेना के लिए एसिड से लेकर कई तरह के विस्फोटक बनाए जाते हैं। यहां टेस्टिंग फैसिलिटीज और अत्याधुनिक लेबोरेटरीज भी हैं। छोटे हथियारों में इस्तेमाल होने वाला विस्फोटक स्पेरिकल पाउडर भी यहीं बनाया जाता है। इस पाउडर का इस्तेमाल पहली बार दूसरे विश्व युद्ध में किया गया था। 1960 से इसे सिविलियंस को दिया जाना शुरू किया गया था। रक्षा मंत्री बोले- राहत के प्रयास जारी घटना को लेकर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा- महाराष्ट्र के भंडारा में आयुध कारखाने में हुए विस्फोट के बारे में जानकर बहुत दुख हुआ।

पुणे में गुइलेन बैरी सिंड्रोम से हाहाकार एक की मौत

13 वेंटीलेंटर पर और 67 में फैला संक्रमण,एडवाइजरी जारी

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र में गुइलेन-बैरे सिंड्रोम (जीबीएस) के एक दिन में 8 नए मामले मिले हैं। इसी के साथ राज्य में उक्त रोग से प्रभावित होने वालों की संख्या 67 तक पहुंच गई है। वर्तमान में पुणे में जीबीएस के सबसे अधिक रोगी हैं, जिसके बाद यहां लोगों में डर फैल गया है। बुधवार तक बीमारी से बाधित होने वालों की संख्या 59 थी। जीबीएस एक दुर्लभ ऑटोइम्यून विकार है। इसमें शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली गलती से तंत्रिकाओं पर हमला करती है। यह तंत्रिकाओं के कुछ हिस्सों को

नुकसान पहुंचाती है और मांसपेशियों में कमजोरी, झुनझुनी, संतुलन की हानि, और पक्षाघात का कारण बनती है। स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के अनुसार पुणे ग्रामीण में 39, पुणे मनपा में 13, पिंपरी चिंचवड मनपा में 12 और 3 रोगी अन्य जिलों से हैं। इसमें 43 पुरुष और 24 महिलाएं शामिल हैं, जिनमें से 13 रोगियों को वेंटिलेटर पर रखा गया है। 19 वर्ष तक के कुल 33 लोग प्रभावित हैं। वहीं 20 वर्ष से 80 वर्ष के कुल 34 मरीज रोग से बाधित हुए हैं। बीमारी के लेकर महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री पवार ने कहा कि बिना डरे उचित इलाज से बीमारी पर काबू पाया जा सकता है।

महाकुंभ में नया ट्रैफिक प्लान बाहरी गाड़ियों का प्रवेश बंद

रूट डायवर्जन हुआ लागू, मौनी अमावस्या पर विशेष इंतजाम

प्रयागराज (एजेंसी)। महाकुंभ में श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ और सबसे बड़े स्नान पर्व मौनी अमावस्या की तैयारियों को लेकर ट्रैफिक प्लान में लगातार बदलाव किया जा रहा है। अब शुक्रवार से मेला क्षेत्र में बाहरी गाड़ियों का प्रवेश प्रतिबंधित कर दिया गया। शनिवार और रविवार उसी में गणतंत्र दिवस, ऐसे में छुट्टियों की वजह से वाहनों का अतिरिक्त दबाव बढ़ गया है। ट्रैफिक पुलिस ने कुछ रूट डायवर्जन भी लागू किए हैं। दूसरे शहरों से आने वाले वाहनों को बाईपास कर निकाला जाएगा। कानपुर-प्रयागराज मार्ग कानपुर की ओर से आने वाले श्रद्धालुओं के वाहन नवाबगंज, मलाक हरहर, सिक्सलेन होते हुए बेली कछार और बेला कछार एक या दो में पार्क कर सकेंगे। कौशाम्बी-प्रयागराज मार्ग कौशाम्बी मार्ग से शहर में प्रवेश होने वाहन नेहरु पार्क व एयरफोर्स मैदान पार्किंग में अपने वाहनों की पार्किंग कर सकेंगे। प्रतापगढ़-लखनऊ-प्रयागराज मार्ग प्रतापगढ़ और लखनऊ की ओर से आने वाले बेली कछार व बेला कछार दो तक वाहनों को पार्क कराया जाएगा।

यहां से ई-रिक्शा समेत अन्य वाहनों से आगे जा सकेंगे। जौनपुर-प्रयागराज मार्ग अगर आप जौनपुर की तरफ से प्रयागराज आ रहे हैं तो आपको सहसों से गारापुर होते हुए आना होगा। चीनी मिल पार्किंग झूंसी और पूरेसूरदास पार्किंग गारा रोड पर वाहनों को पार्क करना होगा।

वाराणसी से प्रयागराज आने वाले श्रद्धालुओं को मेला क्षेत्र में आने के लिए कनिहार रेलवे अंडरब्रिज से शिवपुर उस्तापुर पार्किंग, पटेल बाग, कान्हा मोटर्स पार्किंग में वाहनों को पार्क करना होगा। मिर्जापुर-प्रयागराज मार्ग मिर्जापुर मार्ग से आ रहे हैं तो देवरख उपरहार और सरस्वती हाईटेक पार्किंग तक आने की अनुमति रहेगी।

अमेरिका में शुरू हो गया ट्रंप का मास डिपोर्टेशन अभियान

● 500 से ज्यादा अवैध प्रवासी गिरफ्तार, सैकड़ों को देश से निकाला

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी अधिकारियों ने गुरुवार को बड़े पैमाने पर अवैध प्रवासियों के खिलाफ कार्रवाई की, जिसमें सैकड़ों लोगों को गिरफ्तार और निर्वासित किया गया। वाइट हाउस ने यह जानकारी दी।

वाइट हाउस ने कहा है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का निर्वासन कार्यक्रम उनके पदभार संभालने के दो दिन बाद ही शुरू हो गया है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने गुरुवार को कहा कि अमेरिकी अधिकारियों ने 538 अवैध प्रवासियों को गिरफ्तार किया है और उनमें से सैकड़ों को निर्वासित किया है। कैरोलिन लेविट ने 24 जनवरी को एक्स पर लिखा,आज ट्रम्प प्रशासन ने 538 अवैध अप्रवासी अपराधियों को गिरफ्तार किया जिनमें एक संदिग्ध आतंकवादी, ट्रेन डी अरागुआ गिरोह के चार सदस्य और नाबालिगों के खिलाफ यौन अपराधों के दोषी कई अवैध अपराधी शामिल हैं। उन्होंने बताया,ट्रंप प्रशासन ने सैकड़ों अवैध आप्रवासी अपराधियों को सैन्य विमानों के माध्यम से निर्वासित भी किया।

वक्फ संशोधन बिल पर जेपीसी की बैठक में हंगामा

10 विपक्षी सांसद एक दिन के लिए किए गए सस्पेंड

कल्याण बनर्जी बोले- समिति अब तमाशा बन गई है

नई दिल्ली (एजेंसी)। वक्फ (संशोधन) विधेयक 2024 पर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) दिल्ली में बैठक जारी।

शुक्रवार सुबह 11 बजे बैठक शुरू होने के बाद हंगामा होने लगा। विपक्षी सदस्यों ने दावा किया कि उन्हें ड्राफ्ट में प्रस्तावित बदलावों पर रिसर्च के लिए पर्याप्त समय नहीं दिया जा रहा है। समिति आज कश्मीर के धार्मिक प्रमुख मीरवाइज उमर फारुक के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल के विचार सुन रही है। मीरवाइज को बुलाने से पहले समिति के सदस्यों में बहस हो गई। बहस और हंगामे के चलते बैठक कुछ देर के लिए रोकनी पड़ी। विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाया कि बीजेपी दिल्ली चुनावों के कारण ध्यान में रखते हुए वक्फ संशोधन विधेयक पर रिपोर्ट को संसद में जल्दी पेश करने पर जोर दे रही है। बनर्जी ने कहा कि समिति की कार्यवाही एक तमाशा बन गई है। इसके बाद टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी और कांग्रेस सदस्य नसीर हुसैन उठकर बाहर चले गए। समिति ने 10 विपक्षी सांसदों को एक दिन के लिए सस्पेंड कर दिया है। लखनऊ में हुई बैठक करने के बाद अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने कहा कि 24 जनवरी को जेपीसी की आखिरी बैठक होगी। इसके बाद वे 31 जनवरी को होने वाले बजट सत्र के दौरान संसद में रिपोर्ट पेश होगी। पाल ने कहा- पिछले 6 महीने में हमने अकेले दिल्ली में 34 बैठकें की हैं। सभी चर्चाएं अच्छे माहौल में हुई हैं। मुझे उम्मीद है हमारी रिपोर्ट से लोगों को फायदा होगा। विपक्ष की ओर से लोकसभा में डीएमके के मुख्य सचेतक ए राजा ने 24 और 25 जनवरी की बैठक स्थगित करने की मांग की है।

कोल इंडिया मैराथन-11वीं बार दौड़ेगा इंदौर

मंत्री विजयवर्गीय की अपील- स्वच्छता के साथ अब फिट इंदौर, महिला सशक्तिकरण को समर्पित होगी मैराथन

इंदौर (नप्र)। इंदौर मैराथन 10 सालों से फरवरी के पहले रविवार को 'फिटनेस उत्सव' के रूप में मनाई जा रही है। इस बार 2 फरवरी को शहर के अलग अलग हिस्सों से शुरू होने वाली यह मैराथन नेहरू स्टेडियम आकर खत्म होगी। कोल इंडिया इंदौर मैराथन महिलाओं के नाम होगी। इसकी थीम 'रन फॉर हर' होगी। इसका उद्देश्य महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना है। एकेडमी के संरक्षक मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बताया कि इंदौर शहर स्वच्छता के साथ-साथ फिटनेस और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी देश का मार्गदर्शन कर रहा है। ऐसे आयोजन शहरवासियों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं। इस साल 'रन फॉर हर' थीम के माध्यम से महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण का जो संदेश दिया जा रहा है, वह सराहनीय है। उन्होंने अपील की कि इसमें ज्यादा से ज्यादा लोग शामिल हो। एकेडमी अध्यक्ष नितिन अग्रवाल ने बताया कि 2 फरवरी को ही बसंत पंचमी है। ऐसे में मैराथन के लिए इससे बेहतर मौका नहीं हो सकता। एकेडमी पूरे साल महिलाओं की फिटनेस और सुरक्षा के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करेगी । इसका उद्देश्य महिला रनर्स के लिए अच्छा वातावरण बनाना है।7 महिलाओं की भागीदारी बढाने के लिए रजिस्ट्रेशन में छूट दी गई है। एकेडमी के सचिव सुमित रावत ने बताया कि कोल इंडिया इंदौर मैराथन ने शहर में फिटनेस के प्रति गहरी जागरूकता पैदा की है। सैकड़ों लोग जिन्होंने पहले 100 मीटर भी नहीं दौड़ा था, अब हाफ और फुल मैराथन में भाग ले रहे हैं। रनिंग के स्वास्थ्य लाभों को देखते हुए कई डॉक्टरों ने भी न केवल इसे अपनाया है, बल्कि मरीजों को भी रनिंग की सलाह दी है। मैराथन में महिलाएं अपने सामूहिक ग्रुप रजिस्ट्रेशन भी करा सकती हैं। जो महिलाएं दौड़ के लिए ट्रेनिंग लेना चाहती हैं, वे केसरबाग स्थित चमेली देवी स्कूल के पास के मैदान और नेहरू स्टेडियम में 'रनर्स क्लीनिक' पर सुबह 6 बजे से 7.30 बजे तक निःशुल्क ट्रेनिंग ले सकती हैं। रेस डायरेक्टर विजय सोहनी ने बताया कि इस बार यह मैराथन 3 किमी, 5 किमी, 10 किमी और 21 किमी की श्रेणियों में आयोजित होगी। मैराथन की सभी रन नेहरू स्टेडियम पर खत्म होगी। 3 किमी की रन यशवंत क्लब से, 5 किमी की रन राजवाड़ा, 10 और 21 किमी की रन नेहरू स्टेडियम से शुरू होगी। सभी रनर्स के समय को उनकी बिब पर लगी इलेक्ट्रॉनिक चिप के माध्यम से रिकॉर्ड किया जाएगा।

दौड़ के दौरान अनुभवी धावक मौजूद रहेंगे, जो प्रतिभागियों को एक निर्धारित समय में दौड़ पूरी करने में मदद करेंगे। इस बार पेसर्स के चयन के लिए 100 से अधिक आवेदन आए। इनमें से 9 श्रेष्ठ रनर्स को चुना गया है। सभी मार्गों पर समुचित हाइड्रेशन की व्यवस्था की जाएगी। जो लोग नियमित वॉक करते हैं, वे 3 या 5 किमी की दौड़ में भाग ले सकते हैं और मैडल प्राप्त कर अन्य लोगों के लिए प्रेरणास्रोत बन सकते हैं।मैराथन के लिए रजिस्ट्रेशन अंतिम चरणों में है। नर्धारित संख्या पूरी होते ही रजिस्ट्रेशन बंद कर दिए जाएंगे। स्पॉट रजिस्ट्रेशन की सुविधा उपलब्ध नहीं होगी।

इंदौर क्राइम ब्रांच की एडवाइजरी कंपनी पर कार्रवाई

धार के युवक के साथ की थी ठगी, क्राइम ब्रांच को नहीं दिखा पाए वैध रजिस्ट्रेशन

इंदौर (नप्र)। क्राइम ब्रांच ने विजयनगर इलाके में एडवाइजरी कंपनी पर छापामार कार्रवाई की है। यहां एक फ्लैट में यह कंपनी संचालित की जा रही थी। मामले में धार के युवक ने शिकायत की थी। जिसके बाद क्राइम ब्रांच ने मौके पर पहुंचकर सेबी द्वारा दिया जाने वाला लाइसेंस मांगा। लाइसेंस नहीं दिखा पाने पर पुलिस सभी को पकड़कर थाने लेकर आ गई। क्राइम ब्रांच के एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया के मुताबिक होनेस्ट टेक्नालॉजी नाम से चल रही एडवाइजरी कंपनी पर गुरुवार को छापामार कार्रवाई की गई। कंपनी स्कीम नंबर 54 में कृष्णा बिजनेस सेंटर के फ्लैट नंबर 408 में संचालित की जा रही थी। आरोपी 5 ओपियर सॉफ्टवेयर के माध्यम से वर्चुअल कॉन्टैक्ट नंबर एवं फर्जी सिमकार्ड का उपयोग कर ग्राहकों को ठगने के लिए कॉल करते थे।

इन लोगों को किया गिरफ्तार- छापामार कार्रवाई के दौरान क्राइम ब्रांच को कंपनी के पास कोई वैध रजिस्ट्रेशन नहीं मिला। जिसके बाद क्राइम ब्रांच ने 318(4), 316(5),3(5) बीएनएसएस के तहत मालिक अमित खंडूजा निवासी परदेशीपुरा उसके पार्टनर राहुल चौधरी निवासी देवास, मैनेजर महिपाल सिंह निवासी देवास और सूरज मालवीय निवासी MR 11 इंदौर को गिरफ्तार किया है। आरोपियों को लेकर बदनावर के आवेदक ऋषभ ने क्राइम ब्रांच में शिकायत की थी। जिसमें सेबी से रजिस्टर्ड होने के साथ QR कोड एवं पीआई के माध्यम से ऑनलाइन पेमेंट इन्वेस्टमेंट के रूप में दिया। लेकिन बाद में नंबर बंद कर आरोपी से बात करना बंद कर दी।

ये सामान हुआ जब्त- आरोपियों के पास से 18 मोबाइल , 6 लैपटॉप, 2 सीपीयू, फर्जी सिमकार्ड के माध्यम से प्राप्त जानकारी से ज्ञात हुआ कि आरोपी अमित एमबीए किया हुआ जो पहले प्राइवेट जॉब करता। वहीं उसका दोस्त बीई इंजीनियर, मैनेजर महिपाल 12 वीं पास है एवं आरोपी सूरज बी काम पास है जो पहले एडवाइजरी कंपनी में जॉब करता था। आरोपियों ने ठगी के लिए करीब 1 हजार लोगो से संपर्क किया था।

इंदौर में पानी की मोटर को लेकर दंपति से मारपीट

पुरानी मोटर नहीं लौटाने पर हुआ विवाद, जांच में जुटी पुलिस

इंदौर (नप्र)। इंदौर के द्वारकापुरी में एक दंपति के साथ मारपीट का वीडियो सामने आया है। मारपीट करने वाले पड़ोसी है। बताया जाता है कि पानी की मोटर की बात को लेकर उनकी कहासुनी हुई थी। पुलिस ने शिकायत के बाद दंपति को मेडिकल के लिए जिला अस्पताल भेजा है। मामले में जांच की जा रही है। द्वारकापुरी थाने से मिली जानकारी के मुताबिक मारपीट राजेश राठौर और उनकी पत्नी निवेदिता निवासी अहिरखेड़ी के साथ हुई है। पड़ोसी हरीशंकर चौधरी उनके बेटे शुभम और परिवार के अन्य लोगों ने दंपति को सड़क पर बुरी तरह से पीटा। राजेश ने पुलिस को बताया कि उन्होंने एक पुरानी पानी की मोटर एक माह पहले हरीशंकर से ली थी। जिसे उन्होंने सुधरवाकर काम में लेना शुरू कर दिया। हरीशंकर इस मोटर को वापस मांग रहा था। जिसमें राजेश ने रिपेयरिंग के रूपए भी मांगे। लेकिन हरीशंकर उसे नही दे रहा था। इस बात को लेकर शुक्रवार सुबह उनके बीच कहासुनी हुई। जिसमें हरिशंकर और उनके बेटे व परिवार के अन्य लोगों ने राजेश और उनकी पत्नी की पिटाई कर दी। पुलिस के मुताबिक राजेश और उसकी पत्नी निजी कंपनी में काम करते है। आरोपी हरीशंकर भी लोडिंग वाहन चलाता है।

इंदौर में एआई रोबोटिक कार्डियक सर्जरी शुरु

देश की पहली सर्जरी, मरीज की हड्डी बिना काटे और निशान छोड़े की गई

इंदौर (नप्र)। इंदौर के अरबिंदो हॉस्पिटल में गुरुवार को मॉडर्न आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक के साथ रोबोटिक सर्जरी की शुरुआत की गई। यह देश में पहली बार है जब हृदय रोगों के इलाज के लिए इस तरह की तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। इसमें मरीज की किसी हड्डी को काटने या शरीर पर निशान छोड़ने की जरूरत नहीं होती। इस तकनीक के तहत रोबोटिक कार्डियक सर्जरी पूरी तरह सुरक्षित और सटीक होती है। अरबिंदो हॉस्पिटल में इस नई तकनीक पर आधारित वर्कशॉप 'सैम्स' स्थित 'इर्काड-इंडिया सेंटर' में आयोजित की जा रही है, जो 26 जनवरी तक चलेगी। इस वर्कशॉप में प्रदेशभर के पीजी छात्र, सर्जन और मेडिकल फैकल्टी हिस्सा ले रहे हैं। सैम्स के फाउंडर चेयरमैन डॉ. विनोद भंडारी ने बताया कि इस पहल से चिकित्सा के क्षेत्र में बड़ा बदलाव आएगा। उन्होंने कहा कि भविष्य में सभी हार्ट सर्जरी रोबोटिक सिस्टम से की जाएंगी, जिससे मरीजों को बेहतर इलाज मिलेगा। यह तकनीक मरीजों के लिए बेहद फायदेमंद है, क्योंकि इसमें बड़े कट लगाने की जरूरत नहीं होती। इससे रक्तस्राव कम होता है और संक्रमण का खतरा भी नहीं रहता। इस तकनीक से वाल्व बदलने से लेकर बच्चों की हार्ट सर्जरी तक सभी प्रकार की सर्जरी संभव है। रोबोटिक सर्जन डॉ. मोहित भंडारी ने बताया कि यह पहल चिकित्सा जगत में मील का पत्थर साबित होगी। इससे न केवल सर्जरी की जटिलताएं कम होंगी, बल्कि मरीज जल्दी स्वस्थ होकर सामान्य जीवन जी सकेगा। वर्कशॉप में ट्रेनिंग कार्यक्रम के लिए एक विशेष योजना तैयार की गई है। चीफ ट्रेनर डॉ. महक भंडारी ने बताया कि यहां प्रतिभागियों को 8 अलग-अलग प्रकार के रोबोटिक सिस्टम और उनकी तकनीक का गहन प्रशिक्षण दिया जा रहा है। ये सिस्टम विभिन्न प्रकार की सर्जरी के लिए उपयोगी हैं। इस वर्कशॉप का उद्देश्य रोबोटिक सर्जरी और एआई तकनीक के उपयोग को बढ़ावा देना है, जो भविष्य में चिकित्सा जगत को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा।

एक ही इंश्योरेंस कंपनी से दो क्लेम

बैंक अधिकारी की हादसे में मौत पर 1.05 करोड़ का मुआवजा, पहले 15 लाख मिल चुके थे

इंदौर (नप्र)। इंदौर में सड़क दुर्घटना में बैंक अधिकारी की मौत के मामले में कोर्ट ने परिवार को 1.05 करोड़ रुपए मुआवजा देने का आदेश दिया है। उनकी कार कंटेनर से टकरा गई थी। दिलचस्प यह है कि दोनों गाड़ियों का बीमा एक ही कंपनी से था। बैंक अधिकारी के परिवार को पर्सनल एक्सीडेंट इंश्योरेंस के 15 लाख रुपए पहले ही मिल चुके थे। ऐसे में बीमा कंपनी ने कंटेनर चालक के बचाव में कई तर्क दिए लेकिन बैंक अधिकारी के पास सभी दस्तावेजी साक्ष्य, घटनास्थल के प्रमाण और टैक्स रिटर्न सहित पूरा रिकॉर्ड था। इन्हीं सबूतों के आधार पर कोर्ट ने बीमा कंपनी को 1.05 करोड़ रुपए की मुआवजा राशि देने का निर्देश दिया है।

3.90 करोड़ रुपए का क्लेम केस दायर किया- इंदौर के गणेश नगर निवासी 51 वर्षीय प्रितेश पांडे बैंक ऑफ बड़ौदा में चीफ मैनेजर थे। 24 फरवरी 2023 की रात करीब 11 बजे वे अपनी कार से अकेले घर लौट रहे थे। इसी दौरान इंदौर-उज्जैन रोड पर तेज गति से आ रहे एक कंटेनर ने उनकी कार को टक्कर मार दी। प्रितेश को सिर और शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। उन्हें तुरंत सीएचसी हॉस्पिटल, सांवेर ले जाया गया। यहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उनके परिवार ने कंटेनर मालिक, ड्राइवर और द न्यू इंडिया इंश्योरेंस कंपनी के खिलाफ 3.90 करोड़ रुपए का क्लेम केस दायर किया। करीब दो साल तक केस चला और कोर्ट ने 15 जनवरी को फैसला सुनाया।

नियुक्ति पत्र, पे स्लिप समेत सभी दस्तावेज पेश किए- प्रितेश के परिवार में पत्नी आशा, बड़ा बेटा कार्तिक (24), छोटा बेटा कौतिक (15) और 75 वर्षीय मां रानी शामिल हैं, जो उनके आश्रित थे। कोर्ट में परिवार की तरफ से सीनियर एडवोकेट राजेश खंडेलवाल ने तर्क दिया कि प्रितेश की मासिक आय 1.62 लाख रुपए थी। उनके निधन के बाद परिवार की आर्थिक स्थिति बहुत बिगड़ गई है। परिजन को मुआवजे के रूप में बीमा कंपनी से 3.90 करोड़ रुपए दिलाए जाएं। सुनवाई में प्रत्यक्षदर्शी सुनील मालवीय ने गवाही दी कि उन्होंने देखा कि ड्राइवर ने बिना साइड इंडिकेटर दिए कंटेनर को मोड़ लिया। इससे प्रितेश की कार कंटेनर से टकरा गई। बैंक कर्मचारी राधेश्याम सोनवाल ने पांडे का नियुक्ति पत्र, वेतन स्लिप और अन्य दस्तावेज पेश किए। उन्होंने यह भी बताया कि पांडे की नियुक्ति 1992 में हुई थी और वे मृत्यु के समय चीफ मैनेजर के पद पर थे। इसके अलावा पांडे के ड्राइविंग लाइसेंस, उम्र प्रमाणपत्र और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट भी कोर्ट में पेश किए गए। एडवोकेट खंडेलवाल ने यह भी बताया कि दुर्घटना के समय पांडे नियमों का पालन करते हुए सीमित गति से कार चला रहे थे।

अदालत में सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का हवाला दिया- एडवोकेट खंडेलवाल ने सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट के कुछ महत्वपूर्ण फैसलों का हवाला भी दिया, जैसे- सरला वर्मा विरुद्ध देहली ट्रांसपोर्ट, रेशमा कुमारी विरुद्ध मदन मोहन और नेशनल इंश्योरेंस कंपनी विरुद्ध प्रणय सेठी। इन मामलों में दिए गए न्याय के दृष्टांतों को सामने रखते हुए मुआवजे की मांग की गई। उन्होंने कोर्ट में कहा- प्रितेश पांडे की उम्र 51 वर्ष थी। हादसे के बाद परिवार उनके प्यार, देखभाल और समर्थन से वंचित हो गया। प्रितेश पांडे के परिवार की तरफ से सीनियर एडवोकेट राजेश खंडेलवाल ने कोर्ट में गवाह, सबूत और तर्क पेश किए।

कंटेनर की इंश्योरेंस कंपनी के तर्क- अदालत में इंश्योरेंस कंपनी ने तर्क देते हुए मुआवजा चुकाने से इनकार किया। कंपनी ने बताया कि कंटेनर के ड्राइवर के पास प्रमाणित लाइसेंस, परमिट और फिटनेस प्रमाण पत्र नहीं था। शर्तों के अनुसार ऐसे मामलों में कंपनी मुआवजा देने के लिए जिम्मेदार नहीं होती है। इंश्योरेंस कंपनी ने यह भी तर्क दिया कि दुर्घटना के समय बैंक मैनेजर स्वयं कार चला रहे थे और उन्होंने कंटेनर से टक्कर मारी थी। कंपनी का कहना था कि प्रितेश पांडे ने सीट बेल्ट नहीं पहनी थी और इस कारण से कार की इंश्योरेंस कंपनी को मुआवजा देने की जिम्मेदारी होनी चाहिए, न कि कंटेनर की इंश्योरेंस कंपनी को। कोर्ट में कंपनी ने यह भी बताया कि पांडे की पत्नी आशा को पर्सनल दुर्घटना बीमा के तहत पहले ही 15 लाख रुपए का मुआवजा मिल चुका है। उनको बैंक से 70 हजार रुपए प्रति माह की पेंशन मिल रही है। बड़े बेटे कार्तिक को पिता की जगह अनुकंपा नियुक्ति मिली है, जिससे वह 35 हजार रुपए प्रति माह कमा रहे हैं। कंपनी ने यह अनुरोध किया कि इन सभी राशि को मुआवजे में से कम किया जाए।

कोर्ट ने तथ्यों को प्रमाणित माना- दोनों पक्षों के तर्क, दस्तावेजी और भौतिक साक्ष्य, पांडे के परिवार के बयान सुनने के बाद कोर्ट ने उनके एडवोकेट राजेश खंडेलवाल द्वारा पेश तथ्यों को सही और प्रमाणित माना। इनके आधार पर इंश्योरेंस कंपनी को कुल 96.14 लाख रुपए का मुआवजा देने का आदेश दिया। कोर्ट ने यह भी आदेश दिया कि यह राशि क्लेम केस पेश करने की तारीख 28 अप्रैल 2023 से 6 प्रतिशत ब्याज सहित 1.05 करोड़ रुपए तक बढ़ जाएगी। कोर्ट ने यह स्पष्ट किया कि परिवार को पर्सनल दुर्घटना बीमा के तहत जो 15 लाख रुपए का मुआवजा मिला है, वह इस राशि से घटाया नहीं जाएगा। पत्नी की 70 हजार रुपए प्रति माह की पेंशन और बेटे कार्तिक के 35 हजार रुपए वेतन को भी मुआवजे की राशि से घटाने का आदेश नहीं दिया गया क्योंकि यह उनके अधिकार के तहत आता है।

पत्नी बोलीं- हक की लड़ाई में न्याय मिला- प्रितेश पांडे की पत्नी आशा ने कहा कि दुर्घटना में उनके पति की कोई गलती नहीं थी। उनके निधन के बाद परिवार की पूर्ति नहीं हो सकती। उनका कहना था कि परिवार को जीवन यापन, छोटे बेटे की पढ़ाई, बच्चों की शादी और बुजुर्ग सास की देखभाल के लिए रुपयों की जरूरत है। हक की लड़ाई में कोर्ट ने उन्हें न्याय दिया है।

मेडिकल संचालक और भाई पर हमला

उधारी के पैसे मांगने पर बदमाशों ने चाकू से किया वार, पुलिस तलाश में जुटी

इंदौर (नप्र)। इंदौर के खजराना में एक मेडिकल दुकान संचालक और उसके भाई पर दो सगे भाइयों ने चाकू से हमला कर दिया। यह घटना उधारी को लेकर हुए विवाद के बाद हुई। पुलिस के अनुसार, अमान नामक युवक का जल्ला कॉलोनी रोड पर मेडिकल दुकान है। यहां एक आरोपी अफसर का ससुराल है, और अफसर कई बार उधारी में दवाइयां ले चुका था।

गुरुवार को अफसर के भाई शाहिद ने अमान से मिलने का समय मांगा। अमान ने उसे दुकान पर बुलाया, और शाहिद के साथ अफसर भी वहां पहुंचे। अफसर ने अमान से दवाइयों के पैसे मांगने पर गुस्सा जताया, और अमान ने कहा कि 2200 रुपए उधारी हैं, जो अगर दिए जाएं तो वह

पैसे नहीं मांगेगा। इस पर शाहिद ने अपशब्द कहे और दुकान से बाहर जाने के लिए कहा। तभी, अफसर ने चाकू निकाला और अमान के कंधे, पैर और शरीर के अन्य हिस्सों पर वार किए। बुरहान को भी चाकू से हमला किया गया। आसपास के लोग उन्हें पकड़ने की कोशिश करने लगे, लेकिन दोनों आरोपी चाकू लहराते हुए मौके से भाग गए। पुलिस ने जानलेवा हमले का मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों की तलाश जारी है।

पिस्टल की बट से दुकान संचालक पर हमला किया

इंदौर के चंदन नगर में कुख्यात बदमाश इम्मू उर्फ इमरान ने पिस्टल की बट से चूड़ी दुकान संचालक पर हमला किया। पुलिस ने गुरुवार को मामले में आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, यह घटना लोहे वाली गेट के पास हुई, जहां सुल्तान नामक युवक अपनी बाइक पार्क कर रहा था। इस दौरान इम्मू ने उसे बुलाया और बाइक ठीक से पार्क करने के लिए अपशब्द कहे। फिर, उसने धमकाने के उद्देश्य से पिस्टल निकाली और सुल्तान के सिर पर बट से वार कर दिया। इसके बाद सुल्तान को घायल अवस्था में उसके परिवार ने जिला अस्पताल पहुंचाया, और फिर एमवाय अस्पताल रेफर कर दिया गया। सुल्तान के पिता अहमद के अनुसार, इम्मू पर पहले भी कई गंभीर मामले दर्ज हैं। तीन साल पहले उसने पुलिस पर भी गोली चलाई थी, जिसके बाद पुलिस ने उसका शॉर्ट एनकाउंटर किया था।

इंदौर में प्रायवेट कंपनी की युवती से छेड़छाड़

साथ में काम करने वाला युवक करता था परेशान, शिकायत पर मामला दर्ज

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के राउ क्षेत्र में एक निजी कंपनी में काम करने वाली युवती से छेड़छाड़ की घटना सामने आई है। युवती ने इस मामले में कंपनी में काम करने वाले अर्जुन उईके के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस के अनुसार, यह घटना बायपास पर स्थित एक निजी कंपनी में हुई। युवती ने बताया कि अर्जुन उसे कंपनी से आते-जाते हुए पीछा करता था। एक रात जब युवती कंपनी से छुट्टी लेकर बाहर निकली, तो अर्जुन ने उसे रोककर कहा कि वह उसे डेट करना चाहता है और पसंद करता है। युवती ने उसे इस तरह की बातें करने से मना किया और कहा कि वह तुरंत वहां से चले जाए। इसके बावजूद, अर्जुन ने उसे घर तक पीछा किया। इसके बाद युवती ने अपने सीनियर को कॉल करके इस बारे में जानकारी दी और बताया कि अर्जुन काफी समय से उसे परेशान कर रहा है। इसके बाद युवती ने परिवार से बात की और थाने जाकर आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कराया। पुलिस ने अर्जुन उईके के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है।

प्रेमिका को फोटो और वीडियो वायरल करने की धमकी- इंदौर में एक युवती ने अपने लिवइन पार्टनर पर फोटो और वीडियो वायरल करने की धमकी देने का आरोप लगाया है। युवती ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई कि दीपक कुमार नाम के युवक के पास उसकी फोटो और वीडियो हैं, जिन्हें वह अपने दोस्तों को दिखाता था।

ट्रैफिक सुधार के लिए व्यापारी उतरे मैदान में

बोले-शीतला माता बाजार में गाड़ियां पार्किंग में रखेंगे, रिक्शा-ठेले बंद कराएं

इंदौर (एजेंसी)। शहर के शीतला माता बाजार में लंबे समय से बनी ट्रैफिक समस्या को हल करने के लिए व्यापारियों ने एकजुट होकर कदम उठाए हैं। व्यापारियों ने निश्चय किया है कि वे अपनी और अपने स्टाफ की गाड़ियां पार्किंग में खड़ी करेंगे, जिससे ग्राहकों के लिए दुकानों के बाहर जगह खाली रहे। इसके साथ ही व्यापारियों ने ट्रैफिक एसीपी से मुलाकात कर बाजार में ई-रिक्शा, रिक्शा और ठेलों के प्रवेश पर रोक लगाने की मांग की है। शीतला माता बाजार शहर के प्रमुख कपड़ा मार्केट्स में से एक है, जहां लगभग 450 कपड़े की दुकानें हैं। इन दुकानों पर काम करने वाले स्टाफ और व्यापारियों की गाड़ियां अक्सर दुकानों के बाहर खड़ी हो जाती हैं, जिससे ग्राहकों को अपनी गाड़ियां खड़ी करने में

समस्या होती है। स्थिति और गंभीर तब हो जाती है जब बाजार में ई-रिक्शा, रिक्शा और ठेले भी आ जाते हैं। व्यापारियों ने बताया कि जवाहर मार्ग को चार पहिया वाहनों के लिए वन-वे बनाए जाने के बाद से इस मार्ग पर यातायात का दबाव बढ़ गया है, जिससे बाजार में प्रतिदिन जाम की स्थिति बनती है।

मैदान में उतरा एसोसिएशन

शहर के शीतला माता बाजार की ट्रैफिक समस्या को दूर करने के लिए श्री शीतला माता बाजार व्यापारी एसोसिएशन सक्रिय हो गया है। गुरुवार को एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने ट्रैफिक एसीपी सुप्रिया चौधरी और ट्रैफिक टीआई पश्चिम अर्जुन सिंह पंवार से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने बाजार की ट्रैफिक समस्याओं को साझा किया और समाधान के लिए सुझाव देते हुए कुछ ठोस निर्णय लिए।

बाजार की मुख्य समस्याएं

व्यापारियों और स्टाफ की गाड़ियां-दुकानों के बाहर व्यापारियों और उनके स्टाफ की गाड़ियां खड़ी हो जाती हैं, जिससे ग्राहकों को वाहन खड़ा करने की जगह नहीं मिलती। बेतरतीब गाड़ियां लगने से जाम की समस्या और बढ़ जाती है। ई-रिक्शा, रिक्शा और ठेले-बाजार में ई-रिक्शा, रिक्शा और ठेले आने से भी जाम की स्थिति गंभीर हो जाती है। इससे आवागमन में बाधा उत्पन्न होती है और व्यापारियों व ग्राहकों को असुविधा का सामना करना पड़ता है। जवाहर मार्ग का वन-वे ट्रैफिक-जवाहर मार्ग को चार पहिया वाहनों के लिए वन-वे बनाए जाने के कारण चौराहे पर ट्रैफिक दबाव बढ़ गया है। गौराकुंड से होकर आने वाले चार पहिया वाहन भी इसी रास्ते पर आ रहे हैं, जिससे शीतला माता बाजार में जाम की समस्या बढ़ गई है। दुकानों के बाहर सामान-कुछ व्यापारी अपनी दुकानों के बाहर डमी, स्टैंडी और अन्य सामान रख देते हैं। इससे गाड़ियां सड़क पर लगानी पड़ती हैं, जिससे यातायात में रुकावट होती है।

गाड़ियां पार्किंग में रखी जाएंगी- एसोसिएशन ने ट्रैफिक समस्या के समाधान के लिए यशवंतगंज स्थित नगर निगम की मल्टी लेवल पार्किंग का उपयोग करने का निर्णय लिया है। व्यापारियों और उनके स्टाफ को प्रेरित किया जाएगा कि वे अपनी गाड़ियां पार्किंग में खड़ी करें। इससे दुकानों के बाहर ग्राहकों को वाहन खड़ा करने की जगह मिलेगी।

संपादकीय

मणिपुर: जद यू में बगावत

बीते डेढ़ साल से नस्ली हिंसा में झुलस रहे मणिपुर में सत्तारूढ़ भाजपा सरकार से समर्थन वापस लेने का फैसला करने वाले प्रदेश जदयू अध्यक्ष बीरेन सिंहऔर उसके बाद जदयू आलाकमान द्वार उन्हें पार्टी से निकालने का घटनाक्रम यूं तो बहुत छोटा लगता है, लेकिन इसका राष्ट्रीय महत्व भी है। हालांकि इस समर्थन वापसी से राज्य में मुख्य मंत्री बीरेन सिंह सरकार पर कोई संकट नहीं है, लेकिन इस मामले ने एनडीए और खासकर बिहार की राजनीति के अंतर्विरोध को उजागर कर दिया है। साथ में यह भी कि जदयू में नीतीश कुमार के नेतृत्व को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। बीते बुधवार को एनडीए के सदस्य जदयू के प्रदेशाध्यक्ष बीरेन सिंह ने बीजेपी की अगुवाई वाली मणिपुर की बीरेन सिंह सरकार से समर्थन वापस लेने का ऐलान कर दिया। 2022 में हुए विधानसभा चुनाव में मणिपुर में जद यू के 6 विधायक जीते थे। जिनमें से 5 बाद में भाजपा में शामिल हो गए। संविधान की दसवीं अनुसूची के तहत इन पांच विधायकों का मामला स्पीकर के न्यायाधिकरण में लंबित है। जदयू प्रदेशाध्यरक्ष द्वारा राज्यपाल और स्पीकर को लिखी चिट्ठी में कहा गया है कि इंडिया गठबंधन का हिस्सा बनने के बाद, जनता दल (यूनाइटेड) ने भाजपा नेतृत्व वाली सरकार से अपना समर्थन वापस ले लिया है। इस खबर से मणिपुर से पटना और दिल्ली तक हलचल मच गई। संदेश गया कि यह नीतीश कुमार के एनडीए गठबंधन से बाहर निकलने की पूर्व पीठिका है। यह बात अलग है कि इस समर्थन वापसी के बावजूद भाजपा के नेतृत्व वाली मणिपुर सरकार के गिरने की कोई संभावना नहीं है। क्यों 60 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा के पास 37 सीटें हैं और उसे नागा पीपल्स फ्रंट के 5 विधायकों और 3 निर्दलीय विधायकों का समर्थन प्राप्त है। जद यू के एकमात्र मुस्लिम विधायक हैं। जदयू प्रदेशाध्यक्ष के इस ऐलान के बाद जदयू में खलबली मच गई। सवाल उठा कि बीरेनसिंह ने किसी की शह पर ऐसा किया या फिर यह उनका अपना निर्णय था। संभव है कि वो नीतीश के नेतृत्व से नाराज हों। उधर बिहार में जीतन राम मांझी के बयानों से भी नीतीश कुमार और एनडीए असहज है। इसके पहले नवंबर 2024 में कोनराड संगमा की अगुवाई वाली नेशनल पीपल्स पार्टी (एनपीपी) ने भाजपा सरकार से समर्थन वापस लेने का ऐलान किया था। इस बीच जदयू ने बयान जारी कर कहा कि बीरेन सिंह ने समर्थन वापसी का फैसला अपने स्तर पर किया था। इसके लिए पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व से कोई सलाह नहीं की गई। पार्टी सुप्रीमो नीतीश कुमार ने बीरेन सिंह पर अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए उन्हें पार्टी से निकाल दिया। साथ ही जेडीयू ने स्पष्ट किया कि वह एनडीए के साथ है और मणिपुर में भाजपा सरकार का समर्थन जारी रखेगी। यह कार्रवाई कर नीतीश कुमार ने महीना भर से बिहार में जारी अफवाहों को भी विराम दे दिया है। बिहार में अटकलें लगाई जा रही थीं कि नीतीश एक बार फिर पालाबदल सकते हैं, जैसा कि वो पहले भी करते रहे हैं। अगर नीतीश बीरेन सिंह को पार्टी से निष्कासित नहीं करते तो यह संदेश जाता कि एनडीए में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है और बिहार में इस गठबंधन के सभी घटक दल अपनी अलग राह चुन रहे हैं। जद यू प्रदेशाध्यक्ष का बयान सीधे तौर पर राज्य में इस साल के अंत तक होने वाले विधानसभा चुनाव को प्रभावित करता। भाजपा चाहती है कि विस में लोकसभा की तरह एनडीए गठबंधन मिल कर चुनाव लड़े ताकि लालू की पार्टी को सत्ता से दूर रखा जा सके। फिलहाल असंतोष की चिंगारी को बुझा दिया गया है, लेकिन यह फिर कब भड़क उठेगी, कहना मुश्किल है।

नजरिया

राहुल बनर्जी

लेखक ने आईआईटी खड़गपुर से सिविल इंजीनियरिंग कर सामाजिक कार्यों और कृषि में शोधकार्य कर रहे हैं।

मनुष्यों के सामने आज की सबसे बड़ी समस्या है, जलवायु परिवर्तन। कहा जा रहा है कि इसके चलते निकट भविष्य में मानव समेत विश्व की सभी प्रजातियाँ विलुप्त हो जाएंगी। मुख्य रूप से औद्योगिक विकास के लिए जीवाश्म ईंधन के अत्यधिक उपयोग के कारण हो रहे कार्बन डाइआक्साइड व अन्य गैसों के उत्सर्जन से तापमान में वृद्धि ने यह संकट पैदा किया है। वर्ष 2024 तक तापमान वृद्धि औद्योगिक क्रांति के पूर्व के मुकाबले 1.5 डिग्री सेंटिग्रेड हो गई है और यह हर दशक 0.2 डिग्री सेंटिग्रेड की दर से बढ़ रही है। आशंका है कि यह वृद्धि 2050 तक 2 डिग्री सेंटिग्रेड हो गई तो जलवायु परिवर्तन के भीषण परिणाम होंगे जिसकी वजह से पृथ्वी पर जीवन ही खत्म होना शुरू हो जाएगा।

फिलहाल हर वर्ष दुनिया में 42 अरब टन कार्बन का उत्सर्जन हो रहा है। इसमें पेड़-पौधों एवं समुद्री शैवाल के द्वारा से केवल 2 अरब टन का वापस अवशोषण हो रहा है। इस समस्या से निजात पाने का केवल एक ही उपाय है – जीवाश्म ईंधन का उपयोग बंद कर दिया जाए एवं पुनर्नवीकरणीय ऊर्जा-स्त्रोत, जैसे सौर-वायु ऊर्जा या परमाणु ऊर्जा का इस्तेमाल किया जाए। इस दिशा में प्रगति के लिए भारत सरकार द्वारा जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्य योजना बनाई गई है जिसके दिशा-निर्देशों के अनुसार कार्य हो रहा है।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर 'संयुक्त राष्ट्र संघ' ने जलवायु परिवर्तन पर एक संवाद जारी रखा है जिसके तहत हर वर्ष बैठकें होती हैं जिनमें कार्बन उत्सर्जन कम करने के लक्ष्य तय किए जाते हैं एवं सभी देशों को उन लक्ष्यों को हासिल करने के लिए कदम उठाने होते हैं। इसी के तहत भारत सरकार ने भी कार्बन उत्सर्जन को कम करने की योजना बनायी है। कानूनी तौर पर 'भारतीय विद्युत अधिनियम' में प्रावधान किये गए हैं कि विद्युत उत्पादन अधिक-से-अधिक पुनर्नवीकरणीय स्त्रोतों से हो। यातायात नियमों में भी प्रावधान किए गए हैं कि अधिक-से-अधिक वाहन पुनर्नवीकरणीय स्त्रोतों से उत्पादित विद्युत पर चलें। इसके अलावा सभी उद्योगों के लिए दिशा-निर्देश तय किए गए हैं कि वे कार्बन उत्सर्जन को कम करने के कारगर कदम उठाएं। इसके लिए वित्तीय प्रावधान भी किए गए हैं।

सुप्रीमकोर्ट के फैसलों में पर्यावरण संरक्षण की राह

फिलहाल हर वर्ष दुनिया में 42 अरब टन कार्बन का उत्सर्जन हो रहा है। इसमें पेड़-पौधों एवं समुद्री शैवाल के द्वारा से केवल 2 अरब टन का वापस अवशोषण हो रहा है। इस समस्या से निजात पाने का केवल एक ही उपाय है – जीवाश्म ईंधन का उपयोग बंद कर दिया जाए एवं पुनर्नवीकरणीय ऊर्जा-स्त्रोत, जैसे सौर-वायु ऊर्जा या परमाणु ऊर्जा का इस्तेमाल किया जाए। इस दिशा में प्रगति के लिए भारत सरकार द्वारा जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्य योजना बनाई गई है जिसके दिशा-निर्देशों के अनुसार कार्य हो रहा है।

सर्वोच्च न्यायालय द्वारा कुछ प्रकरणों में महत्वपूर्ण निर्णय दिए गए हैं जिससे पर्यावरण संरक्षण, विशेषकर जलवायु परिवर्तन की रोकथाम को भारतीय संविधान के मूलभूत अधिकार का दर्जा प्राप्त हो गया है। इनकी चर्चा बहुत उपयोगी साबित होगी। दीवानी याचिका क्र.838/2019 में कुछ पर्यावरणवादियों ने सर्वोच्च न्यायालय में यह आवेदन किया था कि राजस्थान और गुजरात में स्थापित विशाल सौर-ऊर्जा संयंत्र के तारों में उलझकर 'ग्रेट इंडियन बस्टर्ड' नामक पक्षी मर रहे हैं और इसलिए इस विलुप्तप्राय प्रजाति को बचाने के लिए इनके निवास क्षेत्र में तारों से विद्युत पारेषण बंद कर भूगर्भ केबल के माध्यम से किया जाए।

इस पर विचार करके सर्वोच्च न्यायालय ने सन 2021 में निर्णय दिया था कि संविधान की धारा 21 में प्रदत्त जीने का अधिकार केवल मनुष्यों के लिए नहीं, बल्कि सभी प्रजातियों के लिए है। यह इसलिए क्योंकि मनुष्य अकेला जी नहीं सकता, बल्कि प्रकृति के तमाम जीवों के साथ उसे जीना होगा। यानि मानव केंद्रित न्याय के बदले प्रकृति केंद्रित न्याय को अपनाना होगा। इसलिए उस समय के अंतरिम निर्णय में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा यह आदेश दिया गया था कि तारों से विद्युत पारेषण बंद कर भूगर्भ से पारेषण किया जाए।

इस निर्णय के विरुद्ध सौर-ऊर्जा कंपनियों एवं केंद्र सरकार ने अपील की कि भूगर्भ केबल बहुत मंहगा है एवं उससे पारेषण करने से सौर विद्युत की कीमत इतनी अधिक हो जाएगी कि उपभोक्ता उसे खरीद ही नहीं पाएंगे। इस प्रकार कार्बन उत्सर्जन को कम कर जलवायु परिवर्तन रोकने का लक्ष्य पूरा नहीं हो पाएगा जिसके फलस्वरूप अंततः पृथ्वी की सभी जीवित प्रजातियों की विलुप्ति हो जाएगी। सन 2024 में इस तर्क को मानते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने स्वीकार किया कि जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न वर्तमान संकट गंभीर है, इसलिए सभी प्राणियों के जीने के अधिकार को सुरक्षित करने के लिए सौर-ऊर्जा का उत्पादन एवं पारेषण महत्वपूर्ण है। सर्वोच्च न्यायालय ने इस तर्क के आधार पर कुछ सावधानियों के साथ तारों से सौर-ऊर्जा के पारेषण की अनुमति दी थी। सर्वोच्च न्यायालय के इस निर्णय से जलवायु परिवर्तन के शमन को संविधान की धारा 21 के तहत 'जीने के अधिकार' का दर्जा प्राप्त हो चुका है।

हालांकि यह भी सोचने लायक है कि सौर-ऊर्जा का उत्पादन केवल विशाल संयंत्रों से ही क्यों किया जा रहा है, जबकि इसमें किसी भी अन्य केन्द्रीकृत उद्योग जैसी विस्थापन सरीखी बहुत सारी अन्य समाजार्थिक समस्याएं भी हैं। सौर एवं वायु ऊर्जा, कृषि या वन के जैव-अवशेषों से छोटे-छोटे समूहों में भी सामुदायिक स्तर पर ऊर्जा उत्पादन किया जा सकता है। इसमें स्थानीय स्तर पर उत्पादित विद्युत के उपयोग में तारों से पारेषण की आवश्यकता ही नहीं होगी, परन्तु ऐसा नहीं किया जा रहा क्योंकि इसमें उद्योगपतियों को मुनाफा नहीं होगा। नतीजे में सरकार पर दबाव डालकर उद्योगपतियों द्वारा अनुदान लेकर केन्द्रीकृत संयंत्रों में सौर-ऊर्जा का उत्पादन किया जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि सामुदायिक ऊर्जा उत्पादन का एक और फायदा यह भी है कि इससे व्यापक पैमाने पर ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में रोजगार का सृजन हो सकता है। सर्वोच्च न्यायालय ने बहुत पहले 1985 में ही निर्णय दिया था कि 'रोजगार का अधिकार' भी संविधान की धारा 21 के तहत 'जीने के अधिकार' का अंग है। इसी क्रम में 'महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार अधिनियम 2005' (मनरेगा) पारित किया गया जिसमें न केवल प्रत्येक इच्छुक वयस्क व्यक्ति को वर्ष में सौ दिन का रोजगार देने, बल्कि ऐसे कामों के लिए देने का प्रावधान है जिससे पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिले, जैसे – भूमि, जल व वन-संरक्षण आदि। 'मनरेगा' को शहरों में भी लागू कर इससे व्यापक पैमाने पर सामुदायिक पुनर्नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन का काम भी किया जा सकता है। इससे जलवायु परिवर्तन के शमन एवं रोजगार सृजन के दोनों महत्वपूर्ण लक्ष्य बखूबी हासिल हो सकते हैं।

विडंबना यह है कि वर्तमान में 'मनरेगा' पर सरकारी निवेश बेहद कम है एवं औसतन वर्ष में केवल 9 दिन का रोजगार सृजन हो रहा है, वह भी भवन एवं सड़क निर्माण जैसे गैर-पर्यावरणीय क्षेत्रों में। अतः देश और दुनिया की भलाई इसमें है कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा संविधान की धारा 21 के तहत प्रदत्त 'जीने के मूलभूत अधिकार' की जो व्याख्या करते हुए जलवायु परिवर्तन शमन एवं रोजगार सृजन को भी उसमें शामिल किया है, भारत सरकार उसे क्रियान्वित कर प्रकृति केंद्रित न्याय को सभी प्राणियों के लिए सुरक्षित करे। (सप्रेस)

राजनीति

अवधेश कुमार

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

भागवत ने जो वक्तव्य दिया नहीं उस पर विवाद

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत द्वारा इंदौर के एक कार्यक्रम में स्वतंत्रता दिवस और अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा पर दिए गए वक्तव्य से देश में राजनीति, गैर राजनीतिक एक्टिविज्म चारों ओर बवंडर मचा हुआ है। विरोधी आरोप लगा रहे हैं कि संघ 15 अगस्त, 1947 को स्वतंत्रता दिवस मानता ही नहीं और भागवत ने 22 जनवरी, 2024 यानी पौष शुक्ल द्वादशी से स्वतंत्रता दिवस मानने और मनाने की अपील की है। कोई 15 अगस्त 1947 को स्वतंत्रता दिवस न माने तो उसका विरोध स्वाभाविक होगा। उसके बाद राहुल गांधी का बयान सबसे ज्यादा चर्चा और बहस में है कि मोहन भागवत ने जो कहा वह संघ का विचार है और हम उसी के विरुद्ध संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने अपने केंद्रीय कार्यालय के उद्घाटन के अवसर पर यहां तक कह दिया कि यह मत मानिए कि हमारा संघर्ष संघ और भाजपा जैसे किसी राजनीतिक संगठन से है, हमें पूरे इंडियन स्टेट यानी भारतीय राज्य से संघर्ष करना है। संपूर्ण भारतीय राज्य के विरुद्ध संघर्ष भी लोकसभा में विपक्ष के नेता के द्वारा, जिसने संविधान के तहत शपथ लिया हो सामान्य तौर पर न स्वीकार हो सकता है न गले उतर सकता है।

राहुल गांधी के वक्तव्य पर आगे विचार करेंगे, पहले यह देखें कि डॉ भागवत और संघ, भाजपा सहित पूरे विचार परिवार के विरुद्ध चल रहे अभियान का सच क्या है? भागवत के इंदौर के भाषण के वीडियो उपलब्ध हैं और कोई भी सुन सकता है। वे बोल रहे हैं- 'भारत स्वतंत्र हुआ 15 अगस्त को। राजनीतिक स्वतंत्रता आपको मिल गई। हमारा भाग्य निर्धारण करना हमारे हाथ में है। हमने एक संविधान भी बनाया, एक विशिष्ट दृष्टि, जो भारत के अपने स्व से निकलती है, उसमें से वह संविधान दिग्दर्शित हुआ, लेकिन उसके जो भाव हैं, उसके अनुसार चला नहीं और इसलिए, हो गए हैं स्वप्न सब साकार कैसे मान लें, टल गया सर से व्यथा का भार कैसे मान लें।' साफ है जो भाषण सुनेगा और निष्पक्षता से विचार करेगा वह वर्तमान विरोधों विवादों से सहमत नहीं हो सकता।

हमारे देश की बौद्धिक, एक्टिविज्म और राजनीति की दुनिया ने लंबे समय से दुष्प्रचार कर रखा है कि संघ स्वतंत्रता दिवस को मानता ही नहीं, तिरंगा झंडा को स्वीकार नहीं करता और संविधान को खारिज करता है। इसलिए किसी भी वक्तव्य को उसके सच और संदर्भ से काटकर दो-चार शब्दों के आधार पर आलोचना और हमला स्वभाव बन गया है। जरा बताइए, इन पंक्तियों में कहां है कि हमें 15 अगस्त, 1947 को स्वतंत्रता मिली ही नहीं? दूसरे, इसमें भारतीय संविधान को खारिज करने का एक शब्द है क्या? वो कह रहे हैं कि भारतीय संविधान एक विशिष्ट दृष्टि स्व से निकला। क्या यह सच नहीं है कि हमने

स्वयं संविधान की भावनाओं के अनुरूप न देश के लोगों के अंदर भारत के संस्कार को लेकर जागृति पैदा की न उसके अनुसार व्यवस्थाओं की रचना की?

महात्मा गांधी ने 15 अगस्त, 1947 को कोई वक्तव्य जारी नहीं किया। उन्होंने अपने साथियों से कहा कि क्या ऐसे ही स्वराज के लिए हमने संघर्ष किया था? उन्होंने स्पष्ट लिखा कि हमें अंग्रेजों से राजनीतिक स्वतंत्रता मिल गई किंतु सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक स्वतंत्रता के लिए पहले से ज्यादा लंबे संघर्ष और परिश्रम की आवश्यकता है। हम आप गांधी जी को स्वतंत्रता दिवस विरोधी घोषित कर देंगे? उन्होंने न जाने कितनी बार बोला और लिखा कि हम अंग्रेजों से केवल राजनीतिक स्वतंत्रता के लिए संघर्ष नहीं कर रहे हैं। भारत ही एकमात्र देश है जो दुनिया को दिशा दे सकता है।भारत का ध्येय अन्य देशों से भिन्न है। धर्म वह क्षेत्र है जिसमें भारत दुनिया में सबसे बड़ा हो सकता है। यह सच है कि भारत को समझने वाले ज्यादातर मनीषियों ने ऐसे भारत की कल्पना की जो अपने धर्म, अध्यात्म, संस्कृति और सभ्यता के आधार पर ऐसा महान और आदर्श देश बनेगा जिससे विश्व सीखेगा कि सद्भाव, संयम, त्याग और साहचर्य के आधार पर कैसे कोई राष्ट्र महान बन सकता है। भारत इसी चरित्र को लेकर खड़ा होगा और संपूर्ण विश्व उसका अनुसरण करेगा। विश्व गुरु कहने के पीछे भाव भी यही है। किंतु जब आप हम क्या हैं और क्या होना है यही नहीं समझेंगे तो राष्ट्र का निश्चित लक्ष्य ओझल हो जाता है।

इस संदर्भ में मोहन भागवत की अगली पंक्ति भी देखनी चाहिए।' ऐसी परीस्थिति समाज की, क्योंकि जो आवश्यक स्वतंत्रता में स्व का अधिष्ठान होता है, वह लिखित रूप में संविधान से पाया है, लेकिन हमने अपने मन को उसकी पक्की नींव पर आरूढ़ नहीं किया है। हमारा स्व क्या है? राम, कृष्ण, शिव, यह क्या केवल देवी - देवता हैं, या केवल विशिष्ट उनकी पूजा करने वालों के हैं? ऐसा नहीं है। राम उत्तर से दक्षिण भारत को जोड़ते हैं।' उन्होंने कहीं नहीं कहा कि पौष शुक्ल द्वादशी को स्वतंत्रता दिवस मनाना है। इसे प्रतिष्ठा द्वादशी के नाम से संपूर्ण देश से मनाने की अपील की। जिन्हें भारतीय पंचांग व तिथियों की गणना, कैलेंडर तथा एकादशी के महत्व का ज्ञान नहीं उनके लिए समझना कठिन होगा। हमारे यहां वैकुंठ एकादशी, बैकुंठ द्वादशी आदि यूं ही स्थापित नहीं हुए। यह भारत का स्व है। भागवत ने कहा कि हमें स्वतंत्रता थी लेकिन वह प्रतिष्ठित नहीं हुई थी। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के साथ वह प्रतिष्ठित हुई इसलिए उसे प्रतिष्ठा द्वादशी के रूप में मनाया जाना चाहिए।

थोड़ा दुष्प्रचारों से अलग होकर सोचिए कि आखिर आक्रमणकारियों ने हमारे धर्म स्थलों हमले और उनको ध्वस्त क्यों किया? इसीलिए कि हमारा स्व मर जाए, उन स्थलों, प्रतिस्थापित प्रतिमाओं या निराकार स्वरूपों को लेकर हमारे अंदर का आस्था विश्वास नष्ट हो, उनके प्रति हम अपमानित महसूस करें? आक्रमण, ध्वंस, जबरन निर्माण और दासत्व के समानांतर प्रतिकार व मुक्ति के संघर्ष सतत् चलते रहे। उन सबके लिए संघर्ष करने वाले बलिदानियों को हम क्या मानते हैं? गुरु गोविंद सिंह, छत्रपति शिवाजी, लाचित बोड़फुकन आदि हमारे लिए स्वतंत्रता के महान सेनानी थे या नहीं? वस्तुतः स्वतंत्रता के लिए लंबा संघर्ष हुआ जिनका मूल लक्ष्य स्व की प्रतिस्थापना थी। इस संदर्भ में अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि मंदिर मुक्ति का आंदोलन किसी के विरोध के लिए नहीं, स्व जागृत करने और पाने के लिए था। राजनीतिक नेतृत्व इस रूप में से लेता तो आंदोलन इतना लंबा चलता ही नहीं। ध्यान रखिए, भागवत उस कार्यक्रम में बोल रहे थे जहां श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास के महासचिव चंपत राय को राष्ट्रीय देवी अहिल्या पुरस्कार प्रदान किया गया। उन्होंने कहा कि यह दिन अयोध्या में राम मंदिर के पुनर्निर्माण और भारतीय संस्कृति की पुनर्स्थापना का प्रतीक बन गया है। जिनके लिए अयोध्या आंदोलन ही गलत हो वे इस भाव को नहीं समझ सकते।

तब भी मान लीजिए कि किसी का डॉ भागवत या संघ की सोच से मतभेद होगा। किंतु जो उन्होंने कहा बहस उस पर होगी या जो कहा नहीं उस पर? क्या इस तरह का झूठ फैलाना और लोगों के अंदर गुस्सा, उत्तेजना, हिंसा का भाव पैदा करना संविधान की प्रतिष्ठा है? क्या भारतीय स्वतंत्रता के पीछे ऐसे ही राजनीतिक चरित्र और संस्कार की भावना थी? राहुल गांधी विपक्ष के नेता हैं और उन्हें पद और गरिमा का भान होना चाहिए। वस्तुतः डॉक्टर भागवत का भाषण नहीं होता तब भी किसी बहाने उन्हें यह बोलना था। वे परंपरागत माओवादी, नक्सलवादी या आरंभिक कम्युनिस्टों की तरह की भाषा लगातार बोल रहे हैं। ये लोगों को भड़काकर विद्रोह ने के लिए यही बोलते थे कि धार्मिक कट्टरपंथियों, फासिस्ट शक्तियों का विस्तार हो रहा है, सत्ता पर इनका कब्जा है, पूंजीपति उद्योगपति सारे शोषण के आधार पर सत्ता का लाभ लेते हुए धन इकट्ठा कर रहे हैं तो राज्य व्यवस्था को उखाड़ फेंकना है। यही बात राहुल गांधी जी बोल रहे हैं। 2019 लोकसभा चुनाव में पराजय के बाद धीरे-धीरे उनका इस रूप में रूपांतरण हुआ है और भारत व विश्व के अल्ट्रा वामपंथी अल्ट्रा सोशलिस्ट आदि उनके रणनीतिकार हैं और उनकी भाषा उसी अनुरूप है।

चूंकि लोकसभा चुनाव से मुस्लिम मतों का रुझान कांग्रेस की ओर दीखा है और इसे बनाए रखने पर पूरा फोकस है। लगता है जितना संघ का विरोध करेंगे, आक्रामक होंगे हमारे पक्ष में वोटो का ध्रुवीकरण होगा। वास्तव में डा भागवत ने तो एक संतुलित विचार दिया जबकि राहुल गांधी की बात हिंसा और उत्तेजना पैदा करने वाली है। कांग्रेस के परंपरागत नेताओं को भी विचार करना चाहिए कि क्या इस सोच से उनका जन समर्थन बढ़ेगा? क्या यह उन मूल्यों के के विरुद्ध आघात नहीं होगा जिनके लिए स्वतंत्रता संघर्ष हुआ? क्या यह अंततः भारतीय मानस के हित में होगा?

अफसरों की जमीनें जमीन पर अफसर

कटाक्ष

प्रदीप औदिच्य

लेखक व्यंग्यकार हैं।

बड़े सयाने कह गए है कि बड़े आदमी को जमीन से ही जुड़ा रहना चाहिए। एक और किसी बड़े बुजुर्ग ने ये भी कहा था कि बेटा, बड़े आदमी बनने के लिए बड़ी बड़ी जमीन होना चाहिए।जब सयाने कह गए तो उनकी बात मानने के लिए नेता हो या अफसर सब निकल पड़े है,जमीन पर खेती करने के लिए।मुझे लगता है कि खेती किसानी से ज्यादा फायदे का धंधा कोई और नहीं है।वास्तव में अफसरगिरी से ज्यादा आसान काम होगा खेतों में फसल उगाना।खेती किसानी अब मुश्किल या बहुत मेहनत पसीने वाली नहीं रही, अगर ऐसा होता तो 40 साल बड़े से दफ्तर में बैठकर कोई अधिकारी बुढ़ापे में किसान क्यों बनना चाहता है।

लेकिन ये उनके अफसरी जीवन की उदारता है, वो चाहते है कि वह किसान का जीवन जीयें।वह समझना चाहते है कि ये देश आखिर कृषि प्रधान क्यों है ?अफसर प्रधान क्यों नहीं !जबकि ये देश वास्तव में तो अफसर प्रधान ही होना चाहिए।

अब प्रदेश भर के मीडिया वाले इस बात की खुसर पुसर करते हैं कि ये जमीन का धंधा काले धन का ठिकाना है।ये जमीन अमुक अधिकारी की है,अमुक नेता की है। ऐसी खुसर पुसर ठीक नहीं,न ये किसानी के लिए हित में है न किसानों के हित में है।देश के लिए तो बिल्कुल ठीक है ही नहीं। मुझे लगता है कि ऐसे अफसर जो रिटायर्ड हैं या होने वाले हैं।जिन्होंने पूरी उम्र अपने दफ्तर के कमरे के बाहर किसानों को खड़ा किया।आज वह खुद किसान बनने के लिए खेत पर खड़े है।इस से किसानों का आत्मसम्मान बढ़ा है।किसानों को याद आ रही है उस बात की जब दुत्कार कर उन्हें भगाया था।वही लोग खेत में न सही कागजों में ही सही किसान बनकर खड़े है।इस से देश में नया समाजवाद आ गया है।इस समाजवाद व्यवस्था से किसान और अफसर के बीच फासला कम होगा।फसल हो या न हो ऐसे फासले कम होने की जरूरत है।ऐसे फैसले किसानी के लिए अच्छे हैं।

एक अफसर ने कहा कि हमने कई साल तक किसानों के लिए खेती के लिए स्कीम बनाई। अब हम ये देखना चाहते है कि उन स्कीम का फायदा किसानो को मिल रहा है या नहीं।फाइल में रबी फसल और खरीफ फसल लिखते पढ़ते जिंदगी बीती है।अफसर रहते पता ही चलता वास्तव में फसल कैसी होती है। उस समय तो हमारा मातहत तो रिपोर्ट लिख दे वहीं सच है।वह कागज पर जमीन दिखाता है।कागज पर फसल ।,कागज पर ओले और कागज पर ही किसान का फायदा।जमीन तो जब तक अपनी न हो पता ही नहीं चलता कि जमीनी हालात क्या हैं ?अब अफसर है और जमीनें है।राजधानी के आसपास की जमीनें उनकी है।वह खेती को देखते है वह खेत को देखते है।वह संडे को आते है । सकून के लिए शांति की तलाश में ।उनकी तनाव भरी जिंदगी रुकती है जमीन पर।वह अपने आधुनिक फार्म हाउस में अन्य विभागों के अफसरों के साथ शनिवार की रात रविवार को किसानों के बारे में चिंतन करते है।उनका जीवन स्तर कैसे सुधरेगा,उपज कैसे बढ़े,उस पर योजनाएं बने।इस पर गहरा मंथन करते है। किसानों को मुर्गी पालन बकरी पालन से आमदनी हो ।ऐसे उन्नत किस्म के जानवर इनके सामने लाए जाते हैं।सप्ताह में दो दिन इस बात पर गहरे विमर्शों के साथ नए प्रोजेक्ट की बात होती है।नए यूनिवर्सिटी, नए एयरपोर्ट के प्रोजेक्ट उनकी जमीन की तरफ आएं।

फिर एक दिन कोई बिल्डर आयेगा।वह घर बना देगा।उनके लिए जो शहर के कोलाहल से दूर रहना चाहते है।जमीन में फसल नहीं घर उग आएगा।उस से किसान को नहीं, अफसर को नुकसान होगा,क्यों कि बेचारा अफसर तो किसान बनना चाहता था,पर वह भूमाफिया बिल्डर उस से जमीन छीन लेता है।वहां महंगे घर बना देता है।इस से किसान बनते रह गया अफसर दुखी हो जाता है,,और फिर वह ये समझ लेता है कि ये देश किसान को रहने लायक नहीं है।अफसर अपने परिवार के साथ विदेश शिफ्ट हो जाता है। उसको लगता है ये बिल्डर और ब्यूरोक्रेसी का गठबंधन किसानों के हित में काम नहीं करने देगा।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) -विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

रजनीश दवे

लेखक व्यंग्यकार हैं।

अंगूठा दिखाना और लाइक करना ही नियति है

मॉर्निंग वॉक पर साथ चल रहे मित्र दुःखी नजर आये तो मैंने उनसे पूछा कि क्या परेशानी है ? इतने विचलित क्यों हो ? वे कहने लगे कि कुछ नहीं भाई ,दो तीन दिन से दिमाग खराब है। मेरे प्रतिप्रश्न पर उन्होंने अपना दुखड़ा सुनाया कि उनके पुराने मित्रों का एक व्हाट्सएप ग्रुप है और तीन दिन पहले एक गलत पोस्ट पर उन्होंने आपत्ति ली तो उन्हें ग्रुप से रिमूव कर दिया गया।मैंने उन्हें सांत्वना दी कि यह तो चलता रहता है ,आप दुःखी ना हों। लेकिन उन्होंने तो इसे दिल पर ले लिया था। अब वे नया ग्रुप बनाने की सोच रहे हैं और जाहिर तौर पर रिमूव करने वाले को इसमें एड नहीं करेंगे।आजकल सोशल मीडिया का जमाना है और अधिकांश लोग किसी ना किसी रूप में इस पर सक्रिय हैं। व्हाट्सएप का भी लगभग हर व्यक्ति उपयोग करता है।परिवार के ,समाज के,साहित्यकारों , कलाकारों ,व्यापारियों के अपने -अपने व्हाट्सएप समूह (ग्रुप) हैं। असंख्य समूह बन रहे हैं , लेकिन अधिकांश में ग्रुप एडमिन और दो -चार सक्रिय सदस्यों को छोड़कर ज़्यादातर का योगदान कभी -कभी अंगूठा दिखाना होता है।बचे हुए सदस्य तो केवल साक्षी भाव के साथ जुड़े रहते हैं,यानी झरोखे से झाँकने वाले। कुछ समूह ÷ओनली एडमिन मोड पर होते हैं,जहाँ अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता होते हुए भी नहीं होती। यहाँ एडमिन की तानाशाही और मनमानी चलती है।अपनी सोच,अपनी विचारधारा को सदस्यों पर थोप कर वे आत्मसंतुष्टि का अनुभव करते हैं। कुछ अपने समूह को लोकतांत्रिक बताने के लिये कुछ नियम आपके सामने परोस देते हैं और साथ में नियमों का पालन ना करने पर रिमूव करने की चेतावनी भी नत्थी कर देते हैं। मजे की बात यह है कि ज़्यादातर नियम वे खुद तोड़ते हैं। पोस्ट डालेंगे कि जन्मदिन की बधाई के पोस्ट ना डालें , इसके लिये दूसरे समूह हैं।दो दिन बाद खुद अपने किसी पट्ठे के जन्मदिन की महिमामंडन करती पोस्ट डाल देंगे।सभी तो नहीं , लेकिन ज़्यादातर समूह आत्ममुग्ध लोग बनाते हैं , जो सदस्यों से अपनी हर पोस्ट पर प्रशंसा और लाइक की उम्मीद रखते हैं।यहाँ सवाल उठाने ,या टिप्पणी का कोई काम नहीं होता।दुर्भाग्य से कोई जागरूक सदस्य यदि सवाल उठाने की जुर्रत करता है तो उस पर अनुशासनात्मक कार्यवाही की गाज गिर जाती है और ग्रुप से बाहर कर दिया जाता है। फिर निकाला गया सदस्य एक नया समूह बना लेता है , ठीक उसी तरह मानो एक नये युग की शुरुआत हो रही हो।समूह को बनाने और उसके उद्देश्य को लेकर उसकी पहली भावनात्मक पोस्ट पढ़कर बस आँखों से आँसू ही नहीं टपकते। इस इमोशनल ड्रामे के बाद जोड़ा गया सदस्य कुछ दिन के लिये तो लेफ्ट होने की हिम्मत ही नहीं कर पाता। उस बेचारे को तथाकथित नैतिकता ऐसा करने से रोकती है।इसी तरह समूह से निकाले गये सदस्य नये -नये समूह बनाते चले जाते हैं और रक्तबीज की तरह समूह पर समूह बनते जाते हैं। राजनैतिक दलों की तरह व्हाट्सएप समूहों में भी गुटबाजी रहती है।चार इसके तो चार उसके समर्थक।एक पोस्ट डाली कि उसके समर्थक तुरंत उसके समर्थन में टिप्पणी और प्रशंसा की पोस्ट डाल देते हैं। फिर विरोधी गुट वाले उस पोस्ट की काट ढूंढ़कर डालते हैं और यह सिलसिला चलता रहता है। कुछ दुःखी होकर समूह छोड़ देते हैं लेकिन कुछ दिनों बाद उन्हें फिर जोड़ लिया जाता है।फिर से जुड़ने वाला अपराध बोध के साथ समूह में पड़ा रहता है।कुछ लोगों का घर में रोज की हो रही मगजमारी के चलते सोशल मीडिया से मोह भंग हो जाता है और मोबाइल को हाथ ना लगाने की कसमें खाई जाती हैं।यद्यपि यह मोहभंग अस्थायी होता है और कुछ दिनों बाद फिर मोह जाग जाता है,क्योंकि इसकी लत ही ऐसी है,असाध्य रोग की तरह ।कुछ बिरले ही होते हैं ,जो सोशल मीडिया का सार्थक उपयोग कर पाते हैं ,बाकी तो कॉपी ,पेस्ट और फॉरवर्ड मेसेज के चक्रव्यूह से बाहर ही नहीं निकल पाते।एक आम व्हाट्सेपिये और फेसबुकिये के भाग्य में अंगूठा दिखाना और लाइक करना ही लिखा है और यही उसकी नियति है।

राष्ट्रीय पर्यटन दिवस पर विशेष

लोकेन्द्र सिंह

पुस्तक 'हिन्दवी स्वराज्य दर्शन' के लेखक

हिन्दवी स्वराज्य की राजधानी 'रायगढ़'

छत्रपति शिवाजी महाराज सन् 1670 में हिन्दवी स्वराज्य की राजधानी को राजगढ़ से रायगढ़ लेकर आए। राजसी गौरव एवं भव्यता के साथ 1674 में शिवाजी महाराज का राज्याभिषेक समारोह रायगढ़ पर सम्पन्न हुआ। राज्याभिषेक समारोह में उपस्थित अंग्रेज प्रतिनिधि ऑक्झिंडन ने रायगढ़ राजधानी की सामरिक सुरक्षा और दुर्जेयत्व की प्रशंसा में अपनी दैनंदिनी में लिखा है- यह किला केवल विश्वासघात से ही जीता जा सकता है, अन्यथा यह दुर्जेय है । उसका यह कथन लगभग 15 वर्षों के पश्चात् सन् 1689 में प्रमाणित हुआ जब औरंगजेब की सेना के घेरे के समय दुर्गपति सूर्याजी पिसाल द्वारा विश्वासघात करने के कारण किले पर मुस्लिम सल्तनत का अधिकार हुआ। उस समय रायगढ़ में हिन्दवी स्वराज्य के दूसरे छत्रपति शंभूराजे का शासन था।

भा श्री दुर्गदुर्गेश्वर अर्थात् हिन्दवी स्वराज्य की राजधानी- रायगढ़। सह्याद्रि की पर्वत श्रृंखलाओं में प्राकृतिक रूप से सुरक्षित रायगढ़ हिन्दवी स्वराज्य का बेजोड़ किला है। किला अपने उत्तर और पूर्व से काल नदी से घिरा हुआ है। सह्याद्रि की लहरदार घाटियों एवं घने जंगल में छिपा यह किला दूर से नजर नहीं आता है। यह भी रायगढ़ की विशेषता है। यह किला दुर्जय है। महाराज के जीवित रहते रायगढ़ न केवल प्रतिष्ठा अर्जित कर रहा था अपितु अजेय भी रहा। सब प्रकार से अत्यंत सुरक्षित होने के कारण यूरोप के यात्रियों ने रायगढ़ को 'पूर्व का जिब्राल्टर' भी कहा है। छत्रपति शिवाजी महाराज सन् 1670 में हिन्दवी स्वराज्य की राजधानी को राजगढ़ से रायगढ़ लेकर आए। राजसी गौरव एवं भव्यता के साथ 1674 में शिवाजी महाराज का राज्याभिषेक समारोह रायगढ़ पर सम्पन्न हुआ। राज्याभिषेक समारोह में उपस्थित अंग्रेज प्रतिनिधि ऑक्झिंडन ने रायगढ़ राजधानी की सामरिक सुरक्षा और दुर्जेयत्व की प्रशंसा में अपनी दैनंदिनी में लिखा है-यह किला केवल विश्वासघात से ही जीता जा सकता है, अन्यथा यह दुर्जेय है। उसका यह कथन लगभग 15 वर्षों के पश्चात् सन् 1689 में प्रमाणित हुआ जब औरंगजेब की सेना के घेरे के समय दुर्गपति सूर्याजी पिसाल द्वारा विश्वासघात करने के कारण किले पर मुस्लिम सल्तनत का अधिकार हुआ। उस समय रायगढ़ में हिन्दवी स्वराज्य के दूसरे छत्रपति शंभूराजे का शासन था।

हम सुबह 7 बजे तक किले की तलहटी में पहुँच गए थे। किले पर जाने के लिए 1700 से अधिक सीढ़ियां चढ़नी होती हैं। वर्तमान में रज्जू-मार्ग (रोप-वे) से भी किले पर जा सकते हैं। हालांकि हमने तो पैदल ही किले की मुहिम करने का तय किया था। हम 'जय भवानी-जय शिवाजी' का उद्घोष बुलंद करते हुए निकल पड़े दुर्गदुर्गेश्वर रायगढ़ की मुहिम पर। लगभग 1400 सीढ़ियां चढ़कर हम महादरवाजे के सामने थे। किले में प्रवेश के लिए एकमात्र यही दरवाजा बनाया गया था। महादरवाजा दुर्गस्थापत्य का बेजोड़ नमूना है। दरवाजे की दीवारें इतनी मजबूत कि तोप के गोले भी कुछ न बिगाड़ पाएं।

बुर्ज बनाकर दरवाजे को और सुरक्षा प्रदान की गई है। शुत्र सेना आसानी से किले में प्रवेश न पाए, इसके लिए दरवाजे से प्रवेश करते ही चौड़ा और सीधा रास्ता नहीं बनाया गया है अपितु पहाड़ के सहारे एक संकरा और घुमावदार गलियारा दिया गया है।

किले में प्रवेश करते ही एक ओर शिरकाई देवी मंदिर है, जिन्हें गढ़देवता की मान्यता प्राप्त है। यह देवता गढ़ की रक्षा करते हैं। दुर्ग में प्रवेश करने से पहले और बाहर जाते समय इनके दर्शन करके प्रार्थना की जाती थी। वर्तमान में जो मंदिर है, वह पुनर्निर्मित है। यहाँ से आगे बढ़ने पर एक खुला मैदान दिखाई देता है, जिसमें एक ओर सिंहासनारूढ़ छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा है और उनके सामने मैदान की दूसरी ओर बाजार पेठ है। बीच में जो खाली मैदान है, उसे ही होलिका माल कहा जाता है। बताते हैं कि यहाँ होलिका दहन किया जाता था, इसलिए इसका होलिका माल नाम पड़ गया।

रायगढ़ किले पर ही वाडेश्वर महादेव मंदिर (वर्तमान में जिसे जगदीश्वर मंदिर कहते हैं) के सामने छत्रपति शिवाजी महाराज की समाधि है। गढ़पति महाराज श्रीशिव छत्रपति ने रायगढ़ पर 3 अप्रैल 1680 में विश्राम लिया। उनके पुत्र और दूसरे छत्रपति शंभूराजे महाराज ने वाडेश्वर मंदिर के सामने अष्टकोणीय संरचना में समाधि बनायी थी। बाद में, जब रायगढ़ अंग्रेजों के कब्जे में चला गया, तब यहाँ के अन्य स्मारकों की तरह समाधि स्थल की भी अनदेखी की गई या कहें जानबूझकर नुकसान पहुँचाया गया ताकि समाधि स्थल पर आकर छत्रपति के जीवन से प्रेरणा लेकर अन्य कोई शिवाजी खड़ा न हो। परंतु बाद में बाल गंगाधर तिलक ने 1895 में समाधि स्थल का पुनर्निर्माण कराया। उन्होंने इसके लिए 'श्री शिवाजी फंड समिति' की स्थापना की थी। गुरुजी ने बताया कि लगभग 250 किलोमीटर दूर स्थित सांगली से प्रतिदिन कोई एक व्यक्ति आकार समाधि पर पुष्पार्चना करता है।

रायगढ़ का हुजूर बाजार या बाजारपेठ भी कौतुहल पैदा करता है। यह बाजार एक तरह से होल सेल मंडी था। यहां की दुकानों में धन-धान्य के प्रतिदर्श (सैंपल) रहते थे। सैंपल चयन करने के बाद उस सामग्री को दुर्ग से नीचे से खरीदा जाता था। बांई ओर 42 दुकानें और दाईं ओर 43 दुकानें थीं। कुल 85 दुकानें थीं। इन दुकानों में सभी प्रकार की सामग्री मिलती थी। दुकानों की ऊंचाई इतनी थी कि घुड़सवार घोड़े पर बैठे-बैठे खरीदारी कर सकता था। दुकान तीन हिस्से में थी।पहले हिस्से में दो चबूतरे, दूसरे में गोदाम और तीसरा हिस्सा रहने और खाना बनाने की लिए था।

रायगढ़ का राजदरबार हिन्दवी स्वराज्य के सामर्थ्य के दृश्य दिखाता है। एक विशाल द्वार से प्रवेश के बाद विस्तृत परिसर में राजदरबार फैला हुआ है। महाराज की शासन व्यवस्था में अष्टप्रधान यानी आठ प्रमुख मंत्री होते थे। दरबार को देखकर समझा जा सकता है कि सामने ऊंचे सिंहासन पर श्रीशिव छत्रपति विराजते होंगे और दोनों और मंत्रिगण एवं प्रशासन के प्रमुख अधिकारी बैठते होंगे।

सिंहासन का स्थान दो मंजिला था। यह दरबार खुला हुआ था। राजदरबार के पीछे सचिवालय है, जिसे छोटा दरबार भी कहते हैं। ज्यादातर समय यहीं से शिवाजी काम करते थे। बड़े दरबार लगभग 5-6 बार ही लगाया गया था। इसी सचिवालय में अभिलेखागार भी था। सचिवालय से लगा हुआ राजप्रसाद था। जहां शिवाजी महाराज और उनकी रानियों का आवास था।

रायगढ़ पर हमने पश्चिमी छोर पर स्थित हिरकणी बुर्ज देखा। यहाँ से नीचे बसे 'हिरकणी गाँव' को देखा जा सकता है। पाचाड स्थित पुण्यश्लोका जिजाऊ माँ साहेब के महल के अवशेष भी स्पष्ट देखे जा सकते हैं। इसके अलावा रायगढ़ पर हमने कुशावर्त तालाब, हत्ती तालाब, गंगासागर तालाब, वाघ दरवाजा, बारुदखाना, बारह टाकी, टकमक टोक, भवानी कडा, हनुमान टांकी, हत्थी ताल और नगारखाना भी देखा।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर विशेष

योगेश कुमार गोयल

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

भारत के लोकतंत्र की ताकत हैं जागरूक और सक्रिय मतदाता

मतदाता दिवस मनाए जाने का मुख्य कारण यही है कि लोगों को मतदान का महत्व बताते हुए जागरूक किया जाए ताकि वे अपने मताधिकार का इस्तेमाल करते हुए सही उम्मीदवार को चुन सकें। राष्ट्रीय मतदाता दिवस हमें स्मरण कराता है कि हर वोट मायने रखता है और चुनाव में एक-एक मत का योगदान बेहद महत्वपूर्ण है। प्रत्येक वोट देश के भविष्य को आकार देने में अहम भूमिका निभाता है। राष्ट्रीय मतदाता दिवस महज एक उत्सव नहीं है बल्कि एक संकल्प है, जो हमें लोकतंत्र की शक्ति और महत्व को समझने का अवसर प्रदान करता है। यह दिन लोकतंत्र के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को और गहराई से समझने तथा इसके महत्व को रेखांकित करने का मौका देता है। मतदान लोकतंत्र का आधार और एक ऐसा अधिकार है, जो देश के हर नागरिक को मिलता है। मतदान हमें अपनी आवाज उठाने और देश के भविष्य को आकार देने का अवसर प्रदान करता है।

ज देश के नागरिकों को उनके मताधिकार के महत्व के प्रति जागरूक करने और अधिक से अधिक लोगों को मतदान प्रक्रिया में भाग लेने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 25 जनवरी को 'राष्ट्रीय मतदाता दिवस' मनाया जाता है। यह दिवस भारत के निर्वाचन आयोग की स्थापना के उपलक्ष्य में मनाया जाता है, जिसकी स्थापना 25 जनवरी 1950 को हुई थी। विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत में मतदान को लेकर कम होते रुझान को देखते हुए 2011 में 'राष्ट्रीय मतदाता दिवस' मनाए जाने की शुरूआत हुई थी और इस वर्ष 'वोट जैसा कुछ नहीं, वोट जरूर डालेंगे हम' (Nothing like voting : I vote for sure) थीम के साथ 15वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया जा रहा है। इस थीम का उद्देश्य सभी नागरिकों को यह स्मरण कराना है कि लोकतंत्र तभी मजबूत होगा, जब हर व्यक्ति अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए मतदान करेगा। इस दिवस की शुरूआत करने के पीछे निर्वाचन आयोग का उद्देश्य यही था कि देशभर के सभी मतदान केंद्र वाले क्षेत्रों में प्रत्येक वर्ष उन सभी पात्र मतदाताओं की पहचान की जाए, जिनकी आयु एक जनवरी को 18 वर्ष हो चुकी है और ऐसे युवाओं को चुनाव प्रक्रिया में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया जाए।

मतदाता दिवस मनाए जाने का मुख्य कारण यही है कि लोगों को मतदान का महत्व बताते हुए जागरूक किया जाए ताकि वे अपने मताधिकार का इस्तेमाल करते हुए सही उम्मीदवार को चुन सकें। राष्ट्रीय मतदाता दिवस हमें स्मरण कराता है कि हर वोट मायने रखता है और चुनाव में एक-एक मत का योगदान बेहद महत्वपूर्ण है। प्रत्येक वोट देश के भविष्य को आकार देने में अहम भूमिका निभाता है। राष्ट्रीय मतदाता दिवस महज एक उत्सव नहीं है बल्कि एक संकल्प है, जो हमें लोकतंत्र की शक्ति और महत्व को समझने का अवसर प्रदान करता है। यह दिन लोकतंत्र के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को और गहराई से समझने तथा इसके महत्व को रेखांकित करने का मौका देता है। मतदान लोकतंत्र का आधार और एक ऐसा अधिकार है, जो देश के हर नागरिक को मिलता है। मतदान हमें अपनी आवाज उठाने और देश के भविष्य को आकार देने का अवसर प्रदान करता है।

मतदान केवल एक अधिकार नहीं है बल्कि प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी भी है। देश के प्रत्येक व्यक्ति का वोट राष्ट्र के निर्माण में भागीदार बनता है और देश के भावी भविष्य की नींव रखता है। इसलिए हर नागरिक का कर्तव्य है कि वह अपने मत का उपयोग अवश्य करे। मतदान लोकतंत्र की आत्मा है, जो न केवल सरकार चुनने का सशक्त लोकतांत्रिक माध्यम है बल्कि नागरिकों की अपेक्षाओं और आकांक्षाओं को प्रकट करने का भी एक सशक्त उपकरण है। दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र मतदान प्रक्रिया में अपने नागरिकों की सक्रिय भागीदारी पर ही निर्भर करता है। मताधिकार का उपयोग प्रत्येक नागरिक को न केवल अपने प्रतिनिधियों के चयन करने का अधिकार देता है बल्कि यह उनके विचारों और अपेक्षाओं को सामने लाने का भी माध्यम बनता है। 'हर वोट की भागीदारी' के महत्व को रेखांकित करता 2025 का राष्ट्रीय मतदाता दिवस का विषय स्पष्ट रूप से यही संदेश देता है कि मतदान प्रक्रिया में प्रत्येक नागरिक का योगदान लोकतंत्र को सुदृढ़ बनाता है। हमारे मत की शक्ति ही सरकारों को जवाबदेह बनाती है और देश को सही दिशा में आगे बढ़ने में मदद करती है।

भारत में पहले मतदाता की पात्रता आयु 21 वर्ष थी, जिसे 61वें संशोधन विधेयक के जरिये 1988 में घटाकर 18 वर्ष कर दिया गया था। उस संशोधन का परिणाम यह हुआ था कि वर्ष 1989 में संपन्न हुए 10वें आम चुनाव में 18 से 21 वर्ष के आयु वर्ग के लगभग साढ़े तीन करोड़ मतदाताओं ने पहली बार मतदान में हिस्सा लिया था। हालांकि उसके बावजूद योग्य युवा मतदाताओं द्वारा मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने की रफ्तार धीमी रहने के

कारण पिछले दो दशकों में उत्साहजनक परिणाम प्राप्त नहीं हुए। दरअसल मतदाता सूची में नाम दर्ज कराना अनिवार्य नहीं है बल्कि स्वैच्छिक गतिविधि है, यही कारण है कि चुनाव आयोग लोगों को मतदान के लिए केवल जागरूक कर सकता है, विवश नहीं।

इसीलिए 2011 में युवा मतदाताओं को चुनावी प्रक्रिया में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए राष्ट्रीय मतदाता दिवस की शुरूआत की गई। जहां तक देश में मतदान प्रक्रिया में सुधार की बात है तो निर्वाचन आयोग के 75 बरस के सफर में उसके कार्य की गुणवत्ता और स्तर में आमूलचूल बदलाव आया है। बैलेट पेपर से होने वाली मतदान की प्रक्रिया की जगह 2004 से मतदान की इलैक्ट्रॉनिक मशीनों पर आधारित प्रणाली शुरू की गई। छपी हुई मतदाता सूचियों का स्थान कम्प्यूटरीकृत फोटो-मतदाता सूचियों ने ले लिया है। मतदाताओं का सचित्र पहचान पत्र सभी नागरिकों को प्राप्त हो गया है। निर्वाचन आयोग के अनुसार, चुनावी डेटाबेस अभी 99.1 करोड़ है और गिनती जारी है तथा भारत के कुल मतदाताओं की संख्या अब 100 करोड़ के करीब पहुंचने वाली है। मतदाता सूची युवा और लैंगिक आधार पर भी अब संतुलित दिख रही है, जिसमें 18-29 आयु वर्ग के 21.7 करोड़ युवा मतदाता हैं और चुनावी लिंग अनुपात में 2024 में 948 से 6 अंकों की बढ़ोतरी हुई है, जो 2025 में यह 954 हो गई है।

हालांकि निर्वाचन आयोग की स्थापना को 75 वर्ष बीत जाने के बाद भी भारतझ में मतदान से जुड़ी कई प्रमुख चुनौतियां हैं, जिनमें निर्वाचन प्रक्रिया में धांधली, मतदान का कम प्रतिशत, मतदाताओं में जागरूकता का अभाव, वोट कार्ड होने के बावजूद मतदाता सूची में नाम नहीं होना इत्यादि प्रमुख हैं। अभी भी भारत में बड़ी संख्या में लोग मतदान नहीं करते, कई क्षेत्रों में तो मतदान प्रतिशत बहुत ही कम रहता है, जिससे लोकतंत्र का आधार कमजोर होता है। डिजिटल युग में प्रौद्योगिकी ने लोगों के जीवन को गहराई से प्रभावित किया है और इस तकनीकी युग में तकनीकी साधनों का उपयोग करके अधिकाधिक लोगों को जागरूक करने के लिए व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया जाना बेहद जरूरी है। ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया को सरल बनाना, मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से जानकारी प्रदान करना और सोशल मीडिया पर अभियान चलाना इस दिशा में कुछ महत्वपूर्ण कदम हो सकते हैं।

भारत जैसे विशाल और बड़ी आबादी वाले देश में चुनाव संपन्न कराना अत्यंत चुनौतीपूर्ण कार्य है। चुनाव आयोग पर धन-बल तथा बाहुबल से निपटते हुए स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव कराने की बहुत बड़ी जिम्मेदारी होती है लेकिन पिछले कुछ वर्षों से चुनाव आयोग की भूमिका पर भी बार-बार सवाल उठ रहे हैं। चुनावों के दौरान आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन और अन्य गड़बड़ियों की निष्पक्ष जांच के अभाव में आयोग की साख पर सवाल उठे हैं। कुछ मामलों में कार्रवाई की धीमी गति और पक्षपात के आरोप लगे हैं। चुनाव आयोग चूंकि भारतीय लोकतंत्र की रीढ़ है, इसलिए उसकी निष्पक्षता और कार्यकुशलता लोकतंत्र की सफलता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। लोकतंत्र में चुनाव आयोग का सशक्त और निष्पक्ष होना न केवल चुनाव प्रक्रिया की विश्वसनीयता सुनिश्चित करता है बल्कि यह देश के नागरिकों के विश्वास को भी बनाए रखता है। इसलिए यह अत्यंत आवश्यक है कि चुनाव आयोग अपनी साख को मजबूत करते हुए स्वतंत्रता और निष्पक्षता के मूल सिद्धांतों पर और अधिक दृढ़ता से खड़ा हो ताकि खासकर युवा मतदाताओं का भरोसा चुनावी प्रक्रिया में रत्तीभर भी कम न होने पाए।

दृष्टिकोण

अनिल त्रिवेदी

लेखक अधिवक्ता हैं।

भीड़ भरी दुनिया में अकेलेपन की भीड़

आ ठ अरब मनुष्यों की दुनिया को भीड़ भरी दुनिया की संज्ञा दी जावे तो कोई अतिशयोक्ति नहीं मानी जावेगी। पर आज की भीड़ भरी दुनिया में मनुष्यों के मन में अकेलेपन का अहसास दिन दूना रात चौगुना बढ़ रहा है यह एक नयी बात है। भीड़ और अकेलापन दोनों एक-दूसरे से विरोधाभासी शब्द है। भीड़ याने मनुष्यों की एक ही जगह बहुत बड़ी संख्या और अकेलापन याने मनुष्यों के मन में किसी अन्य मनुष्य के सानिध्य या विचार का पूरा अभाव। मनुष्य भीड़ से ज्यादा अकेलेपन से डरता है। भीड़ तो कई तरह से मनुष्य के हौंसले को ताकत देती महसूस होती है पर अकेलापन न घर में रहने देता है न भीड़ में जाने का उत्साह देता है। अकेलापन और भीड़ दोनों ही मनुष्य मन की मनःस्थिति को उजागर करती है। कोई मनुष्य भीड़ में भी अकेला महसूस कर सकता है और अकेले ही भीड़भाड़ का आनंद भी ले सकता है।ये दोनों मनःस्थिति पूरी तरह से मानव मन के खेल है।इन दिनों छोटे ,बड़े मझोले और महानगरों में रहवासी मकानों की अंतहीन भीड़ बाहर से हर कहीं दिखाई देती है पर मकानों की भीड़ के अंदर झांकने पर ढेर सारे अकेलेपन का अहसास लिए मनुष्यों से साक्षात्कार होता है।हमारा व्यक्तित्व और कार्यशैली भी तय करती है कि हम कैसे रहना या जीवन जीना चाहते हैं। हमारी आजीविका भी तय करती है कि हम कैसे और क्या कार्य करना चाहते हैं?जब हम खरीद फरोक्त का व्यापार व्यवसाय करने वाले होते हैं तो हमारी मनोकामना यह होती है कि हमारी दुकान पर हर समय भीड़ भाड़ हो और व्यापारिक चहल-पहल भी बनी रहे। यदि हमारे पास लिखने पढ़ने का कार्य है या हम चित्रकार है या और कोई अन्य कारीगरी का काम करते हैं तो कार्यस्थल पर भीड़ भाड़ न हो हमें अकेले ही कार्य करने में मज़ा आता है। पर जब हम अपनी चित्रकारी की प्रदर्शनी लगायेंगे या उत्पादित वस्तुओं को विक्रय करने हेतु हाट बाजार या प्रदर्शित स्टाल पर रखते हैं तो हमारी मनोकामना यह होती है कि इतनी भीड़ हमारे स्टाल पर हो की रखीं गई सभी वस्तुएं बिक जावे। इस दृष्टि से देखे या सोचें तो भीड़ भाड़ और अकेलापन हमारे मन का सापेक्ष भाव है।जब हमारी मानसिक, सामाजिक , राजनैतिक, धार्मिक या व्यावसायिक आवश्यकता होती है तो हम भीड़भाड़ न केवल पसंद करते हैं वरन् भीड़भाड़ चहल-पहल हमारे जीवन की अनिवार्य आवश्यकता की तरह ही होती है।

मनुष्य अपने जीवन काल में केवल उन्हीं लोगों को याद कर सकता है जो उसके घर परिवार,पास पडौस,जान पहचान के हो। मनुष्य को याद भी उन्हीं लोगों की आती

है जिनसे पूर्व में कभी न कभी सम्पर्क हुआ हो या जिन्हें मनुष्य किसी न किसी रूप में जानता, मानता या पहचानता हो भले ही ऐसे मनुष्य से पूर्व में प्रत्यक्ष मिलना जुलना नहीं भी हुआ हो पर फिर भी स्मरण मात्र से याद आ सकता है। अपने अपने जीवन में प्रत्येक मनुष्य अनगिनत मनुष्यों से मिलता या उन्हें देखता है पर फिर भी उनका हर समय स्मरण नहीं हो सकता। हजारों लाखों लोग की भीड़ में यदि हमारा कोई एक परिचित शामिल हैं तो दिखाई देते ही हम उसे पहचान लेते हैं। बाकी अपरिचित लोग हमें दिखाई तो देते हैं पर हम न तो हम उन्हें पहचानते हैं और नहीं व्यक्तिशः जानते हैं।

अकेलापन महसूस ही तब होता है जब हमारे परिचित या परिजनों से हम दूर हो। यदि हमारे विचार से अलहदा हमारे परिजनों के विचार हो और हम अपने विचारों को परिजनों और परिचितों को समझा नहीं पा रहे हो तो हमारे मन में वैचारिक अकेलेपन का अहसास एकदम से आ जाता है। विचार विमर्श से आपस में वैचारिक अकेलेपन का भाव अपने आप दूर होकर मनुष्य समाज अपने आप को विचारों से जुड़ाव महसूस करता है।अबोलेपन से भी मनुष्य को अकेलेपन की अनुभूति होती है। हर मनुष्य का अपना एक दायरा होता है, इसी तरह से प्रत्येक मनुष्य का अपने जीवन जीने का एक अनोखा अंदाज भी होता है।हम अनजाने लोगों से भी भले ही मिलकर सहजीवन न कर सके पर निगाह मिलने या आमने-सामने आ गए तो अपने चेहरे पर आत्मीयता के भाव लाकर कोई सम्पर्क न होते हुए भी एक शब्द या मुस्कुराहट से अभिवादन का आदान-प्रदान अपने आप करने का क्षणिक स्वस्फूर्त भावना को व्यक्त करने में अपने आप से भी झिझकते या पूछते नहीं है। अकेलापन आठ अरब लोगों की भीड़ में अपने जीवन को इतना संकीर्ण मानसिकता में परिवर्तित करना है कि हम अपने पूर्व परिचित मनुष्यों या विचारों तक ही जीवन को सीमित रखकर जीना सीख गये हैं। अपने आप में सीमित रह कर अपने विचार, व्यवहार और स्वभाव को नित नये विचार, व्यवहार और स्वभाव से तालमेल नहीं बैठा पाना अकेलापन महसूस करने की दिशा में निरंतर बढ़ते रहना है।आठ अरब मनुष्यों के विचार, व्यक्तित्व और कृतित्व, एवं व्यवहार का विस्तार अनंत और सनातन है! एक मनुष्य अनन्त काल तक भी आठ अरब मनुष्यों के लोकसागर में गोताखोरी करता रहे तो भी उसके मन में अकेलेपन का अहसास आ ही नहीं सकता! अकेलापन और भीड़ मनुष्य की देखने समझने की दृष्टि से अधिक कुछ नहीं है।

दुष्कर्म मामले में पुलिसकर्मी बरी

बैतूल। दुष्कर्म के मामले में न्यायालय ने एक अहम फैसला देते हुए आरोपी को बरी कर दिया है। जानकारी के अनुसार भैंसदेही थाने में आरोपी फूलचंद वल्द रज्जी अखंडे (घटना के समय इटारसी पुलिस में पदस्थ पुलिसकर्मी) निवासी ग्राम उती तहसील भैंसदेही जिला बैतूल के विरुद्ध भा.द.सा. की धारा 376, 506 के तहत अपराध क्रमांक 215/23 के अंतर्गत प्रकरण दायर कर न्यायालय में पेश किया था। आरोपी पर आरोप था कि उसने पीडिता से दोस्ती कर उससे शादी करने का लालच देकर उसके साथ कई बार शारीरिक संबंध बनाए थे। अभियोजन ने आरोप सिद्ध करने के लिए पीडिता, पीडिता के माता पिता, आरक्षक नरेंद्र डोखे, उपनिरीक्षक प्रीति पाटिल, पटवारी प्रतिमा राठौर, उपनिरीक्षक मोनिका पटले, डॉ ईशा डेनियल, उपनिरीक्षक सुमन मिश्रा के कथन करवाए थे। माननीय जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश भैंसदेही ने लगाए आरोपों को सही ना पाते हुए आरोपी को पूरी तरह दोष मुक्त किया। आरोपी की ओर से पैरवी वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत गर्ग, सजल गर्ग, महेन्द्र गिरी, भीमराज बेले, राघवेंद्र रघुवंशी, सूरतराम धुर्वे एवं योगेश धाडसे ने की।

शनि मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा को लेकर तैयारियों जोरों पर

भगवान के नगर भ्रमण के साथ प्रारंभ होगी मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा

बैतूल। श्री शिवशक्ति हनुमान शनिदेव मंदिर गंज में मंदिर समिति की मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर तैयारियां जोरों पर है। इस संबंध में समिति अध्यक्ष विवेक भार्गव ने बताया कि प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम 1 फरवरी से 3 फरवरी तक चलेंगे। सचिव मनोज मेहता ने बताया कि राम दरबार, शिवपरिवार, शनिदेव और परसुराम जी की भव्य मूर्ति बनकर तैयार हो चुकी है। कोषाध्यक्ष रम्मु नल्होल ने बताया कि 1 फरवरी को भगवान का नगर नगर भ्रमण भव्य शोभायात्रा प्रात- 11 बजे से, अन्नाधिवास, 2 फरवरी को जलाधिवास, फलाधिवास, पुष्पाधिवास, 3 फरवरी को मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा प्रात- 4 बजे, हवन पूर्णाहूती, महाआरती, दोपहर 1 बजे से शाम 5 बजे क महाप्रसादी विशाल भंडारे के साथ आयोजन संपन्न होगा। समिति ने सभी से सहयोग और उपस्थित होने का आग्रह किया है।

साइकिल मिलने से बच्चों की राह हुई आसान

शासकीय हाई स्कूल इटावा में नई साइकिल वितरण कार्यक्रम संपन्न

बैतूल। शासकीय हाई स्कूल इटावा में साइकिल वितरण कार्यक्रम के दौरान बच्चों के चेहरों पर खुशी साफ झलकी। लंबे समय से पैदल स्कूल जाने की समस्या से जूझ रहे बच्चों को अब राहत मिली है। जिला पंचायत सदस्य श्रीमती उर्मिला गव्हाड़े ने बच्चों को मेहनत से पढ़ाई करने और क्षेत्र का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। साइकिल पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे। साइकिल वितरण सरकार की योजना के तहत उन बच्चों के लिए किया गया, जो माजरी, तेलिया, पिपरिया और मंदिरढाना जैसे दूरदराज के गांवों से पढने आते हैं। इन गांवों की स्कूल से दूरी चार-पांच

किलोमीटर है, और परिवहन साधनों की कमी के कारण बच्चों को स्कूल पहुंचने में काफी परेशानी होती थी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्रीमती उर्मिला गव्हाड़े के साथ जनपद सदस्य श्रीमती प्रीति उईके, ग्राम पंचायत इटावा की सरपंच श्यामवती बाई और ग्राम पंचायत चिखलीमाल की सरपंच श्रीमती रश्मि बेले उपस्थित रहीं। इनके अलावा समाजसेवी रमेश गव्हाड़े और दीपक बेले, स्कूल के प्राचार्य कृष्णा पंद्राम, शिक्षक जगदीश ठाकरे, पलक विश्वकर्मा, अर्चना झोड़, बुधराव साहू और संदीप साहू सहित बच्चे और अन्य ग्रामीण भी मौजूद रहे। इस अवसर पर श्रीमती उर्मिला गव्हाड़े ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि साइकिल मिलने से बच्चों को अब स्कूल आने-जाने में कोई दिक्कत नहीं होगी। बच्चे समय पर स्कूल आ सकेंगे और अपनी पढ़ाई में सुधार कर पाएंगे। जनप्रतिनिधियों ने भी बच्चों को प्रेरित किया और उन्हें पढ़ाई के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम में बच्चों के लिए साइकिल वितरण के साथ-साथ मार्गदर्शन भी दिया गया। आयोजन के अंत में सभी अतिथियों ने बच्चों को शिक्षा के महत्व को समझाते हुए उन्हें मेहनत से पढ़ाई करने के लिए प्रोत्साहित किया।

ऊपर से ट्रेन गुजर जाने के बाद भी 75 वर्षीय वृद्ध सुरक्षित

बैतूल/ मुलताई। कहते हैं जाको राखे साइयां मार सके ना कोय, यह कहावत आज मुलताई रेलवे स्टेशन पर जब चरितार्थ होते दिखाई दी जब 75 वर्षीय बुजुर्ग पर से पूरी मालगाड़ी गुजर गई किंतु वृद्ध को कुछ नहीं हुआ। नागपुर भोपाल अप ट्रेक से माल गाड़ी बुजुर्ग के ऊपर से गुजरने के बाद रेलवे कर्मचारियों ने वृद्ध को रेलवे ट्रैक से उठाकर डायल हंड्रेड पुलिस के हवाले किया। घटना के संबंध में प्राप्त

जानकारी के अनुसार गुरुवार देर शाम रेलवे स्टेशन मुलताई पर आश्चर्यचकित कर देने वाली घटना सामने आई है जिसे सुन कर सब हैरान रह गए बताते हैं कि सावंगी निवासी 75 वर्षीय एक बुजुर्ग संतोष हारले ट्रेन की पटरी पर जाकर लेट गया प्रत्यक्षदर्शी कुछ समझ पाते इससे पहले नागपुर भोपाल अब ट्रैक पर आती मालगाड़ी उक्त वृद्ध के ऊपर से गुजर गई लेकिन लोगों के आश्चर्य का उस वक्त ठिकाना नहीं रहा जब पूरी की पूरी ट्रेन ऊपर से गुजर जाने के बाद भी वृद्ध की जान बच गई। हालांकि इस दौरान उन्हें हल्की चोट जरूर आई। हादसे की जानकारी लगते ही तत्काल रेलवे के अधिकारी मौके पर पहुंचे और उन्होंने बुजुर्ग को समझा बुझा कर पटरी से बाहर लाए और डायल 100 पर पुलिस को सूचना देकर बुलाया, जिसके बाद बुजुर्ग को पुलिस के हवाले कर दिया गया। बुजुर्ग ने बताया कि वह उसके घर के लोगों से परेशान था । गांव से मुलताई पहुंचा था।

साईखेड़ा बीसनुर एवं परमंडल जोड़ से मुलताई मार्ग का ठेका निरस्त

300 लाख की लागत से बनना था मार्ग, लोक निर्माण विभाग फिर से करेगा निविदा आमंत्रित

बैतूल/मुलताई। मुलताई लोक निर्माण विभाग अब एक्टिव मोड में नजर आ रहा है बीरूल मार्ग के बाद मूलताई नगर के मध्य से गुजरने वाले परमंडल जोड़ से मुलताई 1 किलोमीटर मजबूती निर्माण मार्ग एवं साईखेड़ा बीसनुर मार्ग निर्माण का ठेका निरस्त कर दिया गया है। उक्त दोनों मार्ग का 300 लाख रुपए का ठेका राही कंस्ट्रक्शन नागपुर को 22/2/2024 को दिया गया था। ठेकेदार को ठेका नियमों का पालन करते हुए उक्त दोनों कार्य को चार माह के समय अवधि में पूर्ण करना था। लोक निर्माण उपयंत्री ड़ी आर करमकर में बताया कि विभाग द्वारा ठेकेदार को बार-बार नोटिस जारी करने एवं बढ़ाई गई समय अवधि के बाद भी ठेकेदार द्वारा दोनों मार्ग का कार्य नहीं कराया गया जिस पर प्रीति पटेल कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग बैतूल द्वारा राही कंस्ट्रक्शन नागपुर का ठेका निरस्त कर दिया है लोक निर्माण विभाग अब नई निविदा आमंत्रित कर इन मार्गों का निर्माण कार्य पूर्ण कराएगा ठेकेदार की अमानत राशि राजसात की कार्रवाई की जाएगी।

नगर के मध्य से गुजरने वाले मार्ग कचौड़ीकरण फिर अधर में- मुलताई नगर के मध्य से गुजरने वाला प्रमंडल जोड़ से बस स्टैंड की ओर मार्ग नगर वासियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण मार्ग है ।बैतूल प्रमंडल जोड़ के मुलताई की ओर जहां से यह मार्ग चौड़ीकरण कीया जाना था मार्ग कम चौड़ा होने से यहां आए दिन दुर्घटनाएं होती है जिसे देखते हुए लोक निर्माण विभाग ने मूलताई परमंडल जोड से मुलताई की ओर 1 किलोमीटर मजबूती कार्य लागत 150 लाख रुपए का ठेका राही कंस्ट्रक्शन को दिया था जिसके अंतर्गत मार्ग का चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण करण 1 किलोमीटर में डामरीकरण किया जाना था। ठेकेदार द्वारा किए गए अनुबंध के अनुसार यह 21/ 6/ 2024 तक पूर्ण किया जाना था किंतु मामूली सरकार करके ठेकेदार गायब हो गया। अब लोक निर्माण विभाग ने कार्रवाई करते हुए ठेका नहीं रस की कार्रवाई तो कर दी है किंतु नगर वासियों के लिए महत्वपूर्ण बात यह है कि इस मार्ग के तत्काल नए टेंडर कॉल करके निर्माण कार्य प्रारंभ करना चाहिए ताकि नगर वासियों को आए दिन होने वाली दुर्घटनाओं से निजात मिल सके।

बीसनुर मार्ग का कार्य प्रारंभ नहीं कर पाया ठेकेदार- लोक निर्माण विभाग ने एक जैसे प्रकृति के इन दो मार्गों के टेंडर एक साथ जारी किए थे जिसमें समय अवधि और टेंडर की लागत एक जैसी थी किंतु यहां पर भी रही कंस्ट्रक्शन नागपुर द्वारा कार्य प्रारंभ ही नहीं किया गया और लोक निर्माण विभाग 1 वर्षों तक ठेकेदार का इंतजार करता रहा। लोक निर्माण विभाग ने मजबूती कार्य निर्माण योजना के अंतर्गत ठेकेदार को साइखेड़ा से बिसनुर लागत 150 लाख लंबाई 1 किलोमीटर का ठेका दिया था जिसमें ठेकेदार को आधा किलोमीटर कंक्रीट कार्य एवं आधा किलोमीटर में डांडिकरण करना था किंतु ठेकेदार ने अब तक कार्य प्रारंभ नहीं किया और अब ठेका निरस्त की कार्रवाई की गई है।

सख्त हुआ लोक निर्माण विभाग- लोक निर्माण विभाग में मुलताई से बीरूल, साईखेड़ा से बिसनुर एवं परमंडल से मुलताई मार्ग के ठेकेदारों का ठेका निरस्त कर या संदेश तो दे दिया है कि कार्य में लेट लगती थी विभाग बर्दाश्त नहीं करेगा किंतु नागरिकों का कहना है कि लोक निर्माण विभाग ने तत्काल इनके पुनः निविदा आमंत्रित करके शीघ्र कार्य प्रारंभ कराया जाना चाहिए और इसके साथ ही इन थे का कार्यों में हुए नुकसान की भरपाई निरस्त किए गए ठेके के ठेकेदारों से की जानी चाहिए।

इनका कहना

राही कंस्ट्रक्शन नागपुर का 300 लाख रुपए का ठेका साईखेड़ा बीसनुर मार्ग निर्माण एवं परमंडल से मुलताई निरस्त कर दिया गया है शीघ्र ही लोक निर्माण विभाग नई निविदायक आमंत्रित कर उक्त दोनों मार्ग के निर्माण कार्य पूर्ण कराएगा।

- डी आर करमकर
उपयंत्री लोक निर्माण विभाग मुलताई

संयुक्त मोर्चा ने सरकार को याद दिलाए घोषणा-पत्र के वादे

पुरानी पेंशन बहाली से लेकर पदोन्नति तक, 46 मांगों पर विधायक ने दिया आश्वासन

बैतूल। मध्यप्रदेश अधिकारी कर्मचारी संयुक्त मोर्चा जिला शाखा बैतूल ने कर्मचारियों की 46 सूत्रीय लंबित मांगों के निराकरण हेतु प्रदेशव्यापी आंदोलन के द्वितीय चरण में आमला विधायक योगेश पंडाग्रे को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में राज्य सरकार को पार्टी घोषणा-पत्र की याद दिलाते हुए कर्मचारियों को न्याय दिलाने की अपील की गई है। इस अवसर पर मोर्चा के महामंत्री कमलेश चौहान ने बताया कि विधायक ने ज्ञापन की मांगों को गंभीरता से लिया और आश्वासन दिया कि वे इस ज्ञापन को अपनी अनुशंसा के साथ मुख्यमंत्री को प्रेषित करेंगे। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की लंबे समय से लंबित न्यायोचित मांगों को पूरा करने का हरसंभव प्रयास किया जाएगा। ज्ञापन सौंपने के दौरान संयुक्त मोर्चा के अध्यक्ष अनिल कापसे, कार्यकारी अध्यक्ष नारायण सिंह नगदे, लिपिक संघ अध्यक्ष कमलेश चौहान, तृतीय वर्ग अध्यक्ष मनीष उदासी, राज्य कर्मचारी संघ अध्यक्ष सचिन राय, वन कर्मचारी संघ अध्यक्ष फिरोज अहमद, पुरानी पेंशन बहाली संघ अध्यक्ष रवि सरनेकर, मध्यप्रदेश शिक्षक संघ अध्यक्ष गोकुल झरबड़े, आदर्श शिक्षक संघ अध्यक्ष राजेन्द्र कटारे, पशु चिकित्सा सहायक संघ अध्यक्ष मुन्नालाल चिल्हाटे सहित अन्य संगठनों के पदाधिकारी और कर्मचारी साथी उपस्थित रहे। ज्ञापन में कई महत्वपूर्ण मुद्दे शामिल किए गए हैं, जिनमें वर्ष 2016 से बंद पड़ी पदोन्नति प्रक्रिया को पुन- शुरू करने, गृह भाड़ा भत्ता, वाहन भत्ता और अन्य भत्तों का पुनरीक्षण, नई पेंशन प्रणाली को समाप्त कर पुरानी पेंशन व्यवस्था लागू करने जैसी मांगें शामिल हैं। इसके अलावा, सहायक ग्रेड-3 का ग्रेड-पे 2400 करने, जुलाई 2024 से देय 3 प्रतिशत महंगाई भत्ते के एरियर का भुगतान, सभी विभागों में सेवा निवृत्ति की आयु में समानता लाने और कर्मचारियों के लिए स्वास्थ्य बीमा योजना लागू करने की मांगें भी रखी गई हैं। साथ ही, आदेशिका वाहकों को पेट्रोल भत्ता, संविदा कर्मचारियों का नियमितीकरण, सहायक शिक्षकों को तृतीय क्रमोन्नति के स्थान पर समयमान वेतनमान देने और सभी कर्मचारियों को केंद्र के अनुरूप वेतनमान देने जैसे कई अन्य मुद्दों को भी ज्ञापन में शामिल किया गया है। मांग-पत्र में यह भी कहा गया है कि टैक्सी प्रथा को बंद कर रिक्त पदों पर तत्काल भर्ती प्रक्रिया शुरू की जाए और निगम, मंडल, विश्वविद्यालयों तथा सहकारी बैंकों में कार्यरत संविदा कर्मचारियों को नियमित पदों पर नियुक्ति दी जाए।

आंदोलन जारी रखने की तैयारी

मध्यप्रदेश अधिकारी कर्मचारी संयुक्त मोर्चा ने चेतावनी दी है कि अगर सरकार जल्द से जल्द इन मांगों को पूरा नहीं करती है, तो आंदोलन को और व्यापक रूप से चलाया जाएगा। इस आंदोलन में कर्मचारियों और अधिकारियों ने एकजुट होकर अपनी लंबित समस्याओं को उठाया और उनके समाधान की मांग की। विधायक योगेश पंडाग्रे ने ज्ञापन को मुख्यमंत्री तक पहुंचाने का आश्वासन देकर इस संघर्ष में सकारात्मक कदम उठाने का भरोसा दिया है।

हल्दी-कुमकुम में पौधों की भेंट के साथ दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

समाजसेवी दीपाली निलय डागा ने समाज के प्रयासों की सराहना की

बैतूल। साहू समाज समिति, सदर बाजार बैतूल के तत्वाधान में श्री पद्म शेषनागदेवता मंदिर परिसर में हल्दी-कुमकुम कार्यक्रम भव्य रूप से संपन्न हुआ। इस ऐतिहासिक आयोजन में 300 से अधिक मातृशक्ति ने भाग लेकर समाज को एकजुटता और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। महिलाओं ने सुहाग सामग्री और पौधों का आदान-प्रदान करते हुए सौभाग्य का आशीर्वाद लिया। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और प्रसाद वितरण ने आयोजन को और भी खास बना दिया। यह कार्यक्रम 21 जनवरी को दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित किया गया। इस दौरान 300 से अधिक मातृशक्ति ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान गणेश, शिव शंकर, पार्वती माता और पद्म शेषनागदेवता के पूजन के साथ हुआ। इसके बाद साहू समाज की सभी मातृशक्ति का स्वागत और अभिनंदन किया गया। महिलाओं ने एक-दूसरे को सुहाग की सामग्री भेंट की और पौधे देकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। सौभाग्य का आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि पार्वती बारसकर, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद बैतूल और विशेष अतिथि दीपाली निलय डागा उपस्थित रहीं। पार्वती बारस्कर ने अपने उद्बोधन में साहू समाज के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज को एकजुटता का संदेश देते हैं। दीपाली निलय डागा ने भी समाज के प्रयासों की तारीफ की और ऐसे आयोजनों को समाज के विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम में रश्मि साहू, पदमा साहू, वंदना कुंभारे, मीना बोरबन सहित अन्य अतिथिगण उपस्थित रहीं। सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत महिलाओं ने गीत-संगीत प्रस्तुत किए, जिसके बाद प्रसाद वितरण किया गया।

मरीज के अटेंडर ने गार्ड को पीटा, ट्रामा सेंटर के मुख्य गेट पर तोडे कांच

बैतूल। जिला अस्पताल के ट्रामा सेंटर में मरीज के साथ आए अटेंडर ने गार्ड के साथ मारपीट की और गेट का कांच तोड दिया। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को हिरासत में ले लिया। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार ट्रामा सेंटर में गुरुवार रात करीब 3 बजे एक मरीज के अटेंडर ने शराब के नशे में गार्ड के साथ मारपीट की। ट्रामा सेंटर के मुख्य गेट पर लगे कांच में तोडफोड भी की। घटना की सूचना पुलिस को दी। रात में ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। बताया जा रहा है कि ट्रामा सेंटर में भर्ती मरीज के साथ आए परिजन शराब के नशे में धुत्त था। अस्पताल के लिफ्ट के पास शौच करने लगा था। गार्ड ने जब उसे ऐसा करने से रोका तो उसने गार्ड से ही अभद्रता करना शुरू कर दिया। गार्ड के साथ मारपीट करने के साथ गेट के कांच भी तोड दिए। काफी देर तक हंगामा चलते रहा। वहां पर मौजूद लोगों ने बीच बचाव कर मामले को शांत किया। पुलिस ने अस्पताल में तोडफोड करने वाले आदित्य को हिरासत में ले लिया है। कोतवाली थाना प्रभारी रविकांत डेहरिया ने बताया कि युवक से विवाद के साथ संबंध में पूछताछ की जा रही है। अभी अस्पताल प्रशासन या गार्ड की तरफ से कोई लिखित शिकायत नहीं आई है। शिकायत आने पर संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

राष्ट्रीय बालिका दिवस पर महिला सशक्तिकरण का दिया संदेश

नेहरू युवा केन्द्र में कार्यक्रम का आयोजन, रंगोली, नृत्य प्रतियोगिता में बालिकाओं ने की सहभागिता

बैतूल। राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर प्रदीपन संस्था द्वारा शुक्रवार को महिला एवं बाल विकास विभाग के समन्वय से नेहरू युवा केन्द्र में कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के छायाचित्र समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस दौरान रंगोली नृत्य चित्रकला सहित अन्य प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें बालिकाओं ने सहभागिता की। कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री गौतम अधिकारी, समाजसेवी मीरा एंथोनी, नेहरू युवा समन्वयक धनजंय ठाकूर, प्रत्याशा फाउंडेशन तूलिका पंचोरी, गौरी बालापुरे, जन साहस संस्था, आवाज संस्था सामाजिक कार्यकर्ता हेमा सिंह, आंगनबाड़ी सुपरवाइजर, आगनवाड़ी कार्यकर्ता सहित 150 किशोरी बालिका शामिल थी। संस्था डायरेक्टर रेखा गुजरे द्वारा राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाए जाने के उद्देश्य पर विस्तार जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बालिका दिवस मनाया जाने का उद्देश्य बालिका सशक्तिकरण और उनके विकास पर चर्चा करना है। इस अवसर पर न्यायाधीश रितु

प्रजापति द्वारा महिला और बालिकाओं के अधिकारों के बारे में विस्तार से बताया गया। उन्होंने बालिकाओं की शिक्षा को वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताया। उन्होंने शारीरिक शिक्षा के महत्व पर विशेष जोर दिया और महिला सशक्तिकरण की दिशा में ठोस कदम उठाने की बात कही। विधिक सेवा सलाहकार सोमनाथ राय द्वारा विधिक सेवा की योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी गौतम अधिकारी ने बालिकाओं को बाल संरक्षण, महिला एवं बाल विकास से संचालित योजनाओं की जानकारी दी।

विजेता प्रतिभागियों को किया पुरस्कृत- कार्यक्रम के दौरान रंगोली प्रतियोगिता, चित्रकला, मेहंदी, गीत, एकल नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में बालिकाओं ने सहभागिता की। रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर वैष्णवी पवार, द्वितीय स्थान पायल सोलंकी, तृतीय एंजेल सोनकर रही। चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर पायल सोलंकी, द्वितीय स्थान उमा सोनी एवं तृतीय स्थान पर एंजेल रही। इसी प्रकार डांस प्रतियोगिता में प्रथम अदिति पटेल, द्वितीय आर्ची गुजरे रही। मेहंदी में प्रथम स्थान हुमेरा अंजुम, द्वितीय नेहा तायवाड़े एवं तृतीय स्थान पर मुबशिरा नाज रही। प्रतिभागी बालिकाओं को प्रदीपन संस्था और महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती चारू वर्मा एवं दीपमाला खातरकर ने किया एवं आभार संस्था सचिव श्रीमती रेखा गुजरे ने व्यक्त किया।

कर्मचारियों ने सात सूत्रीय मांगों को लेकर किया प्रदर्शन, कांग्रेस ने दिया समर्थन

बैतूल। जिले के अनियमित चतुर्थ श्रेणी दैनिक वेतन भोगी और अंशकालीन कर्मचारियों ने अपनी सात सूत्रीय मांगों को लेकर मध्यप्रदेश कर्मचारी मंच के बैनर तले उद्योग कार्यालय के सामने शुक्रवार 24 जनवरी को भी धरना प्रदर्शन जारी रखा। धरना स्थल पर कांग्रेस कमेटी के जिला अध्यक्ष हेमंत वागद्रे पहुंचे और प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों की मांगों का समर्थन करते हुए इसे पूरी तरह जायज बताया। मध्यप्रदेश कर्मचारी मंच के जिला अध्यक्ष प्रमोद बरडे ने बताया कि मंच लंबे समय से अनियमित कर्मचारियों की मांगों को ज्ञापन के माध्यम से शासन तक पहुंचा रहा है, लेकिन आज तक इन मांगों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। धरने के दौरान हेमंत वागद्रे ने अपने उद्बोधन में कहा कि जिले में जनजातीय कार्य विभाग के स्कूलों, छात्रावासों और आश्रमों में कार्यरत अंशकालीन

चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को दैनिक वेतन भोगी का दर्जा दिया जाना चाहिए। उन्होंने शासन प्रशासन से मांग की कि इन कर्मचारियों के लिए शीघ्र आदेश जारी किए जाएं।

कर्मचारी मंच की यह है प्रमुख मांगे

कर्मचारियों की अन्य मांगों में शामिल है 2007 के बाद नियुक्त दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को स्थाईकर्मी का लाभ दिया जाए। आयुष विभाग में कार्यरत अंशकालीन कर्मचारियों को कलेक्टर दर पर वेतन दिया जाए। शाहपुर विकासखंड के एकलव्य आवासीय छात्रावास में वर्षों से कार्यरत रसोइयों को दैनिक वेतन भोगी का नियुक्ति आदेश शीघ्र प्रदान किया जाए। कर्मचारियों ने मांग की कि दैनिक वेतन भोगियों और अंशकालीन कर्मचारियों को एक ही हेड से वेतन भुगतान किया जाए और अलग-अलग हेड की व्यवस्था समाप्त की जाए। नगर पालिका और नगर परिषद में कार्यरत कर्मचारियों को स्थाईकर्मी का लाभ दिया जाए और सफाई कर्मचारियों को न्यूनतम वेतन का भुगतान हो।

उन्होंने यह भी कहा कि अनियमित कर्मचारियों को नियमित कर्मचारियों की तरह अवकाश सुविधा मिलनी चाहिए। सेवा निवृत्त होने पर दस लाख रुपये की ग्रेच्युटी और मृत्यु पर दस लाख रुपये की सरकारी सहायता दी जानी चाहिए। धरना स्थल पर प्रमुख रूप से हेमंत वागद्रे, प्रमोद बरडे, कर्मचारी संगठन के सदस्य और बड़ी संख्या में अनियमित कर्मचारी उपस्थित रहे। कर्मचारियों ने अपनी मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी है।

बड़े अतिक्रमणकारियों पर सख्त कार्यवाही हो: अखिलेश खंडेलवाल

नर्मदापुरम। आज नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती नीतू यादव को पत्र देकर नगरपालिका परिषद की भूमि पर अतिक्रमण कर व्यवसाय करने वालों पर कार्यवाही की मांग करते हुए भाजपा झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक अखिलेश खंडेलवाल ने कहा कि नगर पालिका की नगर के इब्राहिम चौक स्थित बेशकीमती भूमि शीट नम्बर 43 प्लॉट न. 15/1 पर काबिज अतिक्रमण को हटाया जाए ,इस भूमि पर स्कूल,कॉलेज,व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स निर्माण कर अवैध रूप से अर्थोपार्जन किया जा रहा है।पूर्व में जिला प्रशासन के सर्वे में यह अतिक्रमण सिद्ध हो चुका है,अतिक्रमण कारियों द्वारा कूट रचना कर उक्त भूमि का पट्टा लेने का प्रयास आवेदन देकर किया था जो नजूल अधिकारी ने निरस्त कर दिया है। नगर पालिका अध्यक्ष को दिए पत्र में उक्त भूमि को खाली कराने का निवेदन किया है। उक्त अवसर पर नपा पूर्व पार्षद महेंद्र यादव पंकज पांडे,भाजपा नेता हंस राय उपस्थित रहे।

भोपाल सहित पूरे कंपनी कार्यक्षेत्र में अब तक 94 हजार से अधिक स्मार्ट मीटर स्थापित

स्मार्ट मीटर लगाने के बाद समय पर हो रही बिलिंग और रीडिंग

भोपाल (नप्र)। केन्द्र सरकार की रिवेम्प्ड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम (आरडीएसएस) योजना के अंतर्गत मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कंपनी कार्यक्षेत्र में स्मार्ट मीटर लगाने का काम त्वरित गति से शुरू कर दिया गया है। जहां स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं, वहां समय पर बिलिंग और रीडिंग निर्धारित समय पर हो रही है। उससे सभी उपभोक्ता संतुष्ट हैं। कंपनी कार्यक्षेत्र के भोपाल, नर्मदापुरम, ग्वालियर और चंबल संभाग के 16 जिलों में अब तक 94 हजार 444 स्मार्ट मीटर स्थापित किए जा चुके हैं। कंपनी ने कहा है कि स्मार्ट मीटर लगने से उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाएं, सटीक बिलिंग और ऊर्जा दक्षता में सुधार होगा। स्मार्ट मीटर लगाने का काम समय सीमा में पूर्ण करने के लिए कंपनी की टीमें लगातार कार्य में जुटी हुई हैं।

कंपनी ने स्मार्ट मीटर के फायदे बताते हुए कहा है कि स्मार्ट मीटर से रियल टाइम डेटा प्राप्त किया जा सकता है, जिससे उपभोक्ताओं को सटीक और समय पर बिलिंग सुनिश्चित की जा रही है। इसके अतिरिक्त स्वीकृति प्रक्रिया को सरल और तेज बनाने के लिए आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं।

सिविल जज भर्ती 2022 पर हाईकोर्ट का स्टे

नोटिस देकर मांगा जवाब, आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को अंकों में नहीं दी गई थी छूट

जबलपुर (नप्र)। सिविल जज भर्ती 2022 का विज्ञापन, जो 17 नवंबर 2023 को जारी किया गया था और 17 फरवरी 2024 को सुधार पत्र (कोरिजॉन्डम) जारी किया गया, उस पर हाईकोर्ट ने स्टे लगा दिया है। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस की डिवीजन बेंच ने शुक्रवार को सुनवाई करते हुए इस विज्ञापन के आधार पर हुई समस्त भर्ती प्रक्रिया पर रोक लगा दी।

याचिकाकर्ता ने अदालत में तर्क दिया कि इस भर्ती विज्ञापन में अनारक्षित वर्ग के 17 बैकलॉग पदों को भी शामिल कर लिया गया था, जो प्रक्रिया के नियमों का उल्लंघन है। अदालत ने मामले की गंभीरता को देखते हुए फिलहाल भर्ती प्रक्रिया पर रोक लगा दी है।

श्रमोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 30 जनवरी

नरसिंहपुर। श्रमोदय आवासीय विद्यालय भोपाल, इंदौर, ग्वालियर एवं जबलपुर में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए कक्षा 6वीं से 9वीं में प्रवेश के लिए विद्यार्थियों से 10 जनवरी से 30 जनवरी तक ऑनलाईन पोर्टल 222.mpsos.nic.in के माध्यम से आवेदन आमंत्रित किये जा रहे है। प्रवेश परीक्षा 9 फरवरी को दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक आयोजित की जायेगी। विद्यार्थी परीक्षा के प्रवेश पत्र मप्र राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड के पोर्टल 222.mpsos.nic.in से डाउनलोड कर सकते है।

ग्राम पंचायतों में आज लगाये जायेंगे शिविर

नरसिंहपुर। मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के तहत जिले की जनपद पंचायतों में क्लस्टर के अनुसार ग्राम पंचायतों में शिविरों का आयोजन किया जा रहा है।

इसी क्रम में 25 जनवरी को जनपद पंचायत नरसिंहपुर के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत धुवघट व सिंहपुर बड़ा, जनपद पंचायत गोटेगांव के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत इमलिया व टिकरी, जनपद पंचायत करेली के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत भुगवारा व उमरिया और जनपद पंचायत चीचली के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत पिपरिया दु. के पंचायत मुख्यालय में शिविर लगाये जायेंगे।

श्री कृष्ण जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया

नरसिंहपुर। बीते दिवस श्री कृष्ण जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। सिद्धेश्वरी महिला मंडल बरगी कॉलोनी नरसिंहपुर में सैकड़ो श्रद्धालु की मौजूदगी में भगवान का जन्म उत्सव मनाया गया। वृंदावन से पधारे श्री अंतरराष्ट्रीय प्रवक्ता से नितेश महाराज जी के द्वारा जन्मोत्सव और अन्य कथाओं का वर्णन कराया । यहां पर भागवत ज्ञान कथा 28 जनवरी तक चलेगी।

कांग्रेस का ध्वजारोहण कार्यक्रम कल

नरसिंहपुर। इस वर्ष भी जिला कांग्रेस द्वारा गणतंत्र दिवस मनाया जाएगा। शहर व्लाक कांग्रेस अध्यक्ष अमित गोलू राय ने बताया कि गणतंत्र दिवस 26 जनवरी को जिला कांग्रेस अध्यक्ष नरेन्द्र राजपूत द्वारा सुभाष पार्क नरसिहपुर में प्रातः 8 बजे ध्वजारोहण किया जाएगा । इसके तत्पश्चात शासकीय जिला अस्पताल में स्वर्गीय श्री चौधरी शंकर लाल दुबे की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया जाएगा । शहर व्लाक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अमित गोलू राय द्वारा जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय में प्रातः8:- 45 बजे ध्वजारोहण किया जाएगा। उक्त कार्यक्रमों में समस्त कांग्रेसजनो से उपस्थित की अपील की गई है।

गणतंत्र दिवस का पूर्वाभ्यास सम्पन्न

नरसिंहपुर। नरसिंहपुर में गणतंत्र दिवस का मुख्य समारोह रविवार 26 जनवरी को सुबह 9 बजे से आयोजित किया जायेगा। इस समारोह में प्रदेश के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण व जिले के प्रभारी मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ध्वजारोहण करेंगे। शुक्रवार 24 जनवरी को स्टेडियम ग्राउंड नरसिंहपुर में समारोह का अंतिम पूर्वाभ्यास किया गया। इस अवसर पर विभिन्न प्लाटूनों ने परेड का पूर्वाभ्यास किया। उन्होंने बैंड की धुन पर कदम ताल मिलाकर परेड प्रस्तुत की। इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी पूर्वाभ्यास किया गया। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत श्री दलीप कुमार ने सलामी ली और परेड कमांडरों से परिचय प्राप्त किया। अपर कलेक्टर श्रीमती अंजलि शाह सहित प्रशासनिक व पुलिस विभाग का अमला मौजूद था। समारोह में परेड के साथ विभिन्न विभागों द्वारा राज्य शासन की योजनाओं, कार्यक्रमों और उपलब्धियों पर आधारित नयनाभिराम झांकियां निकाली जायेंगी। परेड का नेतृत्व परेड कमांडर प्रियंक सराटिया करेंगे। परेड में विशेष सशस्त्र बल 6 वीं बटालियन, जिला पुलिस बल, जिला महिला पुलिस बल, जिला होमगार्ड बल, एनसीसी सीनियर डिवीजन एमआईएमटी कॉलेज, एनसीसी सीनियर विंग डिवीजन एमआईएमटी कॉलेज, एनसीसी सीनियर डिवीजन पीजी कॉलेज, एनसीसी सीनियर विग्स पीजी कॉलेज, एनसीसी जूनियर डिवीजन उत्कृष्ट विद्यालय, एनसीसी सीनियर डिवीजन पीजी कॉलेज, स्काउट गाइड उत्कृष्ट विद्यालय, रेडक्रास पीएम श्री शास. एमएलबी कउमा विद्यालय, स्काउट गाइड पीएम श्री शास. एमएलबी कउमा विद्यालय और शौर्य दल महिला एवं बाल विकास विभाग प्लाटून शामिल होंगे। साथ ही बैंड भी परेड में शामिल रहेगा।

नीमच पुलिस पर आरोप, 35 किलो डोडाचूरा को 54 किलो बताया

युवक को छोड़ने के लिए 40 लाख मांगे, गुस्साए गांववालों ने 7 घंटे बंधक बनाया

नीमच (नप्र)। नीमच में 22 जनवरी को लोगों ने पुलिस को 7 घंटे तक बंधक बनाए रखा। करीब एक हजार से ज्यादा गांववालों ने सिंगोली थाना टीआई उमेश यादव समेत 6 पुलिसकर्मियों को घेरे रखा। पत्थर भी फेंके। पुलिस ने लाठियां भांजी, आंसू गैस के गोले छोड़े। आखिरकार देर रात टीम पुलिसकर्मियों को छुड़ाकर ले गई।

दरअसल, पूरा बवाल डोडाचूरा की जब्त क्वांटिटी को लेकर हुआ था। लोगों का कहना था कि पुलिस ने 35 किलो डोडाचूरा जब्त किया था, लेकिन 54 किलो 300 ग्राम बताया। जिस आरोपी निलेश के पास से पुलिस ने डोडाचूरा जब्त किया था, उसके भाई का आरोप है कि पुलिस ने निलेश को छुड़ाने के एवज में 40 लाख रुपए मांगे थे।

सिवनी में ऑटो-बाइक की टक्कर में 8 लोग घायल

हादसे में 3 की हालत गंभीर, जबलपुर मेडिकल रेफर किया गया

सिवनी (नप्र)। सिवनी के घंसौर में सारसडोल डोला फाटक के पास शुक्रवार दोपहर एक ऑटो और बाइक की टक्कर में 8 लोग घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर 108-एम्बुलेंस और घंसौर पुलिस पहुंच गई। जिसके बाद घायलों को नजदीकी अस्पताल लाया गया। जहां पर तीन लोगों को गंभीर हालत में डॉक्टरों ने जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। दरअसल, घंसौर थानाक्षेत्र में घंसौर से इमली टोला की ओर ऑटो जा रहा था और विपरीत दिशा से आ रही बाइक सवार आ रहे थे। इसी दौरान दोनों की आपस में टक्कर हो गई। जिसमें अजीत धुर्वे, 80 वर्षीय लामी मसराम, 65 वर्षीय सतो बाई, 50 वर्षीय जमनवती, 23 वर्षीय परमी बाई, 53 वर्षीय संजीवन, 32 वर्षीय प्रेमवती उइके और 40 वर्षीय लीला बाई को चोटें आई हैं।

स्कूल टीचर ने बच्चों का किया यौन शोषण

विदिशा में वीडियो सामने आने पर खुलासा, धमकी देता था कि परिवार को मार डालेगा

सिरोंज (विदिशा) (नप्र)। विदिशा जिले के सिरोंज में स्कूली बच्चों के साथ यौन शोषण का मामला सामने आया है। आरोप एक निजी स्कूल के टीचर पर है। घटना से जुड़े कुछ वीडियो परिजन तक पहुंचे। जिसके बाद माता-पिता ने बच्चों से पूछताछ की। जांच में सामने आया कि यह सिलसिला लंबे समय से चल रहा था।

पीड़ित बच्चों के परिवार के अनुसार, आरोपी शिक्षक सत्यम रघुवंशी (25) स्कूल में पढ़ाने के बाद ट्यूशन भी पढ़ाता था। वहां बच्चों को रोककर उनके साथ अप्राकृतिक कृत्य करता था। वह बच्चों को धमकी देता था कि अगर किसी को बताया तो उनके परिवार को मार डालेगा, स्कूल में उनकी दोस्ती खत्म करा देगा और उन्हें फेल कर देगा।

मामले की गंभीरता को देखते हुए कई पीड़ित बच्चों के परिजन थाने पहुंचे। इनमें तीन महिलाएं भी शामिल थीं। पुलिस फिलहाल 5 बच्चों को यौन शोषण का शिकार मान रही है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि पीड़ित बच्चों की संख्या 25 से अधिक है।

5वीं से 8वीं तक के बच्चों को पढ़ाता था- बताया जा रहा है कि टीचर स्कूल में 3 साल से पढ़ा रहा है। वह पांचवीं से आठवीं तक के बच्चों को पढ़ाता था। वह शादीशुदा है। उसके परिवार में पत्नी, सालभर का बच्चा, मां-बाप, दो भाई भी रहते हैं। पुलिस ने आरोपी टीचर को गिरफ्तार कर लिया है।

मेडिकल के लिए 6 घंटे इंतजार करते रहे बच्चे- मामले में बच्चों के मेडिकल चेकअप को लेकर लापरवाही भी सामने आई है। दरअसल, 5 बच्चों का सिरोंज के अस्पताल में मेडिकल होना था। पांचों बच्चे परिजन के साथ शाम 5 बजे अस्पताल पहुंच गए। वहां पता चला कि बीएमओ डॉ. विकास बघेल छुट्टी पर हैं।

उनकी जगह डॉ. गोलू जाटव प्रभारी बीएमओ हैं, लेकिन वह भी किसी शादी समारोह में गए थे। ड्यूटी पर तैनात डॉ. पंकज साकेत ने बताया कि वे अभी फ्रेशर हैं। यहां बॉण्ड पर हैं। उन्हें इस तरह के मामले में मेडिकल करने का अनुभव नहीं है।

यह सुनते ही परिजन ने हंगामा कर दिया। फिर डॉ. साकेत ने ही बच्चों का मेडिकल चेकअप किया। इसके बाद रात करीब 11 बजे परिजन बच्चों को लेकर पुलिस के साथ थाने चले गए।

चाइल्ड स्पेशलिस्ट ने किया मेडिकल चेकअप

परिजन की शिकायत पर सिरोंज थाने में मौजूद एसपी रोहित काशवानी और एसडीएम हर्षल चौधरी ने मेडिकल के लिए दो डॉक्टर्स को बुलाया। चाइल्ड स्पेशलिस्ट डॉ. सुरेश अग्रवाल और लटेरी बीएमओ डॉ. अभिषेक उपाध्याय अस्पताल पहुंचे द्य रात करीब 12 बजे बच्चों को एक बार फिर अस्पताल ले जाया गया। रात करीब एक बजे डॉ. पंकज साकेत ने बताया कि एक्सपर्ट टीम की मौजूदगी में बच्चों का चेकअप कर लिया गया है।

3 एफआईआर दर्ज, आरोपी को अज्ञात स्थान पर रखा

एसपी रोहित काशवानी ने कहा- मामले में पुलिस गंभीरता से काम कर रही है। संबंधित स्कूल और कोचिंग के दूसरे बच्चों से भी बात की जाएगी। आरोपी शिक्षक का साइकोलॉजिकल टेस्ट किया जाएगा। उन्होंने कहा- मामले में तीन एफआईआर दर्ज कर ली गई हैं। आरोपी शिक्षक को पुलिस ने राउंड अप कर लिया है। अप्रिय स्थिति से बचने के लिए उसे अज्ञात स्थान पर रखा गया है।

पराक्रम दिवस के रुप में मनाई नेताजी सुभाषचन्द्र बोस की जयंती

नरसिंहपुर। यह देश सदैव उनका ऋणी है जिन्होंने राष्ट्र की अस्मिता और स्वाधीनता के लिये अपना सब कुछ दाव पर लगाया।नेताजी सुभाष चन्द्र बोस का संघर्ष त्याग तपस्या और राष्ट्र समर्पण हमेशा हम सबको देशभक्ति का संदेश देता रहेगा।उक्ताशय के विचार ओज कवि अशोक त्रिपाठी ने पीडब्लूडी हनुमान मंदिर परिसर नरसिंहपुर में नेताजी के जंयती पर्व पर व्यक्त किये।उक्त अवसर पर कविवर त्रिपाठी ने सभी को भावविभोर करते हुए अपना गरिमामय काव्यपाठ यूं किया...जिस माटी में जन्म लिया है उसका कर्ज़ चुकाऊंगा जब तक धड़कन सांसें हैं मैं गीत राष्ट्र के गाऊंगा।नेताजी के स्मरण पूजन अर्चन अपराह्न कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।वरिष्ठ जन परिषद अध्यक्ष गणेश कुमार चतुर्वेदी ने कहा कि हम सब उनके ऋणी हैं।नेताजी का भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में अहम योगदान रहा है।डा.महेश त्रिपाठी ने बोस के जीवन वृत सहित उनके शौर्य पराक्रम को बखूबी उभारा। गुरुवर डी डी गोस्वामी ने कहा कि नेताजी महान क्रांतिकारी लोकप्रिय जननायक और सच्चे देशभक्त थे।पं.यू एस उपाध्याय डा केदार गुप्ता अशोक वर्मा बी एस पटैल दिनेश श्रीवास्तव ने नेताजी के रोचक संस्मरण प्रस्तुत करते हुए उनकी देशभक्ति को नमन किया। पं.विजय शर्मा और सी बी शर्मा ने शानदार कविता पाठ किया। आयोजन में अरुण कुमार खरे बी एस साहू जे पी श्रीवास्तव आर के श्रीवास्तव बी एल नेमा रमेश मेहरा ने भी अपने अपने विचार रखते हुए पराक्रम दिवस मनाया। संचालन पं.सी बी शर्मा ने तो आभार प्रदर्शन अरुण कुमार खरे ने किया।

प्रभारी मंत्री रापजूत करेंगे ध्वजारोहण

नरसिंहपुर। गणतंत्र दिवस 26 जनवरी 2025 को नरसिंहपुर जिले के मुख्य समारोह में प्रदेश के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण व जिले के प्रभारी मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ध्वजारोहण करेंगे। जिला मुख्यालय पर नरसिंहपुर के स्टेडियम ग्राउन्ड पर आयोजित होने वाले मुख्य समारोह में प्रभारी मंत्री श्री राजपूत सुबह 9 बजे राष्ट्रीय ध्वज फहरायेंगे और मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन करेंगे। गणतंत्र दिवस के निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मुख्य अतिथि प्रभारी मंत्री श्री राजपूत द्वारा प्रात- 9 बजे ध्वजारोहण किया जाएगा। इसके पश्चात राष्ट्र धुन एवं सलामी, गुब्बारे छोड़े जायेंगे। प्रात- 9.05 बजे परेड कमांडर द्वारा परेड निरीक्षण हेतु अनुरोध व प्रात- 9.07 बजे मुख्य अतिथि द्वारा परेड निरीक्षण होगा। प्रात- 9.15 बजे मुख्य अतिथि द्वारा मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन किया जायेगा। प्रात- 9.30 बजे जयघोष एवं हर्ष- फायर के बाद प्रात- 9.36 बजे परेड द्वारा मार्च- पास्ट किया जायेगा। प्रात- 9.45 बजे मुख्य अतिथि परेड कमांडरों से परिचय प्राप्त करेंगे।

गाली गलौज कर महिला के साथ मारपीट करने वाले आरोपी को सजा

नरसिंहपुर। न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी अंकिता श्रीवास्तव के न्यायालय द्वारा महिला के साथ मारपीट करने वाले आरोपी जयपाल पुत्र बसंत वरकडे, आयु 45 वर्ष, निवासी- बाजार चौक मुंगवानी, थाना मुंगवानी, जिला नरसिंहपुर को धारा 354 भादवि में 01 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 100/- रूपये के अर्थदण्ड, धारा 354ए, भादवि में 01 वर्ष का सश्रम कारावास एवं धारा 452 भादवि में 01 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 100 /- रूपये के अर्थदण्ड एवं धारा 323 भादवि 01 वर्ष के सश्रम कारावास से दंडित किया गया है। जिला मीडिया सेल प्रभारी द्वारा बताया गया कि दिनांक 22.09.19 को अभियोक्त्री अपने पुत्र रूद्रप्रताप राजपूत जो कॉपी देने दोस्त के घर गया था और देरी से घर लौटा था, को डांट रही थी कि इतनी देर से कहां खेल रहा था। इसी पर से पडोस में रहने वाला जयपाल वरकडे आया और उसके घर के सामने आकर कहा कि मेरे बच्चे को क्यों डांट रही है, तू कौन होती है, मेरे बच्चों को डांटने वाली। तब अभियोक्त्री ने कहा कि मैं अपने लडके रूद्रप्रताप को बोल रही हूं। इसी बात पर से जयपाल उसे बुरी बुरी गालियां देकर बोला कि आज तेरे को निपटा ही देता हूं, कहकर लकडी से सिर में दाहिने तरफ मारा। उसने बचने के लिए हाथ सामने किया तो दोनों हाथों के पंजों में भी लकडी से मारा जिससे चोट आकर खून निकलने लगा। उसी समय बलिराम ठाकुर, जग्गू पटेल आए तो उन्हें देखकर बोला, अब दोबारा मेरे बच्चे को बोली तो जान से खत्म कर दूंगा कहते हुए भाग गया। फिर उसके पति भी आ गए तब उसने उन्हें पूरी बात बताई और उनके साथ थाने रिपोर्ट करने गई। फरियादिया की उक्त रिपोर्ट के आधार पर थाना मुंगवानी में अपराध पंजीबद्ध कर, विवेचना की गई। मामले से संबंधित समस्त आवश्यक अनुसंधान पश्चात मामले के अभियोग पत्र को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। न्यायालय में शासन की ओर से मामले की पैरवी एडीपीओ घनश्याम प्रजापति द्वारा की गई। अभियोजन के द्वारा साक्षियों का परीक्षण कराया गया तत्पश्चात मौखिक तर्क प्रस्तुत किये गये जिनसे सहमत होते हुए न्यायालय द्वारा आरोपी जयपाल वरकडे, को धारा 354 भादवि में 01 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 100/- रूपये के अर्थदण्ड, धारा 354ए, भादवि में 01 वर्ष का सश्रम कारावास एवं धारा 452 भादवि में 01 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 100 /- रूपये के अर्थदण्ड एवं धारा 323 भादवि 01 वर्ष के सश्रम कारावास से दंडित किया गया है।

रामस्नेही पाठक ने किया जिलाध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया, कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

नरसिंहपुर। जिला भाजपा कार्यालय नरसिंहपुर मे भारतीय जनता पार्टी नरसिंहपुर के नव निर्वाचित जिला अध्यक्ष रामस्नेही पाठक ने शुक्रवार को अपना पदभार ग्रहण किया। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी, श्यामा प्रसाद मुख़र्जी जी की मूर्ति पर माल्यार्पण किया इसके बाद महापुरुषों के तैल्य चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की गई।निवृतमान जिला अध्यक्ष इंजी. अभिलाष मिश्रा ने भाजपा के वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में रामस्नेही पाठक को पद भार सौंपा सभी कार्यकर्ताओं ने जोरदार तालियों और भाजपा जिन्दाबाद के नारों के साथ उनका स्वागत किया। निवृतमान जिलाध्यक्ष इंजी.अभिलाष मिश्रा ने नव नियुक्त जिलाध्यक्ष रामस्नेही पाठक को अंगवस्त्र और माला पहनाकर उनका सम्मान किया। इसके बाद उन्हें अध्यक्ष के रूप मे औपचारिक रूप से पार्टी का पदभार सौंपा।कार्यक्रम को पूर्व राज्य मंत्री जालम सिंह पटेल ने सम्बोधित करते हुए कहा कि हमारी पार्टी राष्ट्रीय और प्रदेश नेतृत्व के कुशल मार्गदर्शन मे आगे बढ़ रही है। नई जिम्मेदारी में नव नियुक्त जिला अध्यक्ष से हमारी आशाएं और अपेक्षाएं जुड़ी हुई हैं। मुझे पूरा विश्वास है जो पार्टी की विचारधारा सेवा भाव की एक परंपरा है उस परंपरा का निर्वहन नव नियुक्त जिलाध्यक्ष

पूर्ण जिम्मेदारी के साथ पूरा करेंगे और मुझे पूर्ण विश्वास है कि भाजपा कार्यकर्ता आने वाले अभियान, कार्यक्रमों मे अपनी सक्रिय भूमिका निभाते हुए सफल बनाने मे अग्रणी भूमिका निभाएंगे। निवर्तमान जिलाध्यक्ष इंजी.अभिलाष मिश्रा ने सभी कार्यकर्ताओं के प्रति आभार जताते हुए कहा कि मेरे कार्यकाल के दौरान जो आप सभी का स्नेह, सहयोग मिला उससे पार्टी के बड़े बड़े अभियानो को सफलता के साथ पूरा किया है। पंचायत, नगरीय निकाय, विधानसभा, लोकसभा चुनाबो मे ऐतिहासिक जनादेश मिला जो आप सभी के परिश्रम से ही संभव हो पाया है और यह बात मे बहुत ही गौरव के साथ कह सकता हूँ आप के उत्साह और स्नेह ने मुझे कार्य करने की प्रेरणा दी, आगे भी आप सभी इसी ऊर्जा के साथ कार्य करें और पार्टी को मजबूती के साथ आगे बढ़ाने मे अपना सहयोग देते रहे।कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए नव नियुक्त जिलाध्यक्ष रामस्नेही पाठक कार्यकर्ताओं को आश्वस्त करते हुए कहा कि मैं सभी की उम्मीदों पर खरा उतरने का प्रयास करूंगा। उन्होंने पार्टी के प्रति अपनी निष्ठा और संगठन को मजबूत करने का संकल्प दोहराया एवं आगे कहा कि भाजपा सेवा करने वाली पार्टी है जो जनता की समस्याओं को दूर करने का हर संभव प्रयास करती है। लगातार जनता के बीच जाकर उनके हर सुख-दुख में शामिल होने वाली पार्टी है। अब आप सभी कार्यकर्ताओं के सहयोग से लोगों की समस्याओं के समाधान करने की दिशा में कार्य करना यह हमारा प्रयास होगा। कार्यक्रम को गोटेगांव विधायक महेन्द्र नागेश, डॉ.अनंत दुबे, इंजी.सुनील कोठारी ,छत्रपाल सिंह राजपूत, इंजी. निशा सोनी ने भी सम्बोधित किया।नव नियुक्त जिला अध्यक्ष रामस्नेही पाठक का जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्षो, मोर्चा प्रकोष्ठ के कार्यकर्ताओं ने फूल माला एवं पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन पूर्व जिलाध्यक्ष महंत प्रीतमपुरी गोस्वामी एवं आभार नगर मंडल अध्यक्ष अंशुल नेमा ने किया इस अवसर पर भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही। कार्यक्रम उपरांत रैली के माध्यम से जनपद पंचायत पहुंचकर वहां स्थित अटल जी की मूर्ति पर माल्यार्पण किया गया।

॥ मंदिरम् ॥ 21

चिंताला वेंकटरमण मंदिर, आंध्र प्रदेश

इस मंदिर की सुंदरता के आगे सब कुछ फीका है। चिंताला वेंकटरमण मंदिर जिसे चिंतालारायस्वामी मंदिर के नाम से भी जाना जाता है, आंध्र प्रदेश के अनंतपुर जिले के एक कस्बे ताड़ीपत्री में स्थित एक हिंदू वैष्णव मंदिर है। यह मंदिर वेंकटेश्वर को समर्पित है, जो भगवान विष्णु का एक रूप है जिसे चिंताला वेंकटरमण के नाम से जाना जाता है। इस मंदिर का निर्माण पेम्मासनी नायक के पेम्मासनी तिम्मानायुडु द्वितीय ने करवाया था। यह पेन्ना नदी के तट पर स्थित है, जो शहर से होकर बहती है। चिंताला वेंकटरमण मंदिर अपनी ग्रेनाइट मूर्तियों के लिए जाना जाता है और इसे भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा राष्ट्रीय महत्व के स्मारक के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। मंदिर में एक गरुड़ मंडप है जिसे घूमते हुए ग्रेनाइट पहियों वाले रथ के रूप में डिज़ाइन किया गया है, जो हम्पी के विठला मंदिर में पाए जाने वाले गरुड़मंडप के समान है। नतीजतन, मंदिर का नाम इमली के पेड़ के नाम पर रखा गया, क्योंकि 'चीन' का अर्थ इमली है। हर साल हज़ारों हिंदू भक्त यहाँ आते हैं। मंदिर का परिवेश, जो पेन्ना नदी के तट पर स्थित है, काफी भावपूर्ण है।

राजधानी में गणतंत्र दिवस परेड की शुक्रवाार को लाल परेड ग्राउंड पर फुल ड्रेस परेड हुई। फोटो: प्रवीण वाजपेयी

15 वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस की शपथ दिलायी गयी

भोपाल (नप्र)। अपर मुख्य सचिव श्री अशोक बर्णवाल ने मंत्रालय स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल पार्क में 15 वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस की शपथ दिलायी। शपथ में अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा देश की लोकतांत्रिक परम्पराओं की मर्यादा को बनाए रखने तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए, निर्भीक होकर, धर्म,वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करने की शपथ ली गयी। इस अवसर पर सचिव श्री अनिल सुचारी सहित मंत्रालय एवं सतपुड़ा-विंध्याचल भवन के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

एमपी बोर्ड ने 12वीं के टाइम टेबल में किया संशोधन

एनएसक्यूएफ पेपर की नई तारीख घोषित

भोपाल (नप्र)। माध्यमिक शिक्षा मंडल (एमपी बोर्ड) ने हायर सेकेंडरी परीक्षा 2025 के टाइम टेबल में संशोधन किया है। इस संशोधन के अनुसार, 19 मार्च को होने वाले नेशनल स्कूल क्वालीफिकेशन फ्रेम वर्क (एनएसक्यूएफ) का पेपर होना था, लेकिन अब यह पेपर 21 मार्च को होगा। बता दें कि, एमपी बोर्ड ने हाई स्कूल और हायर सेकेंडरी परीक्षा 2025 की तारीखों की घोषणा करीब 6 महीने पहले की थी। हाई स्कूल की परीक्षा 27 फरवरी से शुरू होकर 19 मार्च को खत्म होगी।

वहीं, हायर सेकेंडरी परीक्षा 25 फरवरी से शुरू होगी और 25 मार्च को खत्म होगी। इससे पहले पिछले 2023-24 सत्र में एमपी बोर्ड की 10वीं-12वीं परीक्षा की तारीखों का ऐलान 2 अगस्त 2023 को किया गया था।

2023-24 सत्र में 5 फरवरी से 5 मार्च के बीच हुए थे एग्जाम- 2023-24 सत्र में म.प्र.बोर्ड के 10वीं के एग्जाम 5 फरवरी से 28 फरवरी के बीच हुए थे, जबकि 12वीं के बोर्ड के एग्जाम 6 फरवरी से 5 मार्च के बीच हुए थे। एमपी बोर्ड के स्टूडेंट्स को एग्जाम में पास होने के लिए कम से कम 33 प्रतिशत मार्क्स स्कोर करना जरूरी है। ऐसे स्टूडेंट्स इस एग्जाम में पास नहीं हो पाते हैं, उन्हें सप्लीमेंट्री एग्जाम देना होता है।

ओम प्रकाश तिवारी का निधन

भोपाल। 'सुबह सवेरे' के संपादक (मप्र) विनोद तिवारी के अग्रज, पूर्व मुख्यमंत्री कैलाश जोशी के दामाद व पूर्व मंत्री दीपक जोशी के जीजाजी एवं पूर्व क्षेत्रीय प्रबंधक मप्र. क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक ओम प्रकाश तिवारी का शुक्रवार को निधन हो गया। वे काफी समय से अस्वस्थ थे। उनका अंतिम संस्कार सुभाष नगर विश्राम घाट पर किया गया। स्व. तिवारी की अंतिम यात्रा उनके निज निवास -सी - 29 बर्फानी धाम प्रधान मंडपम के पीछे होशंगाबाद रोड,भोपाल से निकली। उनके अंतिम संस्कार में शहर के कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। ओम प्रकाश तिवारी के निधन पर सम्पूर्ण बावीसा ब्राह्मण समाज ने गहरा शोक व्यक्त किया है। साथ ही अखिल भारतीय बावीसा ब्राह्मण समाज संगठन,आदि गौड़ बावीसा/पारोत्रा ब्राह्मण समाज, केंद्रीय ट्रस्ट, श्री सिद्धेश्वरी दुर्गा माता मंदिर समिति,भोपाल एवं समस्त सहयोगी संस्था व संगठनों ने स्व. ओम प्रकाश तिवारी को श्रद्धा सुमन अर्पित किए हैं। दिवंगत आत्मा को 'सुबह सवेरे' परिवार की ओर से हार्दिक श्रद्धांजलि।

उज्जैन के खाचरोद की गौशाला से 498 गायें गायब

विरोध में संतों ने मंच पर करवाया मुंडन, बोले- 1028 गौवंश रजिस्टर्ड, मौके पर 530 ही मिले

उज्जैन (नप्र)। उज्जैन के पास खाचरोद की एक गौशाला से 498 गौवंश गायब होने से दुखी संतों ने प्रदर्शन करते हुए अपने बाल कटवा लिए। प्रदर्शन के दौरान, संतों ने मंच पर ही नाई को बुलाकर मुंडन करवा लिया। इस विरोध में स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज (गंगोत्री धाम), स्वामी शिवानंद गिरि जी महाराज (हरिद्वार), स्वामी ब्रह्म ऋषि जी महाराज (पंचायती अखाड़ा बड़ा उदासीन) और हरियाणा-महाराष्ट्र के गौ भक्तों सहित एक दर्जन लोगों ने मुंडन करवाया।फिर गायों को श्रद्धांजलि अर्पित की। खाचरोद के मां बगलामुखी मंदिर के पीठाधीश स्वामी कृष्णानंद जी महाराज ने बताया कि, ग्राम लेकोडिया की गौशाला से 498 गौवंश के लापता होने की न्यायिक जांच और दोषियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने के लिए ज्ञापन सौंपा गया था। हालांकि, स्थानीय प्रशासन द्वारा कोई कार्रवाई न होने के कारण, देशभर से आए संतों और अन्य लोगों ने नाराजगी प्रकट करते हुए अपना मुंडन करवा लिया।

गौशाला में 1028 गौवंश रजिस्टर्ड, मौके पर 530 ही मिले- संत स्वामी कृष्णानंद जी ने गौशाला से 498 गौवंश के लापता होने का दावा किया। उन्होंने बताया कि, लेकोडिया की गौशाला में कुल 1028 गौवंश रजिस्टर्ड हैं। जब स्वास्थ्य विभाग के वेटरनरी डॉक्टरों ने निरीक्षण कर रिपोर्ट तैयार की, तो पता चला कि गौशाला में केवल 530 गौवंश ही मौजूद हैं। स्वामी कृष्णानंद जी ने 14 जनवरी को पशुपालन मंत्री लखन पटेल को पत्र लिखकर 498 गौवंश के लापता होने की जानकारी दी और प्रशासन से उन्हें खोजने की मांग की थी। हालांकि, आज तक प्रशासन उन गायों का कोई पता नहीं लगा सका है।

मुंडन संस्कार कर 498 गौमाता को श्रद्धांजलि- पीठाधीश स्वामी कृष्णानंद जी महाराज ने अपने जन्मदिन को गौमाता को समर्पित करते हुए खाचरोद में संतों और अन्य लोगों के साथ गौमाता को न्याय दिलाने के लिए प्रदर्शन किया। इस अवसर पर, सभी ने गौमाता के नाम पर अपना मुंडन संस्कार कर 498 गौमाता को श्रद्धासुमन अर्पित किए और विरोध प्रकट किया।संतों ने शासन और प्रशासन को चेतावनी दी कि गौमाता के नाम पर हो रहे भ्रष्टाचार में शामिल लोगों पर कड़ी कार्रवाई की जाए।

उमा भारती बोलीं-सौरभ शर्मा तो केंचुआ,अभी अजगर बाहर नहीं आया

कहा-सीएम बनते ही रेवेन्यू पीएस ने आरटीओ चेकपोस्ट गड़बड़ी के बारे में बताया था

मोहन जी, शिवराज जी और वीडी शर्मा ये तीनों निजी जीवन में बहुत साफ सुथरा जीवन जीते

भोपाल (नप्र)। परिवहन विभाग के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा से मिली करोड़ों रुपए की नगदी, सोना, चांदी के मामले में तीन बड़ी एजेंसियां जांच कर रहीं हैं। इस मामले में अब पूर्व सीएम उमा भारती ने भी बड़ा बयान दिया है। उमा भारती ने अपने आवास पर केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना शुरू होने और धार्मिक नगरों में शराबबंदी के फैसले पर मुख्यमंत्री मोहन यादव का आभार जताने के लिए गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी।

उमा ने कहा, मोहन यादव ने 17 शहरों में शराबबंदी का निर्णय किया है। मोहन जी, शिवराज जी और वीडी शर्मा ये तीनों निजी जीवन में बहुत साफ सुथरा जीवन जीने वाले व्यक्ति हैं। उसी का यह परिणाम है। ये उनकी पॉलिसी में भी दिखता है। इसके लिए मोहन जी का अभिनंदन होना चाहिए। मेरी इच्छा तो ये है कि पूर्ण शराबबंदी होना चाहिए।

इस दौरान उमा भारती से पूछा गया कि परिवहन चेकपोस्ट में जो घोटाला सामने आया उसके लिए आप किसे

जिम्मेदार मानती हैं। इसके जवाब में उमा भारती ने कहा-2003 में मुख्यमंत्री बनने के बाद मेरे सामने ये बात आ गई थी। उस समय मैंने गुजरात के मुख्यमंत्री और वर्तमान प्रधानमंत्री मोदी जी से बात की। मैंने पूछा कि भाई इसको कैसे करना है। मैं चाहती हूं कि हम यहां से पूरा रेवेन्यु वसूल कर सकें। हमारी उस समय की जो प्रिंसिपल सेक्रेटरी ने ही मुझे ये सुझाव दिया था कि शराब का रेवेन्यु अगर 1500 करोड़ है तो हम 3 हजार करोड़ की व्यवस्था कर लें। तो उन्होंने मुझसे कहा कि शराब नीति में परिवर्तन करके लॉटरी व्यवस्था कर दीजिए। तेंदूपत्ता नीति का सुझाव दिया और सबसे पहला सुझाव चेकपोस्ट का दिया। तभी उन्होंने मुझसे कहा कि इसमें बहुत बड़ी गड़बड़ है। हम शॉर्ट नोटिस टेंडर प्रक्रिया में आ ही रहे थे। कि जो लोग गुजरात में ये काम कर रहे हैं जो एक्सपर्टाइज लिए हुए हैं उन्हीं की टीम से सलाह लेकर हम ये काम कर लेंगे। मैं इतने में चली गई। उसके बाद चूहे का बिल गहराता गया। और आज गहराइयों में से सौरभ शर्मा अकेला केंचुआ निकला अभी अजगर तो निकला ही नहीं हैं।

नदी जोड़ो परियोजना धारा 370 जैसी- उमा भारती ने कहा- इसकी कैड योजना यानि कमांड एरिया डेवलपमेंट की बहुत अच्छी परियोजना हमने बनाई है। इसमें गोपालन, फलों, सब्जियों का बहुत बड़ा काम होगा। उस हिसाब ये यह योजना इस एरिया को स्विट्जरलैंड से बड़ी जीडीपी में बदल देगी। मैं इस योजना की तुलना धारा 370 से करती हूं क्योंकि, धारा 370 संविधान की अस्थाई धारा थी। अमित शाह ने धारा 370 हटाकर हिम्मत दिखाई। ऐसी ही हिम्मत मुख्यमंत्री मोहन यादव ने दिखाई है। अगर यह 30 योजनाएं पूरी हो गई। 35 मिलियन हेक्टेयर जमीन सिंचित होगी। तो भारत की 100 प्रतिशत जमीन सिंचित हो जाएगी और 34000 मेगावाट बिजली पैदा होगी। जिससे हम पूरी दुनिया को बिजली बेच सकेंगे।

उमा ने सुनाई नदी जोड़ो परियोजना की शुरुआत से शिलान्यास तक की कहानी

उमा भारती ने कहा- नदी जोड़ो का सपना अटल जी ने देखा था। उस सपने की कहानी ये थी कि भारत में बाढ और सुखाड़ की दो समस्याएं एक साथ थीं। कहीं बाढ़ है तो कहीं सूखा है दोनों का ये निदान था कि बाढ़ का जो अतिरिक्त पानी है उसे सूखे क्षेत्र में कैसे उपयोग हो। अटल जी ने एक कमेटी बनाई उसके अध्यक्ष सुरेश प्रभु बनाए गए। सुरेश जी को सबसे पहले बुलाने वाला राज्य मप्र था। फरवरी 2004 में सुरेश जी आए। हमने उनसे कहा कि हमारी उप्र और मप्र की बहुत पुरानी केन-बेतवा रिवर लिंक परियोजना थी।

हमने कहा कि हम केन-बेतवा को मिलाकर देश का पहला रिवर लिंक बना सकते हैं। इस पर उन्होंने काम शुरू किया। इस परियोजना के अलावा उन्होंने 30 और नदी जोड़ो परियोजनाओं पर काम शुरू किया। फिर हमारी सरकार मई 2004 में चली गई। उसके बाद सुरेश प्रभु की रिपोर्ट 2004 से 2014 तक धूल खाती रही। वाटर रिसोर्स मिनिस्ट्री में सब्मिट हो गई और मंत्रालय में सुरेश प्रभु की रिपोर्ट पड़ी रही। 2014 में जब फिर से हमारी सरकार बनी तो केन-बेतवा परियोजना की बात हुई। सुप्रीम कोर्ट का ऑर्डर हो गया था कि इन योजनाओं में कोई बाधा ना आए इसके लिए कोर्ट साथ देगा। सभी 30 प्रस्तावित परियोजनाएं शुरू करिए। इसके लिए सबसे पहले केन-बेतवा पूरी करिए। क्योंकि उसमें अधिकतर काम हो चुका है।

मेरे जाने के बाद मुलायम सिंह से जो बात हुई थी उस दौरान बाबूलाल गौर और मुलायम सिंह का एमओयू हो चुका था। जब इसकी फाइनल स्थिति में आए तो प्रधानमंत्री जी ने मुझे 2017 में उत्तर प्रदेश के चुनाव के तुरंत बाद कहा था कि उमा बेन हम केन-बेतवा को शुरू करेंगे। मेरी बहुत इच्छा है कि भारत के सबसे तीन सूखाग्रस्त इलाकों में एक बुंदेलखंड के लिए आप जितनी जल्दी हो सके केन-बेतवा को प्रारंभ करवा दो।

इसमें मध्य प्रदेश की सरकार की कुछ आपत्तियां थी और वह आपत्ति बहुत नाजायज नहीं थी। लेकिन वह दरकिनार भी की जा सकती थी। जैसे उनके यूपी के साथ पानी के कुछ और समझौते थे जो शॉर्ट-आउट नहीं हुए थे। उनका कहना था कि जब तक वे न सुलझ जाएं चूंकि इसमें उजड़ने वाला पूरा क्षेत्र मध्य प्रदेश का आ रहा था। इसलिए उन्होंने कहा था कि पहले इन्हें सुलझा लीजिए। वहां स्थिति बहुत अजीब हो जाती थी मुख्यमंत्री जी राजी हो जाते थे लेकिन अधिकारी उनको भड़का देते थे। 2017 में ही यह परियोजना शुरू हो जानी थी। थोड़ी तकनीकी प्रक्रियाएं थीं। अंत में वह योजना अटकी सो अटकी रह गई। अब दिसंबर 2024 में इस योजना का टेकऑफ हुआ। ये दुनिया की पहली योजना है रिवर लिंकिंग की। जो भी अन्य परियोजनाएं हुईं वो एक खास सीमित क्षेत्र में हुई। कनाड़ा वगैरह में हुई हैं। लेकिन ये पहली इतनी बड़ी परियोजना है जो तीसरी नदी का निर्माण करेगी। बेतवा में मिलने के लिए केन चलेगी तो रास्ते में तीसरी नदी बनेगी।

माँ नर्मदा के आशीर्वाद से निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है मध्यप्रदेश : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने महेश्वर में माँ नर्मदा के घाट पर की पूजा-अर्चना

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को लोकमाता अहिल्याबाई की पावन नगरी महेश्वर में नर्मदा के घाट पर माँ नर्मदा की पूजा-अर्चना की। उन्होंने कहा कि माँ नर्मदा के आशीर्वाद से मध्यप्रदेश निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने माँ नर्मदा से प्रदेश की समृद्धि और प्रदेशवासियों की खुशहाली के लिये कामना की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रि-परिषद के सदस्यों के साथ माँ नर्मदा को चुनरी अर्पित कर दुग्ध अभिषेक भी किया। नर्मदा पूजन में 20 स्थानीय पंडितों द्वारा नर्मदाष्टक का उच्चारण कर विधि-विधान से पूजन कराया। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव और मंत्रि-परिषद के सदस्य शुक्रवार को केबिनेट बैठक के लिये महेश्वर पहुँचे थे।

माँ नर्मदा की पूजा-आरती कर चुनरी चढ़ाई

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने महेश्वर में लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर की प्रतिमा और गादी पूजन कर नमन किया। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने महेश्वर में लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर की प्रतिमा पर मन्त्रि-परिषद के सदस्यों के साथ पुष्पांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने मंडलेश्वर में 'महेश्वर-जानापाव माइक्रो उदवहन सिंचाई परियोजना' के शिलान्यास समारोह का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया।

5वीं मंजिल से गिरकर कॉन्स्टेबल की पत्नी की मौत

पिता का आरोप- ग्वालियर में पति ने मारपीट कर बेटी को बालकनी से फेंका

ग्वालियर (नप्र)। ग्वालियर में कॉन्स्टेबल की पत्नी की 5वीं मंजिल से गिरकर मौत हो गई। घटना गुरुवार शाम करीब 7 बजे की है। महिला को जया आरोग्य अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान देर रात उसने दम तोड़ दिया।

जानकारी के मुताबिक, आरती राठौर ग्वालियर के सागर ताल स्थित सरकारी मल्टी में रहती थी। आरती का पति दिलीप राठौर थाटीपुर थाने में कॉन्स्टेबल है। घटना के बाद रात में दिलीप ने बताया कि आरती ने मल्टी की छत से छलांग लगा दी है। मायके जाने से इनकार कर दिया था, इस कारण वह नाराज थी।

हेड कॉन्स्टेबल भूपेंद्र सिंह ने बताया, शुक्रवार को महिला के पति के बयान लिए, जिसमें उसने बताया कि वह छत से गिर गई है। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है। वहीं, जब आरती के परिजनों

ने दिलीप से घटना के बारे में पूछा तो उसने कहा, मैं नीचे था, आरती छत पर सेल्फी ले रही थी। तभी वो नीचे गिर गई।

आरती के पिता रामरूप का आरोप है कि मल्टी की बालकनी पर खून के धब्बे हैं। पति दिलीप ने आरती से मारपीट की और बालकनी से फेंककर उसकी हत्या कर दी। दिलीप को दूसरी शादी में 15 लाख रुपए मिल रहे थे, इसलिए वो बेटी को मारने की फिराक में था।

पुलिस पहुंची तो फ्लैट पर ताला लगा मिला- जानकारी के मुताबिक, पुलिस को महिला के बिल्डिंग से कूदने की सूचना मिली तो टीम जांच के लिए मौके पर पहुंची। यहां कॉन्स्टेबल दिलीप राठौर के फ्लैट पर ताला लगा मिला। दोनों के दो बच्चे हैं, वह भी घर पर नहीं मिले। वे सभी अस्पताल पहुंच गए थे।

पुलिस ने महिला के कॉन्स्टेबल पति के बयान के आधार पर जांच शुरू की है। अब मामले में पुलिस मल्टी में रहने वाले अन्य लोगों से पूछताछ करेगी। आरती और दिलीप की शादी 2017 में भिंड जिले में हुई थी। दोनों के बेटी निधि (6) और बेटा विहान (2) है। आरती का मायका दिल्ली में है। मृतक आरती का पति कॉन्स्टेबल दिलीप राठौर (बीच में) बार-बार अपने बयान बदल रहा है।

झोपड़ी में आग लगी, जिंदा जले दो बच्चे

2 और 3 साल के मासूमों को सोता छोड़ गए थे माता-पिता, लौटे तो शव मिले

पन्ना (नप्र)। पन्ना जिले में खेत पर बनी झोपड़ी में अचानक आग लगने से दो बच्चे जिंदा जल गए। बच्चों के माता-पिता जंगल में लकड़ी बीनने गए थे। लौटे तो झोपड़ी राख बन चुकी थी।

घटना बृजथाना क्षेत्र के इटवांखास गांव में शुक्रवार सुबह करीब 10.30 बजे की है। खेत के आसपास मौजूद लोगों ने पुलिस को सूचना दी। जिसके बाद नायब तहसीलदार शशिकांत दुबे पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने दोनों संदीप (3) और अंकित (2) के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा है।

बच्चे सो रहे थे और आग लग गई- सुबह करीब 7 बजे देसु आदिवासी (30) और उसकी पत्नी अपने दोनों बच्चों को खेत पर बनी झोपड़ी में सोता छोड़कर जंगल में लकड़ी बीनने गए थे। वह दोनों लकड़ी लेकर करीब 10.30 बजे लौटे तो उन्हें झोपड़ी जलकर खाक मिली। यह देख पिता देसु जोर-जोर से चिल्लाने लगा। आवाज सुनकर

आसपास खेत पर काम कर रहे लोग पहुंच गए। इसकी सूचना पुलिस को दी। घटनास्थल पर पहुंचकर पुलिस ने शव का पंचनामा कराया है।

खेत पर बटाई का काम करता है पिता- अमानगंज थाना क्षेत्र के रतनपुरा गांव निवासी देसु आदिवासी अपने परिवार के साथ ओमप्रकाश बाजपेई के खेत पर बटाई पर काम करता था। फसल की रखवाली के लिए खेत की मेड़ पर घास की झोपड़ी बनाकर रह रहा था।

पटवारी रघुनाथ बागरी ने बताया कि आज सुबह इतवांखास गांव में जमीन की रखवारी कर रहे देसु आदिवासी के दो बालक आग की चपेट में आ गए। दोनों मृत मिले हैं। नायाब तहसीलदार और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची है, जांच चल रही है।